नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिस जवान को ट्राफी देकर सम्मानित करते सीएम हेमंत सोरेन

• बोकारो, शुक्रवार 26 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 40 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची में पासिंग आउट परेड : मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 440 पुलिस अफसरों और जवानों ने ली शपथ, उत्कृष्ट ट्रेनी सम्मानित

राज्य के हर क्षेत्र में समान हो पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची के डोरंडा स्थित जैप वन परिसर में गुरुवार को बुनियादी प्रशिक्षुओं के लिए लिए पारण परेड समारोह-2026 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में नव प्रशिक्षित चार डीएसपी व 336 जवानों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। इनमें महिला प्रशिक्षु सिपाहियों की संख्या 81 व पुरुष सिपाहियों की संख्या 255 थी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सभी 440 पुलिस अधिकारियों-जवानों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल के साथ कृतसंकल्पित होकर खड़ी है। बल में महिलाओं की भागीदारी हर्ष का विषय है। सबने 30 हफ्ते का कड़ा व लंबा प्रशिक्षण लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे अधिक खुशी देने वाली बात यह है कि इस बैच में लगभग 25 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। वे चाहते हैं कि राज्य के हर क्षेत्र में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी समान हो। पुलिस सिर्फ एक व्यक्ति मात्र या खुद के लिए नहीं बल्कि राज्य के आम नागरिकों की रक्षा के लिए समर्पित है। आज से सभी प्रशिक्षु एक व्यवस्था से बंध चुके हैं। कर्तव्य निर्वहन के दौरान हो सकता है बड़ी चुनौतियां आए, जिसमें जान भी जा सकती है। पूर्व में इसी कर्तव्य निर्वहन के दौरान उनके स्वजन ने भी प्राणों की आहुति दी है। स्वजनों के उसी अधूरे रास्ते और सफर को पूरा करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार ने अब नव प्रशिक्षुओं के कंधे पर सौंपा है। ये सिर्फ नौकरी व तनख्वाह के लिए पुलिस बल में शामिल नहीं होते हैं बल्कि कुछ सर्वोच्च कर्तव्यों के संकल्प के साथ इस व्यवस्था से बंध जाते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जिन अलग-अलग विषयों की ट्रेनिंग दी गई है उसका परिणाम अब राज्य की कानून-व्यवस्था, विधि-व्यवस्था और राज्य के भीतर घटने वाली या संभावित घटनाओं को नियंत्रित करने में दिखना चाहिए। सभी पूरी निष्ठा से प्रयास करेंगे तो राज्य की हर चुनौती को समाप्त करते हुए उसका समाधान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि पुलिस विभाग के लिए अलग से आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त आवासीय विद्यालयों का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही पुलिस विभाग के अंतर्गत अलग से विशेष स्वास्थ्य सुविधाएं भी स्थापित की जा रही हैं। पासिंग आउट परेड में शामिल सभी प्रशिक्षु जवानों ने मार्च पास्ट कर मौके पर मौजूद अतिथियों का अभिवादन किया। उन्हें अनुशासन, देश व राज्य सेवा, संविधान, पुलिस बल की गरिमा, समर्पण व कर्तव्यनिष्ठा के प्रति शपथ दिलाई गई। मौके पर डीजीपी तदाशा मिश्रा, एडीजी प्रिया दुबे सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में दर्ज एफआईआर रद्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना में उनके खिलाफ दर्ज आचार संहिता उल्लंघन मामले की प्राथमिकी (एफआईआर) को निरस्त कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। अदालत ने याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन और राज्य सरकार दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के खिलाफ इस मामले में चल रही कानूनी कार्रवाई पर पूरी तरह विराम लग गया है। मामला वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव के दौरान कथित आचार संहिता उल्लंघन से जुड़ा था। आदित्यपुर थाना में कांड संख्या 418/2014 के तहत हेमंत सोरेन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस एफआईआर को चुनौती देते हुए उनकी ओर से झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि दर्ज प्राथमिकी और उसके आधार पर चल रही कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। इसी आधार पर एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। मामले के लंबित रहने के कारण यह लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बना हुआ था। इस मामले की पूर्व सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने निचली अदालत में चल रही ट्रायल प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। इसके बाद से मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में जारी थी। अंतिम सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी पक्षों की दलीलों और उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन किया। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका स्वीकार करते हुए प्राथमिकी को निरस्त करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले को मुख्यमंत्री के लिए महत्वपूर्ण कानूनी राहत माना जा रहा है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद राजनीतिक और कानूनी हलकों में इसकी चर्चा तेज हो गई है। यह मामला लंबे समय से लंबित था और अब एफआईआर निरस्त होने के साथ ही इससे जुड़ी न्यायिक प्रक्रिया समाप्त हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की बिगड़ी तबीयत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता चंपाई सोरेन की अचानक तबीयत खराब हो गयी है। ब्लड शुगर लेवल (रक्त शर्करा) हाई होने के कारण उनकी तबीयत खराब होने लगी जिसके बाद उन्हें बीती देर रात आनन-फानन में जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनके स्वास्थ्य की लगातार मॉनीटरिंग कर रही है।

दनुवा घाटी में गहरी खाई में गिरा ट्रेलर

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 स्थित दनुवा घाटी में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर लगभग 20 फीट गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एंबुलेंस टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा में सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई है। इस हादसे के बाद नाराज ग्रामीणों ने डालटनगंज पांकी रोड और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। मृतक की पहचान पाखी थाना क्षेत्र के करार निवासी मजीद अंसारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचपूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

नशा तस्करों की सूचना देने पर मिलेगा ईनाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का समापन गुरुवार को रांची के शौर्य भवन में हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के सदस्य और बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल नशे पर रोक लगाना नहीं है बल्कि युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और बेहतर भविष्य देना है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त झारखंड का सपना तभी पूरा होगा जब समाज का हर व्यक्ति इस अभियान में अपनी भागीदारी निभाएगा। डॉ अंसारी ने कहा कि नशे की वजह से कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने रांची पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि फ्लाईओवरों के नीचे बच्चों द्वारा कफ सिरप और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने

अभिभावकों से भी बच्चों पर विशेष ध्यान देने और उन्हें सही मार्गदर्शन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है जिसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या आज पूरी दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। इससे निपटने के लिए सरकार, समाज, शिक्षण संस्थानों और जनप्रतिनिधियों को मिलकर काम करना होगा। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल ने कहा कि वर्ष 2024 से चल रहे इस अभियान को पूरे राज्य में अच्छा समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि इस साल करीब 700 फील्ड कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है ताकि गांव और शहर स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सरकार ने नई नीति के तहत नशा तस्करों की सूचना देने वालों के लिए पुरस्कार की व्यवस्था की है। किसी भी तस्कर या नशे से जुड़ी गतिविधि की जानकारी देने पर कम से कम तीन हजार रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा।

ठनका गिरने से दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जामताड़ा। बुधवार देर रात शादी समारोह के क्रम में आई तेज आंधी-पानी के दौरान ठनका गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद शादी का खुशनुमा माहौल गम में बदल गया। जानकारी के अनुसार घटना देर रात बिंदापाथर थाना क्षेत्र के चरकादाहा गांव में घटी। बताया जाता है कि चरकादाहा गांव में एक शादी समारोह हो रहा था। गांव के सभी लोग इसमें शामिल होने आए थे। खुशनुमा माहौल था। सब मौज मस्ती कर रहे थे कि अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। सभी लोग बारिश से बचने के लिए शेड का सहारा लेने लगे लेकिन उसी समय काफी गरज के साथ वज्रपात हुआ जिसने दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई और माहौल गमगीन हो गया। आनन फानन में किसी तरह से गांव के लोग मृत व्यक्ति एवं घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए जहां पर चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

बस-ऑटो की टक्कर में दो लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग एनएच 23 पर बारलौंग में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और करीब आधे घंटे तक सड़क जाम रहा। मिली जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरा एक ऑटो गोला से रामगढ़ की ओर जा रहा था तभी विपरीत दिशा से आ रही बस ने ऑटो को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और ऑटो बस के अंदर समा गया। उसमें सवार सभी चार ड्राइवर समेत सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों घायलों को रामगढ़ सदर अस्पताल लाया गया जहां एक महिला और एक पुरुष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतको में ऑटो चालक और सुकरीगढ़ा निवासी रिया कुमारी शामिल है। बताया गया कि रिया किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रामगढ़ जा रही थी जबकि रविरंजन भारती एवं अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों पतरातू रेलवे में लोको पायलट हैं। रवि रंजन भारती ने बताया कि मुरी से ड्यूटी कर वापस पतरातू लौट रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने सामने टक्कर हो गई। दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार सदर अस्पताल रामगढ़ में किया गया फिर रांची रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बस और क्षतिग्रस्त ऑटो को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

देवघर में श्रावणी मेला से पहले स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

सदर अस्पताल का जांच लैब तीन पालियों में होगा संचालित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। आगामी श्रावणी मेला को देखते हुए देवघर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। श्रद्धालुओं और स्थानीय मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सदर अस्पताल स्थित जिला पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री की कार्य अवधि बढ़ा दी गई है। अब तक यह जांच केंद्र केवल एक पाली में संचालित होता था जिससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने इसे तीन पालियों में संचालित करने का निर्णय लिया है। सदर अस्पताल की अधीक्षक डॉ. सुषमा वर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की कमी के कारण अब तक जांच केंद्र एक ही पाली में संचालित हो रहा था। हालांकि मरीजों की समस्याओं को देखते हुए अतिरिक्त कर्मियों की व्यवस्था की गई है जिसके बाद अब जांच केंद्र दो पालियों में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि श्रावणी मेले के दौरान सदर अस्पताल पर मरीजों का दबाव कई गुना बढ़ जाता है। देवघर का सदर अस्पताल न केवल स्थानीय लोगों बल्कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र की भूमिका निभाता है। ऐसे में मेले के दौरान प्रतिदिन हजारों मरीज अस्पताल पहुंचते हैं। डॉ. सुषमा वर्मा ने कहा कि श्रावणी मेले के समय जांच केंद्र को तीनों पालियों में यानी 24 घंटे संचालित करने की योजना है। इस संबंध में सिविल सर्जन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों से चर्चा की गई है। फिलहाल जांच केंद्र दो पालियों में मरीजों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। गौरतलब है कि देवघर के कई स्वास्थ्य केंद्रों में अभी भी कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। ऐसे में जांच प्रयोगशाला जैसे महत्वपूर्ण विभागों में पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग की यह पहल श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत प्रदान कर सकती है।

नशामुक्त गिरिडीह के संकल्प को साकार करने में जुटा जिला प्रशासन

गांव-गांव पहुंच रहा जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। राज्य सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत गिरिडीह जिला प्रशासन निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों और गांवों में लगातार जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों द्वारा नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रमों में बताया जा रहा है कि नशा व्यक्ति के जीवन, परिवार और समाज के लिए गंभीर खतरा है। इससे आर्थिक संकट, पारिवारिक कलह, अपराध तथा स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कलाकार गीत, संवाद और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ एवं सम्मानजनक जीवन अपनाने का संदेश दे रहे हैं। वहीं एलईडी प्रचार वाहन के जरिए नशे के दुष्परिणामों पर आधारित लघु फिल्में, जनहित संदेश और जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीणों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए नशा छोड़े, परिवार जोड़े, नशामुक्त गांव-समृद्ध गांव तथा स्वस्थ युवा-सशक्त राष्ट्र जैसे संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है उपायुक्त रामनिवास यादव ने लोगों से इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की अपील करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही नशामुक्त गिरिडीह और नशामुक्त झारखंड का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने आमजनों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। जिला प्रशासन ने बताया कि आगामी दिनों में भी जिले भर में जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे।

पांच स्वर्ण पदकों के साथ हजारीबाग चैंपियन

चतरा बना रनर-अप, डीआईजी अंजनी झा ने विजेता टीमों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट-2026 में हजारीबाग पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए और ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रमंडल के पांच जिलों की पुलिस टीमों ने भाग लिया, जिसमें हजारीबाग ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं चतरा जिला पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान विभिन्न तकनीकी, अनुसंधान एवं व्यावसायिक दक्षता से जुड़ी प्रतियोगिताओं में हजारीबाग के पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। टीम ने पांच स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की और पूरे प्रमंडल में जिले का नाम रोशन किया। समापन समारोह में उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र

के डीआईजी अंजनी झा ने विजेता प्रतिभागियों एवं टीमों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ड्यूटी मीट केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता, अनुसंधान क्षमता, पेशेवर दक्षता और टीम भावना को निखारने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने भी चतरा टीम के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि रनर-अप का स्थान प्राप्त करना टीम की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

वहीं हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने ओवरऑल चैंपियन बनने पर हजारीबाग टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले के पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा पेशेवर प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि टीम ने जिस उत्कृष्टता के साथ प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया है, वह पूरे पुलिस बल के लिए गर्व का विषय है। भविष्य में भी इसी समर्पण और लगन के साथ कार्य करते हुए नई उपलब्धियां हासिल करने की उम्मीद है।

हजारीबाग पुलिस की इस शानदार सफलता से पुलिस महकमे में खुशी का माहौल है। जिले के अधिकारियों और जवानों ने इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयास और टीम वर्क की जीत बताते हुए आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन का संकल्प दोहराया।

कौशल विकास प्रशिक्षण के छात्रों ने चलाया नशापान के विरुद्ध जागरुकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। नशापान के विरुद्ध लगातार खूंटी में जनजागरुकता अभियान अलग अलग समूहों द्वारा चलाया जा रहा है। खूंटी के मेन रोड में आज कौशल विकास प्रशिक्षण के छात्र छात्राओं ने सामूहिक रूप से रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया। बीड़ी, सिगरेट, ड्रग्स का सेवन करने से क्या क्या हानियां होती हैं इसे भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बखूबी दर्शाया गया। उर्वशी कुमारी ने नशापान को लेकर घर से बाहर तक की सच्चाई को उजागर किया और कहा कि नशा क्या है वह तो हम सभी जानते हैं यह भी हमें पता है लेकिन पता नहीं क्यों हम उसे अच्छा मानने लगते हैं। हम सभी को पता है कि नशा करने से सिर्फ नुकसान ही है। सभी जानते हैं कि उसे धीरे-धीरे नुकसान होता है ना कि एक बार में और घर में भी अगर कोई शराब या नशे की लत में है तो घर में उसकी वजह से कुछ गलत हो रहा है झगड़ा हो रहा है सब उसे दिखाई देता है सब समझ में भी आता है लेकिन यह सब देखते हुए भी उसे लगता है सब कुछ आम है सामान्य है। सुनैना कुमारी ने कहा कि हम लोग यहां पर नशा मुक्ति दिवस के लिए एकत्रित हुए हैं। नशा मुक्ति तभी छूटेगा जब आदमी नशा बनाना बंद कर दे। नशा मुक्ति के लिए छोटी छोटी कोशिश से ही बड़ी कामयाबी मिलेगी। जितना भी हो सके उतना नशा मुक्ति के बारे में हम सभी अपने गांव घर और समाज को बताएंगे तभी हमारा देश नशामुक्त हो सकता है। कौशल विकास की ट्रेनर दीपशिखा ने कह कि नशा हमारे पास दोस्त बना करके आता है। घर में नशा का प्रवेश होता है फिर धीरे धीरे समाज भी खोखला होता जाता है। घर और समाज में बहुत सारी परेशानियां होने लगती है। लड़कियों को, बच्चों को यहां तक की महिलाएं भी नशापान के कारण प्रताड़ित होती हैं और खुद जो नशा कर रहा है उस व्यक्ति को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उसके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है और पूरा परिवार उसके कारण मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों में घिर जाता है। इसलिए हमसभी नशापान के खिलाफ रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरुकता फैला रहे हैं।

नशामुक्त गिरिडीह के संकल्प को मिला जनसमर्थन

अनुमण्डलस्तरीय कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राज्यव्यापी नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को खोरीमहुआ अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने एकजुट होकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, कौशल विकास और सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार और समाज में नशा विरोधी संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा सके। उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि जागरूकता ही नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील की कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, गांव और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया कार्यशाला में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। कलाकारों ने प्रभावशाली प्रस्तुति के जरिए नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान को दर्शाया। कार्यक्रम के माध्यम से नशामुक्त गिरिडीह के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

मुहर्रम को लेकर प्रशासन सतर्क, डीसी-एसपी ने किया दौरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में उपायुक्त रामनिवास यादव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने खोरीमहुआ, बगोदर सरिया, डुमरी तथा सदर अनुमंडल क्षेत्रों का संयुक्त दौरा कर ताजिया समितियों, जनप्रतिनिधियों, धार्मिक नेताओं और दोनों समुदायों के लोगों से संवाद किया उपायुक्त ने कहा कि जिले की पहचान भाईचारे और सामाजिक सौहार्द से है, जिसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ताजिया समितियों से निर्धारित मानकों और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की तथा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि मुहर्रम को लेकर संवेदनशील स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की संयुक्त दौरे के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों की समस्याएं और सुझाव भी सुने तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बिजली संकट के समाधान को लेकर बैठक

अधिकारियों ने दिया आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान को लेकर कोयलांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (केसीसीआई) के पदाधिकारियों ने बुधवार को विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की केसीसीआई अध्यक्ष राहुल बर्मन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने विद्युत विभाग के महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता प्रतोष कुमार से मुलाकात कर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। बैठक में बरसात से पूर्व विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने, ब्रेकडाउन की स्थिति में कम क्षेत्र प्रभावित हो इसके लिए स्विचों की संख्या बढ़ाने तथा खराब इंसुलेटरों को शीघ्र बदलने की मांग उठाई गई इसके अलावा आपात स्थिति में उपभोक्ताओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभागीय कॉल सेंटर नंबर जारी करने का भी प्रस्ताव रखा गया। विद्युत अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। बैठक में राजेश गुप्ता, गोपाल दास भदानी, डॉ. सुमन, अरुण कुमार साव, राहुल कुमार, मनीष बर्णवाल, गौतम सागर, रवि राज, सौरव महासेठ, धर्मप्रकाश सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस ने दो पिस्टल और 33 जिंदा कारतूसों के साथ एक को दबोचा

प्रिंस खान गिरोह के लिए हथियार जुटा रहा था आरोपित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

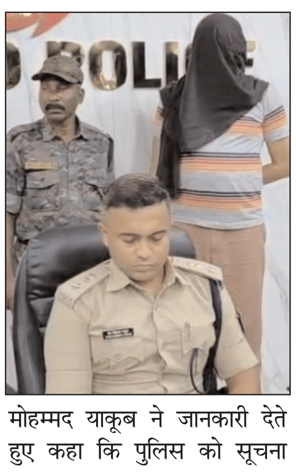

धनबाद। धनबाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चिरकुंडा थाना क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मो. रिजवान सिद्दीकी, उम्र करीब 45 वर्ष, निरसा थाना क्षेत्र के वृंदावनपुर का रहने वाला है और वह प्रिंस खान संगठित आपराधिक गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। इस संबंध में गुरुवार को धनबाद के ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में अपने एक परिचित के घर में भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोली जमा कर रहा है। सूचना के आधार पर छापेमारी टीम गठित कर कार्रवाई की गई, जहां से पुलिस ने दो अवैध पिस्टल, 33 जिंदा कारतूस और हथियारों की खरीद-बिक्री से जुड़े बातचीत वाला एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया। बरामद हथियारों में एक 9 एमएम पिस्टल मैगजीन के साथ और एक 7.65 एमएम देशी पिस्टल मैगजीन सहित शामिल है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जेल में बंद अफजल अमन के इशारे पर हथियार और गोली इकट्ठा की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आने वाले दिनों में रेलवे टेंडर से जुड़े ठेकेदारों को प्रिंस खान गिरोह के नाम पर डराकर रंगदारी वसूलने की योजना बनाई जा रही थी। इस मामले में चिरकुंडा थाना में आर्म्स एक्ट समेत बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वर्षों पुराना मुहर्रम जुलूस मार्ग विवाद सुलझा, प्रशासन की पहल से बनी सहमति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। कुटुंबा प्रखंड क्षेत्र के सांडी गांव में पिछले 11 वर्षों से चला आ रहा मोहर्रम जुलूस के रास्ते का विवाद प्रशासनिक पहल के बाद आखिरकार गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझ गया। हर साल मोहर्रम के मौके पर इस विवाद के कारण आसपास के क्षेत्रों में माहौल अति-संवेदनशील बना रहता था, जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने इस वर्ष सक्रिय भूमिका निभाई। मामले के स्थायी समाधान के लिए प्राथमिक विद्यालय सांडी के प्रांगण में अनुमंडल पदाधिकारी संतन सिंह की अध्यक्षता में एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कई घंटों तक चली इस मैराथन बैठक में दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों ने अपने-अपने पक्ष रखे। शुरुआत में अति पिछड़ा समुदाय के लोगों ने अपने वर्षों पुराने पारंपरिक मार्ग से ही जुलूस ले जाने का आग्रह किया, जबकि दूसरे पक्ष ने सुरक्षा के लिहाज से उक्त रास्ते को संवेदनशील बताते हुए एक वैकल्पिक मार्ग का सुझाव दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आपसी समन्वय के साथ दोनों पक्षों ने नए वैकल्पिक मार्ग पर अपनी सहमति जताई। सर्वसम्मति से तय किए गए नए रूट के अनुसार, मोहर्रम का जुलूस अब सांडी मस्जिद से निकलकर मटपा नहर के रास्ते संडा-कुटुंबा रोड पहुंचेगा। वहां से रेराही आहर के बगल में बनी पीसीसी सड़क से होते हुए कचड़ा प्रबंधन इकाई के रास्ते सीधे नदी में उतरेगा और कर्बला तक जाएगा। सहमति बनने के बाद एसडीएम ने दोनों पक्षों के लोगों को गले मिलवाया और वर्षों पुराने विवाद को भुलाकर क्षेत्र में अमन-चैन कायम रखने की अपील की। दोनों पक्षों ने इस पहल का स्वागत करते हुए आपसी भाईचारे का संकल्प लिया। इस ऐतिहासिक सुलह के दौरान मौके पर एसडीएम संतन कुमार सिंह के साथ एसडीपीओ सुशील कुमार, डीएसपी ज्योति कुमारी, बीडीओ प्रियांशु बसु, अंचलाधिकारी चंद्र प्रकाश, इंस्पेक्टर अजय कुमार, कुटुंबा थानाध्यक्ष इमरान आलम, अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज, रिसियप थानाध्यक्ष संजीत राम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों में कुमुद रंजन मिश्रा, मोहम्मद नईम, मोहम्मद गयासुद्दीन, मोहम्मद इकबाल, मुखिया सरुन पासवान, पंचायत समिति सदस्य दिलीप पासवान एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेतिया (नरकटियागंज)। पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज अनुमंडल अंतर्गत केहूनिया रोअरी पंचायत के सिसवा फाल गांव में गुरुवार को ऐसा आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं का उत्साह तनिक भी कम नहीं पड़ा। शिव मंदिर के समीप नवनिर्मित हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निकली भव्य कलश शोभायात्रा आस्था, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता का अनुपम उदाहरण बन गई। शोभायात्रा में 551 कुंवारी कन्याएं सिर पर पवित्र कलश धारण कर धर्मध्वजा के साथ आगे बढ़ रही थीं। उनके पीछे श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ जय श्रीराम, जय बजरंगबली और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को गुंजायमान कर रही थी। हाथी, घोड़े, ऊंट तथा पारंपरिक बाजे-गाजे से सुसज्जित यह यात्रा पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र बनी रही। गांव की गलियां मानो अयोध्या और काशी की धार्मिक छटा का अहसास करा रही थीं। सिसवा फाल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा मारवाड़ी नोनिया टोला घाट स्थित बलोर नदी पहुंची, जहां अयोध्या से पधारे विद्वान आचार्य पंडित सत्यम द्विवेदी, नथुनी द्विवेदी एवं तपन द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत जलबोझी संस्कार संपन्न कराया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः मंदिर परिसर लौटे, जहां यज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक आयोजन 25 से 27 जून तक चलेगा। सफल आयोजन में नीलमणि तिवारी,चंद्रमणि तिवारी, राजेंद्र राम, दिनेश कुशवाहा, रूद्रमनी तिवारी, चन्द्रमनी तिवारी सहित समस्त ग्रामवासियों की भूमिका सराहनीय रही। यजमान के रूप में राजेश्वर महतो, राम पीरित राम एवं बाजुकेश बाबा ने अनुष्ठान का नेतृत्व किया। वहीं समाजसेवी शशिकांत पांडे, अर्जुन राम, सुजीत कुमार, राजेंद्र पांडे, चंद्रभान ठाकुर, अर्जुन मिश्रा और कृष्णा मोहन मिश्रा आदि उपस्थित थे।

बागीचे से विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के चौधरी बाड़ी के पास एक आम के बगीचे में छापेमारी कर वहाँ छुपाकर रखी गई विभिन्न ब्रांडों की 198 लीटर विदेशी शराब और बियर बरामद की है। इस कार्रवाई के दौरान मौके से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है, जिससे पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने मामले में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्करों ने चौधरी बाड़ी के समीप आम के बगीचे में भारी मात्रा में विदेशी शराब छुपाकर रखी है। तस्कर इस खेप को देर रात किसी दूसरी जगह ठिकाने लगाने की फिराक में थे।सूचना का सत्यापन करने के लिए पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर छापेमारी की गई।बगीचे में एक पेड़ के नीचे त्रिपाल से ढककर रखे गए 18 कार्टून विदेशी शराब बरामद किए गए।पुलिस ने तुरंत शराब को जब्त कर लिया और मौके से एक संदिग्ध को दबोच लिया।

विभावि के डॉ सुकल्याण मोइत्रा को झारखंड सरकार ने किया सम्मानित

मादक पदार्थ के विरुद्ध संचालित अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में निषिद्ध मादक पदार्थ के दुरुपयोग के विरुद्ध संचालित जागरूकता अभियान का नोडल विभाग (राजनीति विज्ञान विभाग) के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा को झारखंड सरकार ने स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया है। गुरुवार को रांची के शौर्य भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में डॉ मोइत्रा को यह सम्मान झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के कर कमल से प्राप्त हुआ है। मौके पर रांची की महापौर रमा खालको, झारखंड सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह एवं कारा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती वंदना ददेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग डॉ अजय कुमार सिंह, उच्च एवं तकनीक शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डॉ राहुल पुरवार, खेल, कला-संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव मुकेश कुमार, दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त एवं रांची के उपायुक्त एवं अन्य की उपस्थिति में दिया गया है।

यह सम्मान डॉ मोइत्रा को झारखंड सरकार के महिला, बाल एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में आयोजित निषिद्ध मादक पदार्थ के दुरुपयोग के विरुद्ध संचालित जागरूकता अभियान में वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिया गया है। झारखंड के विश्वविद्यालयों में केवल विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा की प्रेरणा से उत्कृष्ट कार्य किया है। राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने इसका संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय से इस कार्य में लगे मुख्य व्यक्ति का नाम आमंत्रित किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देशानुसार कुलसचिव श्री सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने डॉ सुकल्याण मोइत्रा के नाम की अनुशंसा की थी। डॉ मोइत्रा ने 30 अप्रैल और 23 जून को प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की पहल की थी। डॉ मोइत्रा से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि इस पुरस्कार के पीछे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्रभूषण शर्मा की प्रेरणा और आशीर्वाद है। उन्होंने ही यह जिम्मेदारी दी थी। हर प्रकार का सहयोग भी उन्होंने दिया। नाम की अनुशंसा भी उन्होंने ही किया है। उन्होंने बताया कि नशाखोरी की समस्या से वह खुद बहुत विचलित रहते हैं। पहले से भी इस क्षेत्र में कार्य करने का मन बना चुके थे। अब जब झारखंड सरकार ने सम्मानित किया है तो और बढ़ चढ़कर इस क्षेत्र में अपना योगदान देंगे।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

* शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा, नियमित निरीक्षण के निर्देश
* पीएम पोषण, नामांकन व विद्यालय सुविधाएं दुरुस्त करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन, पठन-पाठन व्यवस्था, शिक्षकों एवं छात्रों की नियमित उपस्थिति, ससमय पुस्तक एवं पोशाक वितरण की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के बीईओ, बीआरपी एवं सीआरपी को प्रत्येक माह विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट साझा करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यालयों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। बैठक में उपायुक्त ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पी०एम० पोषण) योजना अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक में पौष्टिक आहार युक्त निर्धारित मेनू के अनुसार बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने, रिक्त होने वाले रसोईया पदों के लिए चयन प्रक्रिया ससमय पूर्ण करने, विद्यालयों में शौचालय एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर बल देते हुए शिक्षकों को अपने उत्तरदायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने को कहा। साथ ही विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर ससमय कक्षाओं का संचालन प्रारंभ करने एवं आवश्यकता अनुसार आवासीय विद्यालय भवनों की मरम्मती कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी बीईओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सूचना का अधिकार, सेवा की गारंटी एवं शिक्षा के अधिकार विषयों की गहन समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान सभा समिति की बैठक विधायक सह समिति सभापति सरयू राय की अध्यक्षता में परिसदन, खूंटी में आयोजित की गई। बैठक में सूचना का अधिकार अधिनियम, सेवा की गारंटी अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिले के अस्पतालों की स्थिति, पेयजल आपूर्ति, कचरा निष्पादन, प्रदूषण नियंत्रण तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समिति सभापति ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के प्रभावी संचालन में आने वाली आवश्यकताओं एवं चुनौतियों से समिति को अवगत कराया जाए, ताकि सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कर आवश्यक पहल सुनिश्चित की जा सके। समिति सभापति ने सेवा की गारंटी अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए निर्देश दिया कि इससे संबंधित सूचना पट्ट जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड कार्यालयों तक प्रमुखता से लगाए जाएं, ताकि आम नागरिकों को उपलब्ध सेवाओं एवं उनके अधिकारों की जानकारी प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत प्राप्त मामलों एवं उनके निष्पादन की समीक्षा की गई। साथ ही नगर पंचायत एवं पंचायत क्षेत्रों में संचालित योजनाओं तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समिति सभापति ने खूंटी में संचालित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की सराहना की तथा बेलाहाथी ग्राम में स्थापित उक्त प्लांट का अवलोकन भी किया। उन्होंने कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसके प्रभावी संचालन को बनाए रखने का निर्देश दिया।

पूर्व छात्रा डॉ. आयुषी कुमारी की सफलता पर गुलमोहर पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह, विद्यार्थियों को दिया प्रेरणा का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। गुलमोहर पब्लिक स्कूल, हजारीबाग की पूर्व छात्रा डॉ. आयुषी कुमारी की उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हर्ष और गर्व का माहौल रहा। शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों ने डॉ. आयुषी की सफलता को विद्यालय के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या विद्या बक्शी ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान उसके पूर्व छात्र-छात्राओं की उपलब्धियां होती हैं। डॉ. आयुषी कुमारी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार बल्कि विद्यालय का भी नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थियों को डॉ. आयुषी के संघर्ष, अनुशासन और समर्पण से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करना चाहिए। डॉ. आयुषी कुमारी को विद्यालय परिवार की ओर से पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सफलता की नींव इसी विद्यालय में रखी गई थी। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा कहा कि निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। समारोह में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच डॉ. आयुषी का स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया बटेश्वर प्रसाद मेहता तथा मुकेश कुमार सहित विद्यालय परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. आयुषी भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और सेवा भावना से समाज में नई पहचान स्थापित करेंगी तथा विद्यालय का नाम इसी तरह गौरवान्वित करती रहेंगी।

नामकोम स्थित नवनिर्मित आधुनिक बस स्टैंड का संचालन प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निर्देशानुसार नामकोम, खूंटी स्थित नवनिर्मित आधुनिक बस स्टैंड का विधिवत संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस बस स्टैंड के संचालन से न केवल खूंटी जिले बल्कि आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा शहरी परिवहन व्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा सभी बस मालिकों एवं चालकों को निर्देशित किया गया है कि विभिन्न रूटों पर संचालित होने वाली सभी बसों का परिचालन अब केवल नवनिर्मित नामकोम बस स्टैंड से ही किया जाएगा। यात्रियों के चढ़ने-उतरने एवं बसों के ठहराव की व्यवस्था भी बस स्टैंड परिसर के भीतर ही सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की मुख्य सड़कों पर किसी भी परिस्थिति में बसों को खड़ा करने अथवा यात्रियों को चढ़ाने-उतारने की अनुमति नहीं होगी। यातायात व्यवस्था को बाधित करने तथा सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित वाहन मालिक एवं चालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रावधानों के अनुरूप जुर्माना भी लगाया जाएगा। नवनिर्मित आधुनिक बस स्टैंड के संचालन प्रारंभ होने के अवसर पर नगर पंचायत, खूंटी की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वार्ड पार्षदगण, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्त्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, थाना प्रभारी, बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि एवं नगर पंचायत के कर्मी उपस्थित रहे।

नवमी तारीख छड़वा मोहर्रम मेला पर उमड़ा जनसैलाब, पारंपरिक शस्त्र चालन प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। मोहर्रम की नवमी तारीख को सतरह गावों का जुलूस छड़वा मोहर्रम मैदान पहुंच कर आखाडें का मिलान हुआ । गुरूवार को खुटरा, सुलमी, हेदलाग, बलियंद, गदोखर वन गदोखर टु, पबरा, लुपूंग, पिचरी, रोमी, डाड़, सारूगाड़ु, नवादा, डुकरा, हरना, कवातु, गोविंदपुर, गांव का जुलूस अपने अखाड़े के साथ 02 बजे छड़वा मैदान में प्रवेश किया । इस अवसर पर विभिन्न अखाड़े के अकीदतमदों ने पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के खेल का हैरत अंगेज प्रदर्शन किया । छड़वा मैदान में हुसैन के दिवानों द्वारा या अली या हुसैन की सदाएं इलाके में गुंजती रही । एएसपी अमित कुमार अंचल इंस्पेक्टर सपन कुमार महथा प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता तथा पेलावल ओपी के थाना प्रभारी बिट्टू रजक ने मेले का जायजा लिया । इस दौरान कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढ़ग से संपन्न कराने में मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष नौशाद खान उर्फ डिस्को उपाध्यक्ष बाबर अंसारी सचिव कमालउद्दीन इराकी, अकमल अंसारी कोषाध्यक्ष शेख इंत्तेफाक हुसैन प्रवक्ता निसार खान व छड़वा मोहर्रम कमिटी के सदस्य तथा पुलिस प्रशासन के रैपीडिक्शन फोर्स के जवान की अहम भूमिका रही । मौके पर संरक्षक अनवारूल हक, मोख्तार अहमद, नौशाद खान अंतू साव, मिस्बाहुल हक, साजिद अली खान, आखाड़ाधारियों में मोहम्मद सिराजुद्दीन, कलाम अंसारी, असलम खान, गुलाम शाबिर उर्फ बबलू, इसरैल खान, मोहम्मद रुश्तम, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद खालिक, मोहम्मद समसुउद्दीन, मोहम्मद मुस्ताक, खातो मिंया, मोहम्मद ताहिर समाजसेवी राजा मोहम्मद, फिरोज खान, महबूब अंसारी, जमशेद खान, महमूद अंसारी, शेख शहजाद, अकबर अंसारी, ओबी मल्लिक, इरशाद अंसारी, शेख इम्तियाज, शेख अफताब आलम, शेख मुशर्रफ, शेख शाने, महमूद अंसारी, एकराम खान, मोहम्मद रब्बानी, वकार अंसारी, वसीम सर, मोहम्मद इस्माइल,सिराजुद्दीन अंसारी, जहीर खान, कलीम अंसारी, मोहम्मद अयूब, सलम खान, अबुलेश हाशमी, इरशाद अंसारी, मोहम्मद इरफान, भोला खान, मोहम्मद मिन्हाज, हैदर अंसारी, अफताब उर्फ लालून, सरफराज पप्पू, गुलाम गौश, नरायाण साव, नदीम खान, मंसुर खान, अयूब अंसारी, वाहिद मियां, तासीर अंसारी, अजीम अंसारी, इकराम अंसारी के अतिरिक्त सैकड़ो गण्यमान्य लोग उपस्थित थे ।

दुर्गा माता बालिका विद्यालय में रोटरी गिरिडीह ने लगाया नेत्र जांच शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रोटरी गिरिडीह द्वारा शुक्रवार को न्यू बरगंडा स्थित दुर्गा माता बालिका मध्य विद्यालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं सहित कुल 100 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया।शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। इसके साथ ही छात्राओं के बीच कॉपी, ड्राइंग बुक, पेंसिल, बिस्किट एवं फ्रूटी का वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इस पहल की विद्यालय प्रबंधन, शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों ने सराहना की रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष पीयूष मुसद्दी ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बढ़ावा देना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।शिविर के सफल आयोजन में शिविर संयोजक तरनजीत सिंह, मनीष बर्णवाल, नरेंद्र सिंह, मंजीत सिंह, हर्ष केडिया तथा रोटरी नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने रोटरी गिरिडीह के प्रति आभार व्यक्त किया।

राम मंदिर दान राशि में कथित अनियमितता की जांच की मांग, सेवा सप्ताह कार्यक्रमों की घोषणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद (अहिप) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने राम मंदिर से जुड़ी दान राशि के उपयोग को लेकर कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि यदि दान राशि के प्रबंधन में किसी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी हुई है तो मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े विषयों में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है। हालांकि वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है तथा संबंधित पक्षों की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है इधर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर 24 जून से 5 जुलाई तक "सेवा सप्ताह" मनाने की घोषणा की गई है। संगठन के अनुसार इस दौरान देशभर के जिलों और प्रांतों में हनुमान चालीसा पाठ, वृक्षारोपण, शरबत वितरण, बाइक रैली तथा संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पीवीयूएनएल ने हासिल की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि यूनिट-2 (800 मेगावाट) का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातू। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल), जो एनटीपीसी लिमिटेड एवं झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) का संयुक्त उपक्रम है, ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी यूनिट-2 (800 मेगावाट) का वाणिज्यिक परिचालन आज से सफलतापूर्वक घोषित कर दिया है। यह उपलब्धि झारखंड एवं देश की विद्युत उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पतरातू सुपर ताप विद्युत परियोजना की आधारशिला भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई थी। यूनिट-2 के सफल वाणिज्यिक परिचालन के साथ पीवीयूएनएल ने झारखंड एवं अन्य लाभार्थी राज्यों को विश्वसनीय, किफायती एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अपने योगदान को और मजबूत किया है। उल्लेखनीय है कि यूनिट-1 एवं यूनिट-2 के सफल कमीशनिंग एवं सीओडी के माध्यम से पीवीयूएनएल ने मात्र सात महीनों की अवधि में 1600 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता राष्ट्र को समर्पित की है। यह उपलब्धि पीवीयूएनएल की उत्कृष्ट परियोजना निष्पादन क्षमता, तकनीकी दक्षता तथा सभी हितधारकों के समर्पण और अथक परिश्रम का परिणाम है। यह उपलब्धि झारखंड एवं देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर आयोजित समारोह में ए.के. सहगल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पीवीयूएनएल, अनुपम मुखर्जी, कार्यकारी निदेशक (परियोजना), मनीष खेतरपाल, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), जे.सी. पात्रा, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं कमीशनिंग), बिष्णु दत्ता दास, महाप्रबंधक (परियोजना) तथा ओ.पी. सोलंकी, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं ऐश डाइक प्रबंधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ए.के. सहगल, सीईओ, पीवीयूएनएल ने इस उपलब्धि के लिए सभी कर्मचारियों, अभियंताओं, श्रमिकों, विक्रेताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं परियोजना से जुड़े सभी भागीदारों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के समर्पण, टीम भावना एवं अथक प्रयासों के कारण ही यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। श्री सहगल ने इस अवसर पर एनटीपीसी प्रबंधन, झारखंड सरकार, जिला प्रशासन, नियामक संस्थाओं, परियोजना भागीदारों एवं सभी हितधारकों के निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए अपना विशेष आभार व्यक्त किया। यूनिट-2 का सफल सीओडी पीवीयूएनएल की परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय सततता एवं उत्तरदायी विद्युत उत्पादन के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है। कंपनी आधुनिक तकनीकों, नवाचारों एवं पर्यावरण-अनुकूल उपायों को अपनाते हुए क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में निरंतर योगदान दे रही है। यूनिट-2 का सफल वाणिज्यिक परिचालन झारखंड एवं देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा तथा विद्युत उपलब्धता को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। पीवीयूएनएल इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में सहयोग देने वाले सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है तथा भविष्य में भी नई ऊँचाइयों और उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **27–एसडीएसटीई–एएसएन–2026–27, दिनांक** 24.06.2026 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल–आसनसोल मंडल में एनआई एलसी गेटों पर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,00,69,117,11, **बयाना राशि:** रु. 2,01,400/–, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 17.07.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in**

ASN-152/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EastermRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222–एस/1/डब्ल्यू–II, दिनांक 23.06.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन–106–26–27, कार्य का नाम:** कैनिंग–कैनिंग स्टेशन में अतिरिक्त स्टैबलिंग लाइन के लिए प्रस्ताव। **निविदा मूल्य :** रु.2,13,65,878.34, **बयाना राशि :** रु. 4,27,300/–, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन–107–26–27, कार्य का नाम:** कुलपी में पूर्ण लंबाई की कॉमन लूप लाइन के साथ नया ब्लॉक स्टेशन। **निविदा मूल्य :** रु. 5,58,06,654.98, **बयाना राशि :** रु. 11,16,100/–, **क्रम सं. 3, निविदा सं.: टीएन–108–26–27, कार्य का नाम:** डायमंड हार्बर में–प्लेटफॉर्म नं. 3 के पास अतिरिक्त स्टैबलिंग लाइन (सीएसआर लंबाई 275 मी.) का प्रावधान । **निविदा मूल्य :** रु.93,11,485.91, **बयाना राशि :** रु. 1,86,200/–, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 10.07.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। **कार्य की समापन अवधि:** 09 (नौ) माह (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। 1. निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। 2. भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई–निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है। 3. **निविदा के खुलने की तिथि और समय** दिनांक 10.07.2026 को 15.00 बजे है।

SDAH-99/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

सं. सीवी/एमपीएस/एसडीएएच/ई–ऑक्शन **दिनांक 24.06.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 द्वारा सियालदह मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मल्टीपरपज स्टॉल (एमपीएस) यूनिट की ई–नीलामी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। **एडमिन यूनिट/जोन:** सियालदह मंडल–वाणिज्यिक/पूर्व रेलवे, **ऑक्शन कैटलॉग सं.: एमपीएस–जुलाई–26–01, नीलामी करने वाले अधिकारी:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह। **बोली प्रणाली:** सामान्य नीलामी (एकल चरण)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 08.07.2026, 12.00.00 बजे। **नीलामी की अंतिम तिथि/समय :** 08.07.2026, 15.40.00 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन जोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **प्रारंभिक कूलिंग ऑफ अवधि:** 30 मिनट। **लगातार लॉट का समापन अंतराल :** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन :** 10 बार। विवरण निम्नानुसार है: **क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, विवरण, अंतिम तिथि/समय** इस प्रकार हैं: **एए/1,** एमपीएस–एसडीएएच–बीईबी–एमपीएस–26–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 12.30.00 बजे। **एए/2,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–13–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 12.40.00 बजे। **एए/3,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–12–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 12.50.00 बजे। **एए/4,** एमपीएस–एसडीएएच–बीक्यूजी–एमपीएस–21–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 13.00.00 बजे। **एए/5,** एमपीएस–एसडीएएच–बीएफटी–एमपीएस–27–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (अनारक्षित–सबके लिए खुला), 08.07.2026 को 13.10.00 बजे। **एए/6,** एमपीएस–एसडीएएच–जेजेजी–एमपीएस–32–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (अनारक्षित–सबके लिए खुला), 08.07.2026 को 13.20.00 बजे। **एए/7,** एमपीएस–एसडीएएच–केआरपी–एमपीएस–22–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 13.30.00 बजे। **एए/8,** एमपीएस–एसडीएएच–एलजीएल–एमपीएस–23–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 13.40.00 बजे। **एए/9,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–15–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 13.50.00 बजे। **एए/10,** एमपीएस–एसडीएएच–एमबीबी–एमपीएस–31–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 14.00.00 बजे। **एए/11,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–18–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (अनारक्षित–सबके लिए खुला), 08.07.2026 को 14.10.00 बजे। **एए/12,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–19–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 14.20.00 बजे। **एए/13,** एमपीएस–एसडीएएच–एसजीवी–एमपीएस–29–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 14.30.00 बजे। **एए/14,** एमपीएस–एसडीएएच–बीईबी–एमपीएस–25–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 14.40.00 बजे। **एए/15,** एमपीएस–एसडीएएच–बीएफटी–एमपीएस–33–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 14.50.00 बजे। **एए/16,** एमपीएस–एसडीएएच–डीईबी–एमपीएस–30–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 15.00.00 बजे। **एए/17,** एमपीएस–एसडीएएच–आरईजे–एमपीएस–24–26–2 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (अनारक्षित–सबके लिए खुला), 08.07.2026 को 15.10.00 बजे। **एए/18,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–14–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (अनारक्षित–सबके लिए खुला), 08.07.2026 को 15.20.00 बजे। **एए/19,** एमपीएस–एसडीएएच–एसडीएएच–एमपीएस–17–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 15.30.00 बजे। **एए/20,** एमपीएस–एसडीएएच–सीएसजेड–एमपीएस–20–26–1 (एमपीएस–मल्टी परपज स्टॉल), मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन (आरक्षित), 08.07.2026 को 15.40.00 बजे। **रेट यूनिट:** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए)। **ट्रिप/दिन:** 1826 (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए), **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए), **ईएमडी :** 10% (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए), **न्यूनतम टर्नओवर की आवश्यकता :** रु.0 (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए), **क्या आरओएफआर लागू है :** नहीं (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए), **लॉट की स्थिति :** आरपी पेंडिंग (एए/1 से एए/20 प्रत्येक के लिए)।

SDAH-98/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पंचायत चुनाव की गतिविधियां हुई तेज

नौ चरणों में चुनाव होने की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 को लेकर प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग चुनावी महासंग्राम को अंतिम रूप देने की तैयारियों में जुट गया है।

आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सूबे में इस बार पंचायत चुनाव सितंबर के अंतिम सप्ताह से लेकर अक्टूबर के पहले सप्ताह के बीच शुरू कराए जा सकते हैं। शांतिपूर्ण और सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरे चुनाव को आठ से नौ चरणों में आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है।

इस बार का चुनाव कई मायनों में खास होने जा रहा है, क्योंकि आयोग ने तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर कई बड़े बदलाव किए हैं।

चुनाव की तैयारियों के तहत आयोग ने पंचायतों के सीमांकन और जनसंख्या के आधार पर आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया को लगभग पूरा कर लिया है। राज्य की 4,000 से अधिक पंचायतों और 55 हजार से ज्यादा वार्डों में इस बार नया आरक्षण रोस्टर लागू होने जा रहा है। इसके तहत महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और पिछड़ा वर्ग के लिए सुरक्षित सीटों में बड़ा फेरबदल होना संभव है। इस नए रोस्टर के आते ही कई दिग्गजों की सीटें बदल सकती हैं, जिसका स्थानीय राजनीति पर गहरा असर पड़ेगा।

आरक्षण निर्धारण और प्रपत्र-1 को तैयार करने के लिए आयोग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया है।

निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग ने इस कार्य को पूरा करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 15 जून 2026 किया था। समय-सीमा समाप्त होने के बाद अब आयोग अंतिम मतदाता सूची और बूथों के भौतिक सत्यापन के काम को तेजी से निपटाने में लगा है।

36 घंटों से बत्ती गुल, सड़क पर उतरे लोग

□सड़क किया जाम, पुलिस ने संभाला मोर्चा □ इनवर्टर और बैटरियां भी दे गई जवाब □अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप □उमस में जनजीवन अस्त-व्यस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिदुपुर पावर सब-स्टेशन क्षेत्र में पिछले 36 घंटों से जारी बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा गुरुवार को फूट पड़ा। घंटों अंधेरे और उमस भरी गर्मी में रहने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बिदुपुर सब-स्टेशन के पास हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर जोरदार नारेबाजी की, जिससे करीब दो घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि वे लगातार विभाग के अधिकारियों को फोन कर रहे हैं, लेकिन न तो कोई कॉल रिसीव कर रहा है और न ही किसी की ओर से जवाब दिया जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि एक तरफ उपभोक्ता भीषण गर्मी और बिजली संकट से जूझ रहे हैं, वहीं जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं।

बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण क्षेत्र में पानी की समस्या भी गंभीर हो गई है। मोटर नहीं चलने से घरों की टंकियां खाली हो चुकी हैं और लोगों को पीने के पानी के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। भीषण उमस और गर्मी के बीच बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है। लगातार बिजली नहीं रहने के कारण घरों में लगे इनवर्टर और बैटरियां भी पूरी तरह डिस्चार्ज हो चुकी हैं। इससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से सामान्य जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

सड़क जाम के कारण सुबह करीब 9:30 बजे से 11:30 बजे तक हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीषण गर्मी में एम्बुलेंस, स्कूली बसों और अन्य यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आगजनी और प्रदर्शन के कारण मौके पर अफरातफरी का माहौल बना रहा।

घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और उन्हें समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने बिजली विभाग से बात कर जल्द समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया, जिसके बाद लोगों ने जाम समाप्त किया।

बदमाशों ने शादी समारोह में युवक को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब गोली लगने से दुल्हन के मामा की मौत हो गई। मृतक अपनी भांजी की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे मौके पर ही अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

घटना जिले के करजा थाना क्षेत्र के भटौना वार्ड संख्या-2 की है। यहां भटौना गांव निवासी नीतीश सहनी की पुत्री की शादी का कार्यक्रम चल रहा था।

मृतक की पहचान 30 वर्षीय रंजीत सहनी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर और सरैया एसडीपीओ अभिजीत कौर मौके पर पहुंचे।

मृतक के परिजनों ने बताया कि देर रात बारात घर पहुंच चुकी थी। परिवार के सदस्य शादी की रस्मों और मेहमानों के स्वागत में व्यस्त थे। इसी दौरान मुसहरी थाना क्षेत्र के तारौरा गांव निवासी रंजीत सहनी भी शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे।

परिजनों के अनुसार, इसी बीच कुछ अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे और रंजीत सहनी को निशाना बनाकर गोली चला दी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े।

गोली चलने के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो चुके थे। परिजनों और ग्रामीणों ने घायल रंजीत सहनी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही करजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। जांच के दौरान पुलिस को मौके से एक खोखा भी बरामद हुआ है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

रोजगार मेला 30 को

बक्सर। जिला नियोजनालय द्वारा 30 जून को एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय परिसर में आयोजित होगा।

शिविर में कुल 100 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें प्रोडक्शन हेल्पर के 50 पद तथा पैकिंग हेल्पर के 50 पद शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 16,000 से 18,000 रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन दिया जाएगा। साथ ही ओवरटाइम कार्य के लिए अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान रहेगा।

प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक ने बताया कि नियुक्त कर्मियों को निःशुल्क भोजन, साप्ताहिक अवकाश तथा ईएसआईसी, पीएफ, ग्रेच्युटी एवं बोनस जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इन पदों के लिए अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 42 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता 8वीं, 10वीं अथवा आईटीआई उत्तीर्ण रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति तमिलनाडु के होसुर (बेंगलुरु के निकट) तथा केरल के त्रिशूर एवं कोच्चि जिलों में की जाएगी।

ट्रेन से कटकर शिक्षिका की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। डुमरांव रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में शिक्षिका वंदना कुमारी की मौत हो गई। अप लाइन से गुजर रही मुंबई मेल ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही जान चली गई।

घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरातफरी मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

मृतका की पहचान औरंगाबाद जिले के भवानीपुर स्थित एक मध्य विद्यालय में कार्यरत शिक्षिका वंदना कुमारी के रूप में हुई है।

वह डुमरांव के टेक्सटाइल्स कॉलोनी निवासी और चक्की उच्च विद्यालय में कार्यरत लाइब्रेरियन विद्या शंकर मिश्रा के यहां आई हुई थीं।

परिजनों के अनुसार, वंदना कुमारी की मां बीमार थीं और उनका इलाज कोइलवर में चल रहा था। गुरुवार सुबह वह अपनी मां के इलाज से जुड़े काम के लिए कोइलवर जाने हेतु डुमरांव रेलवे स्टेशन पहुंची थीं। परिवार को उम्मीद नहीं थी कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा।

बताया जाता है कि उनके मामा विद्या शंकर मिश्रा टिकट लेने के लिए काउंटर पर चले गए थे। इसी दौरान वंदना कुमारी अकेले प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही थीं।

तभी अप लाइन से गुजर रही मुंबई मेल ट्रेन की चपेट में आ गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशन परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की खबर सुनकर परिजन बदहवास हो गए। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

सूचना मिलने के बाद रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक घटना से डुमरांव समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

कैंडिल मार्च निकालकर भरत तिवारी एवं छात्रों को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। भरत भूषण तिवारी एवं लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले 15 छात्रों की स्मृति में बुधवार की शाम रसूलपुर में श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा बाजार ₹भारत माता की जय₹ के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का नेतृत्व पंचायत के उपमुखिया मनोज सोनी ने किया।

श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में नवयुवकों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने शहीद भरत भूषण तिवारी तथा लखनऊ हादसे में दिवंगत हुए 15 छात्रों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद कैंडल मार्च निकाला गया, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए राजेंद्र चौक पहुंचा। वहां उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक एकता का संदेश भी दिया। मौके पर वार्ड सदस्य संतोष प्रसाद एवं फि रोज मियाँ, अनूप दुबे, मन्नू मिश्रा, शुभम दुबे, विजय प्रसाद, राजू गिरी, अर्जुन सिंह, सर्वेंद्र दुबे, छोटू सिंह, राहुल बाबा, निक्की पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

सड़क हादसे में मौत

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से जख्मी हुए युवक को पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिलाया गया, लेकिन बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने के बाद बेगूसराय ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

विवि विद्वत परिषद की बैठक में बीबीए और बीसीए कोर्स शुरू करने पर सहमति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (एलएनएमयू) के अंगीभूत और संबद्ध महाविद्यालयों में जल्द ही बीबीए और बीसीए की पढ़ाई शुरू होगी। विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। बैठक कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई।

संबंधन एवं नई शिक्षण-कार्यक्रम समिति की बैठक में विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के निर्णय पर सहमति प्रदान की गई। इससे विद्यार्थियों को व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे।

बैठक में दरभंगा के सीएम कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (पीजीडीटी) कोर्स शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा सीएम कॉलेज में फारसी विषय में स्नातक स्तर की पढ़ाई प्रारंभ करने पर सहमति बनी।

विद्वत परिषद ने बीएमए कॉलेज, बहेड़ी में स्नातक स्तर पर संगीत विषय की पढ़ाई शुरू करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की। इससे कला और संगीत के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। सीएम कॉलेज, दरभंगा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होने वाले चार वर्षीय स्नातक इंटीग्रेटेड बीएड कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को भी परिषद ने अनुमोदित कर दिया। सीएम कॉलेज में शुरू होने वाले चार वर्षीय बीएड डिग्री कार्यक्रम के शुल्क ढांचे को सशर्त मंजूरी दी गई।

परिषद ने कहा कि शुल्क संरचना को महाविद्यालय विकास समिति से अनुमोदन मिलने के बाद विश्वविद्यालय को भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मेहता को अधिकृत किया गया है।

बैठक में एक विधि महाविद्यालय को एनओसी देने के प्रस्ताव पर भी सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की गई। बैठक का संचालन प्रभारी कुलसचिव एवं छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मेहता ने किया। बैठक में डॉ. अनिल कुमार मंडल, प्रो. मुश्ताक अहमद, प्रो. संजय झा, डॉ. शशि भूषण कुमार 'शशि', डॉ. राजकुमार साह, डॉ. एसएन राय, डॉ. गुणानंद चौधरी और डॉ. शंभूनाथ ठाकुर सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

छुपाकर रखी गयी शराब बरामद

फलका। पोठिया पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के चौधरी बाड़ी के पास एक आम के बगीचे में छापेमारी कर वहाँ छुपाकर रखी गई विभिन्न ब्रांडों की 198 लीटर विदेशी शराब और बियर बरामद की है। इस कार्रवाई के दौरान मौके से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है, जिससे पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने मामले में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्करों ने चौधरी बाड़ी के समीप आम के बगीचे में भारी मात्रा में विदेशी शराब छुपाकर रखी है।तस्कर इस खेप को देर रात किसी दूसरी जगह ठिकाने लगाने की फिराक में थे।सूचना का सत्यापन करने के लिए पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर छापेमारी की गई।

बगीचे में एक पेड़ के नीचे त्रिपाल से ढककर रखे गए 18 कार्टून विदेशी शराब बरामद किए गए।पुलिस ने तुरंत शराब को जब्त कर लिया और मौके से एक संदिग्ध को दबोच लिया।पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान पोठिया निवासी रंजीत कुमार यादव के रूप में बताई।

20 सूत्री की बैठक में नल-जल सहित किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड सह अंचल मुख्यालय कार्यालय के सभा भवन में 20 सूत्री कार्यान्वयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह बबली ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष किशोरी प्रसाद सिंह ने किया। बैठक की शुरूआत 20 सूत्री अध्यक्ष द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों एवं समिति सदस्यों को सम्मानित कर की गई। इसके बाद विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

समिति सदस्यों ने क्षेत्र में व्याप्त विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए अनियमित बिजली आपूर्ति, लो-वोल्टेज तथा खराब विद्युत उपकरणों की समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। इस पर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया बैठक में हर घर नल-जल योजना से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई। सदस्यों ने कई पंचायतों में जलापूर्ति बाधित रहने, पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने तथा योजना के सुचारू संचालन में आ रही कठिनाइयों को सामने रखा। संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित निराकरण का निर्देश दिया गया इसके अलावा पैक्स में नए किसानों का नाम जोड़ने के मुद्दे पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सदस्यों ने कहा कि कई योग्य किसान अभी भी पैक्स की सदस्यता से वंचित हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं एवं कृषि सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया गया बैठक के दौरान पूर्व की बैठकों में उठाए गए विभिन्न मुद्दों एवं समस्याओं के निराकरण की समीक्षा भी की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली गई तथा लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।

डेढ़ सौ वर्षों से भेलाय में हिन्दू परिवार मना रहे मुहर्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

***बांका।** मुहर्रम के त्योहार को लेकर गांव में तासे की आवाज गूंजने लगी है। मातम के इस त्योहार की शुरूआत शनिवार की शाम केला कट्टी के साथ प्रारंभ हो गया। जिसका पहलाम 26 जून को होगा। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग निशान व तजिये के साथ जुलूस निकालकर लाठी डंडे फरसे का खेल दिखाते हुए कर्बला मैदान पहुचकर निशान का पहलाम करते है।बताया जाता है कि यजीद के साथ हुई लड़ाई में इमामे हुसैन की हत्या कर दी गई थी। उन्ही की यादों में यह त्योहार मातम के रूप में मनाया जाता है।*

प्रखंड क्षेत्र के भेलाय पंचायत अंतर्गत तिलौन्धा गांव के 16 घर हिंदू परिवारों द्वारा मुहर्रम का त्योहार करीब डेढ़ सौ वर्षों से मनाया जा रहा है। इसकी शुरूआत गांव के भगलु जमेदार द्वारा की गई थी।

उनके वंशज सोतो चौहान बताते है कि बसतपुर गांव के पीर बाबा स्थान पर उनके पूर्वज खीर आदि पकवान चढ़ाने जाते थे। वही पकवान बनाने के दौरान चूल्हे की आग बुझ जाने पर जब भगलु जमेदार की बहू पंखे की जगह बुझे हुए आग को जलाने के लिए मुह से चूल्हा फूक रही थी तो आग के धड़कने से महिला का चेहरा पूरी तरह जल गया।

जिसे देख स्वजनों ने पीर बाबा से महिला के ठीक होने पर निशान के साथ मुहर्रम मनाने की मन्नतें मांगी। मजार के मोजिर द्वारा द्वारा दिये गए नीर के सेवन और पीर की कृपा से महिला के ठीक हो जाने पर भगलु जमेदार ने गांव में पीर का मजार स्थापित कर सभी परिवारों द्वारा मिलकर मुहर्रम का त्योहार धूमधाम से आज भी मनाया जाता है।

जिसमें मोहन चौहान,गया चौहान, बुललो चौहान,अर्जुन चौहान,गोपाल चौहान सहित सोलह घर परिवार शामिल है। उन्होंने बताया कि पहले निशान लेकर पड़ोस के बाराहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत सिदान, कैतका, श्रीपुर मजार मिलान के लिए जाते थे। लेकिन विवाद के कारण पीपरा गांव भी जाना छोड़ दिया गया। अब गांव में ही निशान घुमाते हुए भेलाय बांध में पहलाम कर दिया जाता है।

धोरैया में गंगा जमुनी तहजीब का मिशाल वर्षो से कायम है। एक तरफ हिंदू परिवारों द्वारा मुहर्रम का त्योहार मनाया जाता है तो दूसरी ओर झारखंड राज्य के हिंदू परिवार मंटू मालाकार द्वारा करहरिया गांव में तजिया का निर्माण सौ वर्षों से भी अधिक समय से किया जा रहा है।

गोड्डा जिले के बसंतराय थाना अंतर्गत बिश्वासखानी गांव के रहने वाले कारीगर मंटू ने बताया कि तजिया निर्माण उनके परिवार की तीसरी पीढ़ी है।

इसकी शुरूआत उनके बाबा सुंदर मालाकार उसके बाद पिताजी विश्वनाथ ने दुर्गा मालाकार के साथ किया। लेकिन उनलोगों के नहीं रहने के बाद 18 वर्षो से उनके द्वारा तजिया बनाया जाता है।

चोरों ने खंगाला जिला कल्याण विभाग का कार्यालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। जिला मुख्यालय स्थित जिला कल्याण विभाग के कार्यालय में बुधवार रात चोरों ने बड़ी घटना को अंजाम देकर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी।

गुरुवार सुबह जब कर्मी कार्यालय पहुंचे तो खिड़की टूटी देख उनके होश उड़ गए।

अज्ञात चोर खिड़की तोड़कर कार्यालय में घुसे और एसी, एसी का स्टेबलाइजर, चार सीपीयू, एक बड़ी एलईडी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर फरार हो गए।

अंदर का नजारा पूरी तरह बिखरा पड़ा था और कार्यालय के कई जरूरी व कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब मिले। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई, जिसके बाद कोतवाली थाना की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

जिला कल्याण पदाधिकारी कुमारी रानी ने बताया कि बुधवार शाम करीब छह बजे तक वह खुद कार्यालय में मौजूद थीं और उस समय सब कुछ सामान्य था।

सुबह चोरी की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारियों को सूचित किया गया, जिसके बाद हड़कंप मच गया। हैरानी की बात यह है कि जिस कार्यालय में यह चोरी हुई, वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय से महज कुछ कदम की दूरी पर स्थित है। शाम होते ही कार्यालय परिसर से निकलने वाले रास्ते पर लगा लोहे का मुख्य गेट भी बंद कर दिया जाता है।

इसके बावजूद चोरों का कार्यालय तक पहुंचकर आराम से कीमती सामान समेट ले जाना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में तैनात रहने वाले सुरक्षा गार्ड की भूमिका भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। यदि मौके पर तैनात गार्ड सतर्क रहते तो इतनी बड़ी चोरी की घटना को आसानी से रोका जा सकता था।

मनिहारी बनता जा रहा है शवों का डंपिंग यार्ड ?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मनिहारी प्रखंड में लगातार अलग-अलग स्थानों पर शव मिलने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाल के महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। जिनमें आशंका जताई जा रही है कि हत्या कहीं और की गई और शव को लाकर मनिहारी क्षेत्र में फेंक दिया गया। कुछ दिन पूर्व धुरियाही पंचायत में एक मकई खेत से एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। बाद में इसकी पहचान रौतारा क्षेत्र के बद्री महलदार के रूप में हुई थी। जिसे शादी का लोभ देकर धुरियाही लाकर हत्या कर नगदी हडपने की बात पुलिस जांच मे सामने आयी थी।

लगातार मिल रहे शवों से उठ रहे सवाल

इस घटना से जुडे अपराधियों की पहचानकर पुलिस ने गिरफ्तार किया था।इसके बाद कांटाकोश इलाके में एक अज्ञात महिला का शव मिला। जिसे आदिवासी महिला बताया गया। इन मामलों की गुत्थी अभी पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाई थी कि बाघमारा गंगा घाट के समीप एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

बताया जा रहा है कि शव के कमर मे रस्सी बाधकर बोरी में ईंट पत्थर भरकर शव फेंका गया था और कमर में रस्सी भी बंधी हुई थी। लगातार मिल रहे शवों को लेकर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्यों अपराधी मनिहारी क्षेत्र को शव ठिकाने लगाने के लिए चुन रहे हैं। क्या मनिहारी अपराधियों के लिए शव फेंकने का सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है? फिलहाल मनिहारी पुलिस सभी मामलों की जांच में जुटी हुई है। बाघमारा घाट में बोरी रस्सी के सहारे बंधी शव होने की सूचना पर मनिहारी एसडीपीओ विनोद कुमार ने थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा व पुलिस बल के साथ बाघमारा घाट पहुंचकर मौके पर मुआयना किया। जानकारी दिया कि तकरीबन 25 वर्षीय युवक की एक दो दिन पहले ही मौत या हत्या कर शव यहां फेंक दिया गया है। उन्होने भी कहीं अन्यत्र हत्याकर शव बाघमारा घाट पर फेके जाने की आशंका से इनकार नहीं किया है। बताया कि एफएसएल की टीम बुलाई गयी है। इस दिशा में जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटनाओं की वास्तविकता सामने आ सकेगी। अब लोगों की नजर जांच के नतीजों पर टिकी है कि आखिर इन घटनाओं के पीछे का सच क्या है।

CMYK

बिहार सरकार औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध : कुंदन कुमार

बिहार के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हैदराबाद में हुई महत्वपूर्ण बैठकें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार को देश का अगला औद्योगिक विकास केंद्र बनाने तथा निवेश, एमएसएमई और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योग विभाग के सचिव-सह-प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आइडा, कुंदन कुमार ने हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान के फैकल्टी सदस्य, प्रोग्राम निदेशक एवं रेक्टर विवेक कुमार तथा तेलंगाना एमएसएमई के एसईडी निदेशक सूर्य प्रकाश के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में बिहार के एमएसएमई इकोसिस्टम को अधिक सशक्त, आधुनिक और निवेश-अनुकूल बनाने के लिए रणनीतिक सहयोग और संस्थागत साझेदारी पर चर्चा हुई। एमएसएमई निदेशालय के पुनर्गठन, नई एमएसएमई नीति के निर्माण, उद्यमिता, नवाचार तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने और संस्थागत क्षमता निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। हैदराबाद प्रवास के दौरान कुंदन कुमार ने बिहार फाउंडेशन, हैदराबाद चैप्टर के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। बैठक में अध्यक्ष मनवेंद्र मिश्रा, सचिव उत्तम यादव तथा बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिराम सिंह सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। चर्चा में प्रवासी बिहारियों की राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदारी बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहन देने और औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार सरकार उद्यमिता, निवेश संवर्धन और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत, संस्थानों और प्रवासी समुदाय के साथ ऐसे संवाद राज्य के एमएसएमई क्षेत्र को नई गति प्रदान करेंगे।

बिहार विधानसभा समितियों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए नए दिशा निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विधानसभा समितियों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से समिति सहयोगार्थ प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देश के अनुसार राज्य के भीतर अथवा बाहर स्थल अध्ययन यात्रा पर जाने वाली समितियों के साथ प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और कर्मचारी यात्रा के दौरान प्रतिदिन प्रतिवेदन तैयार करेंगे तथा यात्रा समाप्त होने के चार दिनों के भीतर उसे अध्यक्ष के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करेंगे। राज्य के बाहर अध्ययन दौरे पर जाने वाली समितियों के सहयोगी पदाधिकारियों को संबंधित राज्यों की विधानसभा नियमावली और बिहार विधानसभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के बीच अंतर को बिंदुवार अंकित करते हुए विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा संबंधित राज्यों की विधानसभा से जुड़े आंकड़े, सदस्यों की संख्या, समितियों एवं उनके सदस्यों की संख्या, शून्यकाल, प्रश्नकाल, याचिका, निवेदन, ध्यानाकर्षण, गैर सरकारी संकल्प और प्रश्नों के निष्पादन की प्रक्रिया एवं कार्यशैली का भी अध्ययन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा। डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वास जताया कि इन प्रक्रियागत सुधारों को अपनाने से विधानसभा समितियों की उपादेयता और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। वर्तमान में लोक लेखा समिति, प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति, याचिका समिति तथा राजकीय आश्वासन समिति राज्य के भीतर स्थल अध्ययन दौरे पर हैं। वहीं पर्यटन उद्योग समिति और अल्पसंख्यक कल्याण समिति राज्य के बाहर अध्ययन दौरा कर रही हैं।

कांग्रेस ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या की थी : प्रमोद चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

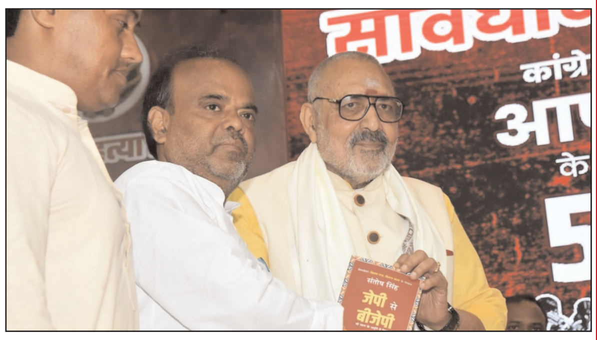

पटना। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम में आज पटना के ज्ञान भवन में बीजेपी ओबीसी मोर्चा एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के सैकड़ों साथियों के साथ शामिल हुआ। इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व द्वारा मुझे, बीजेपी ओबीसी मोर्चा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी को केंद्रीय मंत्री एवं हिंदू सम्राट गिरिराज सिंह का अंगवस्त्र, बुके एवं 'जेपी से बीजेपी तक' पुस्तक भेंट कर स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या की थी। उस दौरान लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और एक करोड़ से अधिक लोगों को अमानवीय यातनाएं सहनी पड़ीं। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ, पत्रकारिता, पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। देश के इतिहास में यह दिन एक काला दिवस के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि जननायक जयप्रकाश नारायण ने 'संपूर्ण क्रांति' का नारा देकर कांग्रेस की तानाशाही के विरुद्ध जन आंदोलन खड़ा किया और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। आज के युवाओं को जननायक जयप्रकाश नारायण के संघर्ष, त्याग और लोकतांत्रिक मूल्यों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

आपातकाल लोकतांत्रिक का काला अध्याय, इससे सीख लेने की जरूरत : प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आपातकाल की बरसी के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आपातकाल देश की लोकतांत्रिक यात्रा का एक काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि उस दौर के दुष्प्रभाव और दुष्चक्र को देश ने बहुत करीब से देखा है तथा 25 जून का स्मरण लोकतंत्र की रक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश देता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि लोकतंत्र कोई स्थायी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक निरंतर साधना है। आपातकाल का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक मर्यादाएं ही किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सार सत्ता से प्रश्न पूछने और संवाद की परंपरा को बनाए रखने में निहित है। उन्होंने नागरिकों से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहने का आह्वान करते हुए कहा कि संवैधानिक गरिमा का संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि एक जिम्मेदार और सक्रिय समाज ही लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों को निरंतर सजग और प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उनके अनुसार एक जागरूक, सजग और सक्रिय नागरिक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति और सबसे मजबूत आधार है।

कॉम्फेड ने किया प्रथम तिमाही में दो हजार नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सचिव, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग शीर्षत कपिल अशोक ने बताया कि मुख्यमंत्री के सात निश्चय-3 के अंतर्गत राज्य में डेयरी क्षेत्र के विस्तार और पशुपालकों को संगठित दुग्ध व्यवसाय से जोड़ने की दिशा में कॉम्फेड (बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रथम तिमाही के लिए निर्धारित 2,000 नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य समय सीमा से पूर्व ही शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभाग, कॉम्फेड प्रबंधन तथा जिला स्तर के अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। नई समितियों के गठन से राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों पशुपालक संगठित दुग्ध सहकारिता व्यवस्था से जुड़े हैं जिससे उन्हें दूध के उचित मूल्य, नियमित भुगतान तथा तकनीकी सहायता का लाभ प्राप्त होगा। श्री अशोक ने बताया कि दुग्ध सहकारी समितियों का विस्तार केवल दुग्ध संग्रहण बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय में वृद्धि करने तथा महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने का प्रभावी साधन भी है। बड़ी संख्या में महिला दुग्ध उत्पादकों की सहभागिता से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की प्राथमिकता राज्य के प्रत्येक गांव तक सहकारी डेयरी नेटवर्क का विस्तार करना है। इसी उद्देश्य से प्रथम तिमाही की सफलता के बाद आगामी तिमाही में 3,000 नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभाग एवं कॉम्फेड इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। सचिव ने कहा कि 2,000 नई दुग्ध समितियों का गठन केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण बिहार में आर्थिक समृद्धि, रोजगार सृजन और श्वेत क्रांति-2 को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगी।

संगठित होकर बाजार से जुड़ें किसान, उनके साथ खड़ी है सरकार : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शहर के बुद्ध मार्ग स्थित बिहार राज्य सहकारी संघ के परिसर में नाबार्ड की तरफ से 25 और 26 जून को आम महोत्सव का आयोजन किया गया है। महोत्सव की खास बात यह है कि यहां शहरवासी आम उत्पादक किसानों से सीधे पेड़ के पके आम खरीद सकेंगे। यह आम रसायनमुक्त यानि कार्बाइड फ्री है। 25 जून को इस महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस महोत्सव की शुरुआत करते हुए सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा है कि नाबार्ड द्वारा पहली बार दो दिवसीय आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, यह सराहनीय पहल है। बिहार के आम की मिठास और गुणवत्ता की चर्चा देशभर में होती है। आम सिर्फ फलों का राजा ही नहीं बल्कि बिहार की संस्कृति और परंपरा का पहचान भी है। सहकारिता विभाग द्वारा सभी प्रखंडों में प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समिति यानी पीवीसीएस का गठन किया गया है। जल्द ही सभी पीवीसीएस को एम पैक्स यानी मल्टी परपस पैक्स के रूप में परिवर्तित किया जाएगा जिससे कि वे सब्जी उत्पादन के साथ-साथ फल, फूल, मसाले, मधुमक्खी, मत्स्य, दूध, बकरी और मुर्गी पालक, बीज, उर्वरक, भंडारण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग सहित कृषि और गैर कृषि कार्य सभी कर सकेंगे। अब आम के बगीचे वाले भी किसान पीवीसीएस से जुड़ जाएंगे। मंत्री ने कहा हमारा प्रयास है कि राज्य के किसान उत्पादन, भंडारण, प्रॉसेसिंग, ब्रांडिंग, विपणन, मूल्य संवर्धन और निर्यात की पूरी श्रृंखला में सक्रिय भागीदार बनें। नाबार्ड द्वारा प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन डेवलपमेंट फंड यानी पीओडीएफ से बिहार के एफपीओ को एक सशक्त आर्थिक ताकत मिल रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी आम उत्पादक किसानों से कहना चाहता हूं कि आपकी मेहनत और आपकी फसल बिहार की पहचान है। आप गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करें, नई तकनीक अपनाएं और संगठित होकर बाजार से जुड़ें। सरकार आपके साथ खड़ी है। आम महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने बताया कि शहरवासियों के लिए यह मौका है कि वे सीधे पेड़ से पके आम खरीद सकेंगे। इस महोत्सव का उद्देश्य है कि आम उत्पादक किसानों को सीधे बाजार मिल सके और वे रसायन-मुक्त आम की अलग-अलग वैरायटी को सीधे ग्राहकों को बेच पाएं। यहां आकर बेचने से किसानों को ग्राहकों की पसंद जानने और मार्केटिंग स्किल्स सीखने को मिलेगी।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय : मिश्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी, बिहार के प्रदेश मंत्री प्रभाकर मिश्रा ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताते हुए कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता के अहंकार में संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का गला घोंटने का काम किया था। श्री मिश्रा ने कहा कि आपातकाल के दौरान देशभर में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और लाखों लोकतंत्र सेनानियों को जेल में डाल दिया गया। प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए और अभिव्यक्ति की आजादी को कुचलने का प्रयास किया गया। यह दौर लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक परिवार के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया और अनेक लोगों ने यातनाएं सहते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की।

कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी एवं जे.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बीच हुआ समझौता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जन्दाहा (वैशाली)। जन्दाहा स्थित कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के निदेशक एवं शिक्षाविद डॉ. आनंद रंजन झा तथा जे.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, खिलवत, दौदनगर (हाजीपुर) के बीच छात्र हित में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के माध्यम से इच्छुक विद्यार्थियों को बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए मार्गदर्शन, काउंसलिंग तथा प्रवेश प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया जाएगा। वहीं कॉलेज विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी सभी आवश्यक जानकारी, शुल्क विवरण एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इस अवसर पर डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से जोड़ना तथा उन्हें करियर निर्माण के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी सदैव छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है और यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब एक ही स्थान पर प्रवेश परामर्श, मार्गदर्शन एवं उच्च शिक्षा तक पहुंच की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग और अधिक सशक्त होगा।

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र द्वारा टी.पी.एस. कॉलेज में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य-पूर्वी क्षेत्र, पटना द्वारा टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में एक दिवसीय टियर-3 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'भूजल विकास एवं प्रबंधन पद्धतियां तथा स्थानीय भूजल मुद्दे' था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं अन्य हितधारकों के बीच भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, कृत्रिम भूजल पुनर्भरण, भूजल गुणवत्ता, भूजल विनियमन तथा सतत जल संसाधन प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य-पूर्वी क्षेत्र, पटना के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि नित्यानंद प्रसाद, अभियंता प्रमुख, पीएचइडी और टी.पी.एस. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य थे। रसायन विज्ञान की व्याख्याता डॉ. शशि प्रभा दुबे सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु सभी गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा जल शपथ ली गई। साथ ही सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं छात्रों ने जल शपथ के हस्ताक्षर पटल पर हस्ताक्षर कर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके साथ-साथ, जल पुनर्भरण के महत्व को इंगित करते हुए सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से जल कलश में जल अर्पित किया गया जिससे जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के प्रति सामूहिक संकल्प को अभिव्यक्ति मिली। कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। अपने संबोधन में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला ने बिहार में भूजल संसाधनों की वर्तमान स्थिति, उनके वैज्ञानिक प्रबंधन तथा जनसहभागिता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पेपर लीक करवा युवाओं का भविष्य कर रहे हैं बर्बाद : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देश भर के छात्रों की आवाज को व्यापक मंच देने, शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान 'छात्रों की गूंज' के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और इस अभियान के संयोजक और नेशनल कोर ग्रुप के सदस्य अनुपम ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राजेश राम ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने पहले ही अधर में लटका रखी है और अब परीक्षार्थियों को लीक प्रूफ परीक्षा प्रणाली से भी वंचित कर उनके भविष्य को अंधकारमय कर दी है। देश के प्रधानमंत्री परीक्षा पर चर्चा तो करते हैं, लेकिन पेपर लीक करवा युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं और उन्हें कोई अफसोस भी नहीं है। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा तक नहीं ले सके पीएम मोदी अपने नेतृत्व में देश के युवाओं को बर्बाद कर अंधकार में झोंक रहे हैं। हमारे नेता राहुल गांधी लगातार संघर्ष कर छात्रों व परीक्षार्थियों के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।

बिहार की बेटियां हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर ले रही हिस्सा : मंत्री

पांच वर्षों में 4473 महिला अभ्यर्थियों को 23 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने गुरुवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग की नवचयनित महिला अभ्यर्थियों से मुलाकात की। उन्होंने बेटियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार की बेटियां अब बढ़-चढ़ कर हर क्षेत्र में हिस्सा ले रही है। वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में आगे आ रही है, बल्कि सिविल सेवा जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। यह बिहार के सामाजिक परिवर्तन का सजीव प्रमाण है। डॉ. श्वेता गुप्ता ने मुख्यमंत्री सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना की सराहना करते हुए बताया कि इस योजना की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण हमारे साथ मौजूद बीपीएससी में चयनित बेटियां हैं। इन्होंने इस योजना का लाभ लेकर परचम लहराया है। महिला एवं बाल विकास निगम के स्तर से संचालित इस योजना का उद्देश्य योग्य महिला अभ्यर्थियों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें सिविल सेवा की तैयारी में पूर्ण रूप से समर्थ बनाना है। इस योजना के तहत यूपीएससी एवं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली अभ्यर्थियों को आगे की मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 1 लाख रुपये और 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। इस बार 70वीं बीपीएससी परीक्षा में योजना से लाभांवित 1914 महिला अभ्यर्थियों को 50-50 हजार रुपये की दर से कुल 9 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि दी गई है। इनमें अंतिम रूप से 148 महिला अभ्यर्थी सफल हुईं। इस सहायता का लाभ सामान्य वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) तथा पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2021 से हुई थी। पिछले पांच वर्ष के दौरान यूपीएससी एवं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली 4 हजार 473 महिला अभ्यर्थियों को इसका लाभ मिल चुका है। इनमें अंतिम रूप से 311 महिला अभ्यर्थियों (यूपीएससी में 13 और बीपीएससी में 298 महिला) का चयन विभिन्न पदों पर हो चुका है।

पटना में एशिया का सबसे बड़ा श्मशान, 18 शवों का एक साथ अंतिम संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना में एशिया का सबसे बड़ा श्मशान घाट तैयार हो गया है। बांसघाट श्मशान का संचालन शुरू कर दिया गया है। लगभग 4.5 एकड़ में फैले इस श्मशान में एक साथ 18 शवों का अंतिम संस्कार हो सकता है। अंतिम यात्रा में आने वाले लोगों को दो एसी वेटिंग हॉल, एक कैंटीन, स्वच्छ पेयजल और शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यहां पर गंगाजल से भरे दो तालाब भी बनाए गए हैं, इनमें से एक नहाने और दूसरा अस्थि विसर्जन के लिए है। इस श्मशान घाट का संचालन ईशा फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है। पटना के बांसघाट श्मशान पर अंतिम संस्कार के लिए हर व्यवस्था का शुल्क तय किया गया है। शवदाह के लिए 3500 रुपये का शुल्क है। इसके अलावा डोम राजा का 500 रुपये, पंडित का 250 रुपये और नाई का शुल्क 150 रुपये है। लकड़ी से अंतिम संस्कार कराना है तो लकड़ी का चार्ज अलग से देना पड़ेगा। यह एशिया का सबसे बड़ा श्मशान है। यहां 18 लोगों की एक साथ अंत्येष्टि हो सकती है। इसके लिए 8 पारंपरिक चबूतरे बनाए गए हैं, जहां लकड़ी से अंतिम संस्कार किया जा सकता है। इसके अलावा 4 इलेक्ट्रिक शवदाह इकाइयां और 6 लकड़ी आधारित पर्यावरण अनुकूल भट्टियां भी हैं। गरीबों को जल्द मुफ मुत मिलेगी सुविधा ईशा फाउंडेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि भविष्य में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को यहां मुफ्त अंतिम संस्कार की सुविधा मिलेगी।

वीबी-जी राम जी योजनाओं में पारदर्शिता के लिए संसाधन सेवी को दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में बांका, बेगूसराय आदि जिलों के प्रतिभागियों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एक जुलाई से लागू होने वाली महत्वाकांक्षी विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बरतने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके तहत सामाजिक अंकेक्षण सोसायटी की तरफ से अलग-अलग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के अलग-अलग जिलों से सामाजिक अंकेक्षण संसाधान सेवी (सोशल ऑडिट रिसोर्स पर्सन) अपनी सहभागिता सुनिश्चित करा रहे हैं। पटना के शास्त्रीनगर में आयोजित प्रशिक्षण के दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को कर्मचारी और स्वयंसेवकों के फीडबैक से की गई। इस दौरान बांका, बेगूसराय के साथ-साथ दूसरे जिलों से कर्मचारी एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रशिक्षार्थियों को वीबी-जी राम जी योजना क्रियान्वयन संबंधी अंकेक्षण की अन्य बारीकियों से रूबरू कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अगले महीने से लागू होने वाली योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, लोक भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये सभी स्वयंसेवी और कर्मचारी फील्ड में उतरेंगे और योजना को लागू करने दिशा में किए गए कार्यों की पारदर्शिता के साथ अंकेक्षण करेंगे। बता दें कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में 1 जुलाई 2026 से देशभर में वीबी-जी राम जी को लागू किया जा रहा है। बिहार में इसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। बड़े राज्यों में बिहार ही ऐसा पहला राज्य है जहां इस अधिनियम को कैबिनेट से सबसे पहले मंजूरी मिली। नए कानून के अनुसार मजदूरों को अब 100 की बजाय 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही श्रमिकों के कृषि कार्यों के लिए वर्ष में 60 दिन का अवकाश देने का प्रावधान है। बिहार राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन की दिशा में अगले करीब नौ महीने के लिए केंद्र सरकार से 6715 करोड़ रुपये अंतरिम बजट की मंजूरी दे रखी है।

पटना में होगा वीकेंड क्रिकेट बैश का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कॉर्पोरेट क्रिकेट को नई पहचान देने के उद्देश्य से वीकेंड क्रिकेट बैश का शुभारंभ किया जा रहा है। यह एक प्रीमियम कॉरपोरेट क्रिकेट लीग है जिसका उद्देश्य उद्यमियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, डॉक्टरों, वकीलों, बैंकरों, स्टार्टअप संस्थापकों तथा विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को क्रिकेट के माध्यम से एक साझा मंच पर जोड़ना है। वीकेंड क्रिकेट बैश का भव्य उद्घाटन समारोह 26 जून को शाम 4:30 बजे से 22 यार्ड्स स्पोर्ट्स पार्क, संपतचक, पटना में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के दौरान ब्रदरहुड सीरीज ट्रॉफी का अनावरण किया जाएगा जिसके पश्चात टूर्नामेंट का पहला मुकाबला खेला जाएगा। यह आयोजन वीकेंड क्रिकेट बैश के प्रथम सीजन की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक होगा। आयोजन समिति ने कहा कि वीकेंड क्रिकेट बैश केवल क्रिकेट खेलने का मंच नहीं है, बल्कि यह विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एक परिवार की तरह जोड़ने का प्रयास है। हमारा उद्देश्य खेल के माध्यम से मित्रता, अनुशासन, नेतृत्व और भाईचारे की भावना को मजबूत करना तथा बिहार में कॉर्पोरेट क्रिकेट की नई संस्कृति विकसित करना है। इस लीग में विभिन्न कॉर्पोरेट टीमों के बीच प्रतिस्पर्धी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे जिनका संचालन पेशेवर स्तर पर किया जाएगा। खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल सुविधाएं, डिजिटल कवरेज, सम्मान और यादगार अनुभव प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों, परिवारजनों, समर्थकों एवं क्रिकेट प्रेमियों से उद्घाटन समारोह में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने की अपील की है।

संपादकीय

सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा

सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां अपराध होने के बाद ही हरकत में क्यों आती हैं। अपराध को होने से रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बच्ची का अपहरण कर उससे बलात्कार और फिर उसकी हत्या कर देने की घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है, बल्कि सामाजिक और मानवीय संवदेनाओं को भी झकझोर दिया है। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए विशेष कानून बनाए जाने के बाद भी क्या वजह है कि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग नहीं पा रहा है।गौरतलब है कि दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक बच्ची को सोमवार तड़के उस समय अगवा कर लिया गया, जब वह अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही थी। खबरों के मुताबिक, आरोपी कैब चालक ने बच्ची की अस्मिता को तार-तार करने के बाद गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी और शव को फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड के किनारे एक जंगल में फेंक दिया।सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां अपराध होने के बाद ही हरकत में क्यों आती हैं। अपराध को होने से रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि यहां सुरक्षा व्यवस्था दूसरे शहरों की अपेक्षा बेहतर होगी। मगर यहां आपराधिक घटनाओं के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति इसके विपरीत प्रतीत होती है। घर हो या फुटपाथ, लोग कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते हैं।हैरत की बात है कि बच्ची को अगवा कर उसकी हत्या कर देने के बाद भी आरोपी के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था। वारदात को अंजाम देने के बाद वह घटनास्थल पर दोबारा आया, लेकिन पुलिसकर्मियों को देख कर वहां से भाग गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर अपराधियों के भीतर कानून का डर खत्म हो गया है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जाहिर है कि सुरक्षा एवं जांच एजंसियों की लापरवाही की वजह से जब अपराधी कानून के शिकंजे से बच निकलते हैं, तो उनके भीतर किसी तरह का खौफ नहीं रहता है। शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा, उसे प्रभावी तरीके से जमीन पर लागू करने की जरूरत है।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा।

युद्धविराम से आगे- क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

(ललित गर्ग)

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों

युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीवन में सच्चे सम्मान के लिए वाणी को संयमित करना जरूरी, निंदा का स्वभाव दीमक की तरह

(समराज चौहान)

निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है। इससे मानसिक शांति भंग होती है और बेवजह का तनाव उत्पन्न होता है। हमारे शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे हमारे संस्कार, विचार और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते हैं। आज के समय में मनुष्य के पास सुविधाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं, इसके बावजूद समाज में मानसिक अशांति, कटुता और रिश्तों में दूरियां बढ़ती जा रही हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि लोग अपने शब्दों की मर्यादा भूलते जा रहे हैं। बातचीत, जो कभी प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का माध्यम हुआ करती थी, आज दूसरों की आलोचना, उपहास और निंदा का साधन बनती जा रही है। किसी व्यक्ति की असफलता, गलती या निजी जीवन पर टिप्पणी करना अब लोगों के लिए सामान्य बात बन चुकी है। यही नहीं, कई बार किसी व्यक्ति की सफलता की सराहना करने के बजाय उसमें खामियां निकालने की कोशिश की जाती है। धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति लोगों के व्यक्तित्व का हिस्सा बनती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका जीवन समाज के बीच ही विकसित होता है। वह अपने विचारों और व्यवहार से ही लोगों के बीच सम्मान प्राप्त करता है। मगर जब उसकी वाणी में कटुता और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति आ जाती है, तब उसका प्रभाव केवल सामने वाले व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। जो व्यक्ति हर समय दूसरों की कमियां खोजने में लगा रहता है, वह अनजाने में अपने भीतर की असुरक्षा और नकारात्मक सोच को प्रकट कर देता है। कुछ समय के लिए उसे यह लग सकता है कि वह दूसरों से बेहतर है, मगर धीरे-धीरे लोग उसके स्वभाव को समझने लगते हैं और उससे दूरी बनाने लगते हैं। निंदा का स्वभाव दीमक की तरह निंदा का स्वभाव बिल्कुल उस दीमक की तरह होता है, जो बाहर से दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर ही भीतर मजबूत लकड़ी को खोखला करता रहता है। उसी प्रकार दूसरों की बुराई करने की आदत भी मनुष्य के चरित्र को अंदर से लगातार कमजोर करती रहती है। जो व्यक्ति दूसरों की गलतियों की चर्चा करता है, वह अक्सर यह भूल जाता है कि सुनने वाला व्यक्ति केवल उन बातों को नहीं सुन रहा होता, बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी आकलन कर रहा होता है। लोग सामने से उसकी बातों में रुचि दिखा सकते हैं, लेकिन उनके मन में उसके प्रति सम्मान कम होने लगता है। समाज यह अच्छी तरह समझता है कि जो व्यक्ति आज किसी की बुराई कर रहा है, वह कल किसी और के बारे में भी वैसा ही बोल सकता है। दूसरों की बुराई करना एक ऐसा अवगुण है, जो निंदक के मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह न केवल आपसी विश्वास को नष्ट करता है, बल्कि व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व को भी कमजोर बनाता है।

निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है – निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है। इससे मानसिक शांति भंग होती है और बेवजह का तनाव उत्पन्न होता है। हमारे शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे हमारे संस्कार, विचार और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते हैं। यदि हमारी वाणी में ईर्ष्या, कटुता, नफरत और नकारात्मकता होगी, तो उसका प्रभाव हमारे आसपास के वातावरण पर भी दिखाई देगा। इसके विपरीत यदि हमारी भाषा में विनम्रता, सम्मान और मधुरता होगी, तो वह लोगों के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाएगी। मधुर वाणी मनुष्य को वह सम्मान दिलाती है, जिसे धन या बाहरी दिखावे से प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए समझदार व्यक्ति वही माना जाता है, जो अपने शब्दों का उपयोग लोगों को जोड़ने के लिए करे, तोड़ने के लिए नहीं। आज के डिजिटल युग में यह समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है। सोशल मीडिया और आनलाइन मंचों ने लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दी है, लेकिन कई लोग इसका उपयोग बिना सोच-विचार के दूसरों पर टिप्पणी करने में कर रहे हैं। किसी व्यक्ति की छोटी-सी गलती को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना, बिना सत्य जाने किसी के बारे में अफवाह फैलाना और किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना अब सामान्य बात बनती जा रही है। यह केवल एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे सामाजिक वातावरण को दूषित करता है। इससे लोगों के बीच विश्वास कम होता है और रिश्तों में दूरी बढ़ती है।

समय का उपयोग खुद को बेहतर बनाने में करना चाहिए – वास्तव में मनुष्य को अपना समय और ऊर्जा दूसरों की आलोचना में नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने में इस्तेमाल करने चाहिए। यदि हम दूसरों की कमियां खोजने के बजाय अपने व्यवहार, विचार और कर्मों को सुधारने का प्रयास करें, तो हमारा जीवन अधिक शांत और सार्थक बन सकता है। महानता किसी को छोटा दिखाने में नहीं, बल्कि स्वयं को ऊंचा उठाने में होती है।

हिंद-प्रशांत में उभरते नए समीकरण, अमेरिका वास्तविकता की अनदेखी कर जोखिम उठाएगा

(ब्रह्मदीप अलूने)

हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति - चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति, उसकी बढ़ती नौसैनिक शक्ति और स्वतंत्र विदेश नीति उसे हिंद-प्रशांत रणनीति का अपरिहार्य स्तंभ बनाती है। जापान और आस्ट्रेलिया इस भू-रणनीतिक सच्चाई को समझते हुए भारत के साथ रक्षा, समुद्री सुरक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं। यदि अमेरिका इस वास्तविकता की अनदेखी करता है, तो वह पूरे हिंद-प्रशांत में अपनी रणनीतिक बढ़त को भी कमजोर करने का जोखिम उठाएगा। चीन 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिंद प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है।

चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। रणनीतिक अवधारणाएं दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों और व्यापक भू-राजनीतिक दृष्टि पर आधारित होती हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की अवधारणा भी ऐसी ही एक रणनीतिक पहल थी, जिसने चीन के बढ़ते समुद्री प्रभाव को नियंत्रित और संतुलित करने के लिए अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे समान हितों वाले देशों को गोलबंद किया था। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने इस दीर्घकालीन रणनीतिक नीति को आर्थिक सौदेबाजी और तात्कालिक लाभों की कसौटी पर रख कर इसकी विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका रणनीतिक प्रतिबद्धताओं की अपेक्षा तात्कालिक आर्थिक फायदों को अधिक महत्त्व दे रहा है। इससे उसकी हिंद-प्रशांत रणनीति के उद्देश्य कमजोर पड़ गए हैं। एक महाशक्ति के रूप में अमेरिका की साख एवं नेतृत्व क्षमता पर भी संकट खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में हिंद प्रशांत क्षेत्र को रणनीतिक पहचान दी थी और जापान, आस्ट्रेलिया, यूरोपीय देशों तथा आसियान ने भी चीन से मुकाबला करने के लिए इसे व्यापकता दी। भारत ने इसे सैन्य रणनीति से कहीं ज्यादा समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, संपर्क, व्यापार और क्षमता निर्माण से जोड़ कर इसे बहुआयामी बनाया। हिंद-प्रशांत विश्व के सबसे महत्त्वपूर्ण और परस्पर जुड़े हुए क्षेत्रों में शुमार है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र पूर्वी अफ्रीका के तट से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला हुआ है। विश्व की लगभग आधी जनसंख्या और वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा है।

हिंदी-प्रशांत क्षेत्र से होता है साठ फीसद से अधिक व्यापार – अपने प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता तथा सांस्कृतिक विविधता के कारण यह क्षेत्र वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का केंद्र बन गया है। हिंद-प्रशांत केवल हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के भौगोलिक जुड़ाव का संकेत नहीं देता, बल्कि यह एशिया, अफ्रीका और आसियान के देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा साझेदारी का भी प्रतीक है। समुद्री मार्गों से वस्तुओं और ऊर्जा के साठ फीसद से अधिक व्यापार का आवागमन इसी क्षेत्र से होता है। भारत हिंद प्रशांत की व्यापक अवधारणा के केंद्र में कई कारणों से है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है और मलक्का जलमार्ग, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों पर उसकी प्रभावी पहुंच है। विश्व के ऊर्जा व्यापार और समुद्री वाणिज्य का बड़ा हिस्सा इन्हीं मार्गों से होकर गुजरता है। यदि कभी संकट की स्थिति उत्पन्न होती है, तो भारत इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत के बिना 'क्वाड' अमेरिकी रणनीति तक सीमित – अमेरिका के लिए यह सामरिक दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण है। भारत हिंद-प्रशांत का एक लोकतांत्रिक, स्थिर और विश्वसनीय साझेदार रहा है। अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ भारत की भागीदारी ने 'क्वाड' को क्षेत्रीय स्थिरता का एक अहम मंच बना दिया है। यदि भारत इसका हिस्सा न हो, तो हिंद-प्रशांत की अवधारणा केवल अमेरिकी या पश्चिमी रणनीति तक सीमित दिखाई दे सकती है और इससे विकासशील देश आशंकित हो सकते हैं। भारत की नौसैनिक क्षमता मजबूत है और यह हिंद महासागर में मानवीय सहायता, समुद्री सुरक्षा तथा आपदा राहत कार्यों में बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह मलक्का जलमार्ग के निकट है, जो चीन की समुद्री आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी रखने की दृष्टि से अहम है। यह सामरिक लाभ अमेरिका के पास नहीं है।

अमेरिका की वैश्विक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे – अब अमेरिका 'इंडो-पैसिफिक' जैसी व्यापक और स्थापित अवधारणा से हट कर इसे 'यूएस-पैसिफिक' कह रहा है, तो इसमें अमेरिकी वर्चस्व का स्पष्ट संकेत है और इससे स्वयं उसे रणनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हाल के वर्षों में अमेरिका की वैश्विक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे हैं। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका अपने दीर्घकालीन रणनीतिक दायित्वों के बजाय अल्पकालिक आर्थिक और घरेलू राजनीतिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्त्व दे रहा है। इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अनेक देश अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों के बीच नया संतुलन तलाशने के लिए चीन के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ कर सकते हैं। अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर अनिश्चितता बढ़ने की स्थिति में चीन का प्रभाव इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत बढ़ सकता है।

हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति – चीन की समुद्री विस्तारवादी नीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के पास भारत से अधिक विश्वसनीय और सक्षम साझेदार नहीं है। हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति, उसकी बढ़ती नौसैनिक शक्ति और स्वतंत्र विदेश नीति उसे हिंद-प्रशांत रणनीति का अपरिहार्य स्तंभ बनाती है। जापान और आस्ट्रेलिया इस भू-रणनीतिक सच्चाई को समझते हुए भारत के साथ रक्षा, समुद्री सुरक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं। यदि अमेरिका इस वास्तविकता की अनदेखी करता है, तो वह पूरे हिंद-प्रशांत में अपनी रणनीतिक बढ़त को भी कमजोर करने का जोखिम उठाएगा। चीन 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिंद प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है। भारत अपनी सुरक्षा मजबूरियों के कारण अमेरिका का स्वभाविक सहयोगी बन गया है।

चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का प्रमुख भागीदार – चीन पाकिस्तान की बढ़ती साझेदारी ने भारत की सामरिक समस्याएं बढ़ाई हैं। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का प्रमुख भागीदार है। श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह, बांग्लादेश का चटगांव बंदरगाह, म्यांमा की सितवे परियोजना समेत मालदीव के कई निर्जन द्वीपों पर चीनी कब्जे से भारत की समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ गई हैं। दक्षिण चीन सागर का इलाका हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच है और चीन, ताइवान, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई और फिलीपींस से घिरा हुआ है। अमेरिका को यह समझना होगा कि महाशक्तियां केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीतिक प्रतिबद्धताओं और विश्वसनीय साझेदारियों से अपना नेतृत्व कायम करती हैं। उसने हिंद-प्रशांत की अवधारणा को कमजोर कर अपने सबसे बड़े रणनीतिक निवेश को दांव पर लगा दिया है। उसका यह दृष्टिकोण उन रणनीतिक साझेदारियों और वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर कर रहा है, जिनके बल पर अमेरिका ने दशकों तक वैश्विक नेतृत्व बनाए रखा।

अमेरिका की नीतियों से अनिश्चितता बढ़ी – अमेरिकी राष्ट्रपति की नीतियों से यूरोप से लेकर हिंद-प्रशांत तक अनिश्चितता बढ़ी है। अब भारत को हिंद महासागर में अपनी समुद्री कूटनीति और क्षेत्रीय साझेदारियों को नए सिरे से मजबूत करना होगा। जापान, आस्ट्रेलिया और आसियान देश भारत के स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बन सकते हैं। भारत किसी एक महाशक्ति पर निर्भर हुए बिना अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को और सुदृढ़ कर सकता है। बहरहाल, अमेरिका की 'यूएस पैसेफिक' की नई रणनीति को भारत के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक विश्वसनीय, स्थिर और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

महिला ने दो मासूम बच्चों के साथ की आत्महत्या

मानसिक बीमारी से बतायी जा रही ग्रसित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के मनातू गांव में एक दिल दहलाने देने वाली घटना सामने आई। एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतकों की पहचान परदेशनी कुमारी (27 वर्ष), उनका पुत्र अंश उरांव (5 वर्ष) तथा पुत्री आशमानी कुमारी (4 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार परदेशनी का पिछले करीब आठ महीनों से कांके में मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा था। मृतक महिला के पति जगन्नाथ उरांव ने बताया कि बुधवार दोपहर उनकी पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर घर के पास एक कुएं पर गई थीं। दोपहर का समय होने के कारण आस-पास कोई मौजूद नहीं था। जब काफी देर तक पत्नी और बच्चे घर नहीं लौटे तो उनकी दादी गुनिया देवी और बुआ संतोषी कुमारी उन्हें खोजने लगीं। खोजबीन के दौरान जगन्नाथ उरांव ने कुएं में झांककर देखा तो पानी में एक कपड़ा दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा कुएं की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान सबसे पहले अंश उरांव का शव दिखाई दिया। इसके बाद महिला और दोनों बच्चों के शव कुएं से बाहर निकाले गए। घटना की सूचना मिलते ही घाघरा थाना के एसआई आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया है। मामले की जांच चल रही है। छानबीन के बाद ही पूरा मामला साफ हो पाएगा।

डॉ. पीयूष रंजन दास अध्यक्ष एवं दिवाकर घोष संयुक्त सचिव निर्वाचित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो/गुजरात। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), गुजरात प्रदेश के पर्यवेक्षण में ओएनजीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव जून 2026झजून 2028 कार्यकाल हेतु सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। कुल 3,770 पात्र मतदाताओं में से 1,633 सदस्यों ने मतदान किया, जिससे 43.32% मतदान दर्ज हुआ। चुनाव में डॉ. पीयूष रंजन दास अध्यक्ष तथा दिवाकर घोष संयुक्त सचिव निर्वाचित हुए। एल. विजय भास्कर (उपाध्यक्ष), सुमित गुप्ता (महासचिव) एवं विजय चंदेल (कोषाध्यक्ष) निर्विरोध निर्वाचित हुए। ओएनजीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन ने इस सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लेशम, बीएमएस गुजरात प्रदेश, मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक राठौड़, चुनाव समिति के सदस्यों तथा समस्त चुनाव टीम के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैद्यनाथ राम और परिमल नाथवानी ने पद एवं गोपनीयता की ली शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में निर्वाचित झामुमो के बैद्यनाथ राम और एनडीए समर्थित परिमल नाथवानी ने गुरुवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीबी राधाकृष्णन ने दोनों सांसदों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के साथ ही परिमल नाथवानी ने राज्यसभा में अपने चौथे कार्यकाल की शुरूआत कर दी। शपथ ग्रहण के बाद परिमल नाथवानी ने झारखंड में अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी झारखंड में कई विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम करेंगे। नाथवानी ने कहा कि झारखंड का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और युवाओं के कौशल विकास से जुड़े मुद्दे उनकी प्राथमिकता में रहेंगे। परिमल नाथवानी इससे पहले भी झारखंड का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और यह उनका चौथा कार्यकाल माना जा रहा है। वहीं पहली बार राज्यसभा पहुंचे बैद्यनाथ राम ने शपथ ग्रहण के बाद अपनी खुशी जाहिर की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। बैद्यनाथ राम ने कहा कि झारखंड के विकास, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े मुद्दे उनकी प्राथमिकता में रहेंगे। शपथ ग्रहण के बाद पार्टी नेताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव हुआ था। इस चुनाव में तीन उम्मीदवार मैदान में थे। झामुमो की ओर से बैद्यनाथ राम, कांग्रेस की ओर से प्रणव झा और एनडीए समर्थित परिमल नाथवानी चुनावी मैदान में थे। मतगणना के बाद बैद्यनाथ राम और परिमल नाथवानी विजयी घोषित किए गए। राज्यसभा सदन में एनडीए समर्थित सांसद परिमल नाथवानी और झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष बैद्यनाथ राम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने नए संसदीय कार्यकाल की शुरूआत की।

सर्पदंश से महिला की मौत

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के उरैली गांव में सर्पदंश से 39 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला ने सांप के काटने को मामूली कीड़े का डंक समझकर नजरअंदाज कर दिया जिसके बाद जहर फैलने से उसकी जान चली गई। गांव के रवि कुमार यादव की पत्नी रंजू कुमारी (39) बुधवार देर रात शौच के लिए घर से बाहर खेत की ओर गई थीं।

पुनर्निर्माण को लेकर दो दिनों तक पूर्णतः बंद रहेगा पंचेत बांध मार्ग

धनबाद-पश्चिम बंगाल संपर्क पर पड़ेगा असर
□ पर्यटन गतिविधियां भी होंगी प्रभावित □
सप्ताहांत में बड़ी संख्या में पहुंचते हैं पर्यटक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। *दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के पंचेत जल विद्युत स्टेशन में चल रहे महत्वपूर्ण पुनर्निर्माण, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन कार्य के कारण पंचेत बांध मार्ग पर दो दिनों तक पूरी तरह यातायात बंद रहेगा। गुरुवार को सार्वजनिक सूचना दामोदर घाटी निगम ने जारी किया है।*

इस निर्णय का असर धनबाद, निरसा, चिरकुंडा समेत पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और बांकुड़ा जाने वाले हजारों लोगों पर पड़ेगा। डीवीसी प्रबंधन ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने को कहा है।

डीवीसी द्वारा जारी सूचना के अनुसार 25 जून और 26 जून 2026 को प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक पंचेत बांध मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रहेगा। यह प्रतिबंध झारखंड सीमा के जीरो पॉइंट से लेकर पश्चिम बंगाल चेक पोस्ट तक लागू रहेगा। इस दौरान किसी भी निजी, व्यावसायिक अथवा मालवाहक वाहन को इस मार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जल विद्युत इकाई में चल रहा है महत्वपूर्ण कार्य

पंचेत जल विद्युत स्टेशन की पहली उत्पादन इकाई में पुनर्निर्माण, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन (आरएम एंड यू) का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत भारी मशीनों, उपकरणों और तकनीकी संसाधनों को परियोजना स्थल तक पहुंचाया जा रहा है।

डीवीसी अधिकारियों के अनुसार कार्यस्थल की सुरक्षा और उपकरणों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए बांध मार्ग को अस्थायी रूप से बंद करना आवश्यक हो गया है।

पंचेत बांध मार्ग झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच संपर्क का एक महत्वपूर्ण रास्ता माना जाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यवसायी, कर्मचारी और पर्यटक इस मार्ग का उपयोग करते हैं। मार्ग बंद रहने से लोगों को लंबी दूरी तय कर गंतव्य तक पहुंचना पड़ेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की अतिरिक्त खपत होगी।

पंचेत बांध क्षेत्र धनबाद और आसपास के इलाकों के लोगों के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।

अवकाश और सप्ताहांत में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। मार्ग बंद रहने से पर्यटन गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है तथा बाहर से आने वाले पर्यटकों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना होगा।

मोहर्रम को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को ले पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार की शाम पुलिस अनुमंडल छपरा सदर-2 एकमा राजकुमार के नेतृत्व में विभिन्न थानों के पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया।

एसडीपीओ-2 राजकुमार के नेतृत्व में एकमा, रसूलपुर, दाउदपुर, जलालपुर, बनियापुर, कोपा एवं सहजीतपुर थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों, संवेदनशील स्थलों तथा ताजिया जुलूस मार्गों पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा बल के साथ मार्च किया। फ्लैग मार्च में एकमा थानाध्यक्ष रामबालक यादव, दाउदपुर थानाध्यक्ष निर्भय कुमार, रसूलपुर थानाध्यक्ष प्रिंस राज, मांझी थानाध्यक्ष बिनोद कुमार सहित सभी संबंधित थाना क्षेत्रों के थानाध्यक्ष, पुलिस पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस बल शामिल रहे।

मार्च के दौरान अधिकारियों ने आम लोगों से मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और पारंपरिक तरीके से मनाने की अपील की। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया।

एसडीपीओ-2 राजकुमार ने कहा कि मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने, अफवाह फैलाने अथवा कानून-व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फ्लैग मार्च के माध्यम से प्रशासन ने लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाते हुए यह संदेश दिया कि पर्व के दौरान जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

ब्राह्मण व सवर्ण समाज ने भरत तिवारी के एनकाउंटर के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। ब्राह्मण समाज एवं स्वर्ण समाज के द्वारा के बैनर पहले भरत भूषण तिवारी का एनकाउंटर के विरोध में रणधीर वर्मा चौक क्षेत्र में कैंडल मार्च निकाल कर निष्पक्ष जांच की मांग की गई व घटना के विरोध में हाथों में मामबत्तियां लेकर मार्च निकाला। मार्च में भरत भूषण तिवारी अमर रहे के नारे लगाए गए। वहीं रणधीर वर्मा चौक में लोगों ने भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और न्याय दिलाने की मांग दोहराई। सुरेश तिवारी ने मीडिया से कहा की शाहपुर के विलोटी ग्राम के क्रांतिकारी बीर शहिद भरत तिवारी का बिहार पुलिस के द्वारा एनकाउंटर कर हत्या के प्रतिकार स्वरुप झारखण्ड के धनबाद में हमलोग ब्राह्मण समाज एव सवर्ण समाज के द्वारा केंडल मार्च निकाला गया है। हमारी मांग है कि दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई हो। कैंडल मार्च में मुख्य रूप से सरोज शुक्ला,वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी, सुरेश चंद्र तिवारी, सत्येंद्र प्रकाश पांडे ,प्रमोद कुमार दूबे, विकास पाण्डेय, श्रीराम पांडे, नागेंद्र शुक्ला, शक्ति पाठक, डी के उपाध्याय,दिलीप सिंह, बॉबी पांडे डॉ पीके मिश्रा उदय चंद्र पांडे समेत अन्य लोग शामिल थे।

मानकों की अनदेखी कर चल रहे कोचिंग संस्थान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग में विद्यार्थियों की मौत और कई के झुलसने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इसके बावजूद पाकुड़ में संचालित अधिकांश कोचिंग एवं ट्यूशन सेंटरों में सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है।

यहां सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन अपनी जिंदगी को जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। दैनिक जागरण की पड़ताल में सामने आया कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक संचालित अधिकांश कोचिंग संस्थानों में आग से बचाव के लिए अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। कई संस्थान संकरे भवनों और टीन शेड के नीचे संचालित हो रहे हैं। कहीं आपातकालीन निकास नहीं है तो कहीं विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम भी नहीं किए गए हैं।

शहर के विभिन्न कोचिंग एवं ट्यूशन सेंटरों का निरीक्षण किया। दोपहर 3:40 बजे सिंधीपाड़ा स्थित एक कॉमर्स कोचिंग संस्थान में बिजली, पानी और शौचालय की व्यवस्था तो मिली, लेकिन आग से बचाव के लिए कोई संसाधन नहीं था।

संस्थान संचालक ने स्वीकार किया कि अग्निशमन यंत्र नहीं लगाया गया है। इसके बाद अपराह्न चार बजे राजापाड़ा स्थित आदया कोचिंग सेंटर का जायजा लिया गया। यहां भी रेलवे, बैंक एवं एसएससी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के बावजूद आग से बचाव के कोई साधन नहीं मिले।

संस्थान के व्यवस्थापक अमन कुमार ने बताया कि यहां करीब 45 प्रतियोगी परीक्षार्थियों के अलावा छह से दसवीं तक के 10 से 15 विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। उन्होंने भी अग्निशमन यंत्र नहीं होने की बात स्वीकार की। राज हाई स्कूल रोड में संचालित एचएस क्लासेस समेत कई अन्य कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

स्कॉर्पियो-ऑटो में टक्कर में 10 घायल, 5 की हालत नाजुक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा /कटिहार। कोढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-31 पर जुराबगंज मुसापुर मार्केट के सामने गुरुवार को स्कॉर्पियो और ऑटो के बीच आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में 10 लोग घायल हो गए। इनमें से 5 घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो पूर्णिया की ओर से आ रही थी जबकि ऑटो गेड़ाबाड़ी की तरफ से पूर्णिया जा रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो में सवार सभी 10 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कोढ़ा थाना अध्यक्ष पंकज आनंद पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोढ़ा लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्कार्पियो चालक ने पुलिस को बताया कि वाहन का हैंडल अचानक लॉक हो गया था, जिसके कारण वह नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रहे ऑटो से टक्कर हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।घायलों की पहचान रिचा प्रिया मोरसंडा, भारतीय कुमारी महिनाथपुर, काजल कुमारी मोरसंडा,मोहम्मद चांद मोरसंडा, पार्वती कुमारी मोरसंडा, छोटी कुमारी पूर्णिया, सिंटू कुमार मोरसंडा, पिंटू महतो मोरसंडा, आशुतोष सिंह मडवा एवं अजय कुमार मुसापुर के रूप में हुई है।घटना के बाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में लेकर कोढ़ा थाना पहुंचा दिया है।

सड़क पर मचा कोहराम

वहीं इस सड़क हादसे को लेकर इलाके में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस व्यस्त मार्ग पर यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

आईआईटी आईएसएम में पौधारोपण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आईआईटी आईएसएम धनबाद के सैफायर हॉस्टल परिसर में गुरुवार को ₹नशा मुक्त भारत, हरा-भरा भारत₹ थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के प्रतिनिधियों, हॉर्टिकल्चर सेक्शन, हॉस्पिटैलिटी विंग, स्पोर्ट्स कोचों, फैकल्टी सदस्यों तथा छात्र प्रतिनिधियों ने मिलकर पौधे लगाए और परिसर को अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रो. संजय मंडल, प्रो. सुरेश यातुजुला, प्रो. सुरेश पांडियन, प्रो. सायंतन घोष, हॉर्टिकल्चर ऑफिसर डॉ. धीरज कुमार, हॉस्पिटैलिटी सुपरिंटेंडेंट अनुप के. कश्यप, डीएसडब्ल्यू कार्यालय के रवि कुमार सहित विभिन्न छात्र प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रतिभागियों ने कहा कि नशामुक्त समाज और स्वच्छ पर्यावरण, दोनों एक स्वस्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव हैं। वृक्षारोपण जैसे अभियान युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देते हैं।

44 करोड़ से बनी सड़क धंसी, दहशत के साये में सफर करते लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले की झरिया-बलियापुर मुख्य सड़क भू-धंसान के कारण बदहाल हो गई है। वर्ष 2022 में 44 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस सड़क का एक बड़ा हिस्सा बीच से धंस गया है जिससे इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह सड़क झरिया, बलियापुर, निरसा और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण लाइफलाइन है। प्रतिदिन हजारों लोग नौकरी, व्यवसाय, स्कूल और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं।

सड़क खराब होने के कारण लोगों को अब लंबा वैकल्पिक रास्ता तय करना पड़ रहा है जिससे उनके समय और पैसा दोनों की बबार्दी हो रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क टूटे हुए कई महीने हो चुके हैं लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है।

प्रशासन और बीसीसीएल ने एक वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की है लेकिन बारिश के मौसम में इस रास्ते पर भी खतरा बढ़ गया है। लोगों को आशंका है कि लगातार बारिश से भू-धंसान की स्थिति और बिगड़ सकती है।

करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की यह स्थिति चिता का विषय बनी हुई है। जनता अब सरकार और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द स्थायी मरम्मत की मांग कर रही है ताकि सुरक्षित और सुगम आवागमन बहाल हो सके। इस मामले पर धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि झरिया-बलियापुर मुख्य सड़क के निर्माण और मरम्मत के लिए आवश्यक डिपॉजिट राशि बीसीसीएल को जमा करनी है। प्रशासन ने लगभग तीन महीने पहले ही बीसीसीएल को इस संबंध में पत्र भेजा था और लगातार पत्राचार जारी है। उपायुक्त ने बताया कि पथ निर्माण विभाग द्वारा सड़क मरम्मत का अनुमान (एस्टिमेट) पहले ही तैयार कर भेजा जा चुका है। बीसीसीएल द्वारा फंड जमा करते ही सड़क का काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बैठकों में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया है और बीसीसीएल प्रबंधन को जल्द से जल्द राशि जारी करने का निर्देश दिया गया है।

सीआरपीएफ कैम्प पर जंगली हाथी का हमला

मनोहरपुर। सारंडा के तिरिलपोसी सीआरपीएफ कैम्प में बैरक निर्माण कार्य करने वाला एक सिविलियन कर्मचारी जंगली हाथी के चपेट में आने से घायल हो गया। घायल व्यक्ति गढ़वा जिला का रहने वाला 58 वर्षीय विजय विश्वकर्मा है। जय वर्तमान में वर्तमान में तिरिलपोसी सीआरपीएफ कैंप में बैरक निर्माण कार्य में लगा हुआ हैं। बुधवार को शाम लगभग 4 बजे जराईकेला से वापस त्रिलपोषी कैंप लौट रहा था।

शाम जब वे दीघा से आगे हाथी टावर के पास पहुंचे, तभी अचानक एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान हाथी ने उनके बाएं पैर के घुटने के पास अपना पैर रख दिया, जिससे उनके बाएं पैर एवं घुटने में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ 134 बटालियन के त्रिलोकनाथ सिंह के नेतृत्व मे बटालियन के शवलय भूषण भक्ता, डां कुंदन कुमार सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। विजय विश्वकर्मा को प्राथमिक उपचार देने के उपरांत एम्बुलेंस द्वारा राउरकेला हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

बीपीएससी में 95वीं रैंक प्राप्त करने वाले शुभम को विधायक ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 95वीं रैंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली युवा शुभम कुमार को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि शुभम कुमार की यह उपलब्धि उनके कठोर परिश्रम, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। यह साबित करती है कि निरंतर प्रयास, मेहनत और समर्पण के बल पर जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विधायक श्री सिन्हा ने शुभम कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करते रहें और समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

उछल गए सोना-चांदी के दाम, 2800 से ज्यादा तक की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की गिरती कीमत पर गुरुवार को ब्रेक लग गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गुरुवार को सोना और चांदी की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन कुछ देर बाद इनमें तेजी आ गई। कारोबार के शुरुआती 3 घंटों में सोने ने 700 रुपये से ज्यादा तक की बढ़त बना ली थी। वहीं चांदी भी 2800 से ज्यादा चढ़ गई। हालांकि बाद में कुछ गिरावट भी देखी गई।

गुरुवार दोपहर 12 बजे अगस्त डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम करीब 174 रुपये की तेजी के साथ 1,41,444 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी प्रति किलो 425 रुपये बढ़कर 2,13,500 रुपये पर थी। इससे पहले पिछले दो दिनों में सोना प्रति 10 ग्राम 6000 रुपये लुढ़क गया है। वहीं चांदी ने प्रति किलो 15 हजार रुपये से ज्यादा का गोता लगाया है। मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना है। इस कारण सर्राफा बाजार पर चौतरफा दबाव देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस साल तीन बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। सितंबर महीने में दरें बढ़ने की संभावना लगभग 67% तक आंकी जा रही है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स के रुख और इस सप्ताह आने वाले अमेरिकी जीडीपी व कोर पीसीई प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में अस्थिरता बनी रहेगी।

निवेशक मौजूदा स्तर पर सोने और चांदी में गिरावट का फायदा उठाकर भारी खरीदारी से बचें। गुरुवार को डॉलर इंडेक्स में मामूली गिरावट आई। इससे पहले इसमें जबरदस्त तेजी बनी हुई थी। बुधवार को इसमें लगातार तीसरे दिन तेजी रही, जिससे डॉलर इंडेक्स 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के मजबूत होने से अन्य विदेशी मुद्रा धारकों के लिए सोना खरीदना काफी महंगा हो जाता है।

सोने-चांदी में भूचाल: 8% तक गिरे ईटीएफ

गोल्ड-सिल्वर के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में गुरुवार को जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोने-चांदी के भाव में भूचाल के चलते ईटीएफ 8 प्रतिशत तक टूट गए। टाटा सिल्वर ईटीएफ सबसे ज्यादा करीब 8 प्रतिशत लुढ़ककर 20.01 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 21.66 रुपये था। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ ने 6 प्रतिशत की गिरावट झेली और करीब 38 अन्य सिल्वर ईटीएफ 5 प्रतिशत तक फिसल गए। वहीं बंधन सिल्वर ईटीएफ 4 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 214.01 रुपये के निचले स्तर पर बंद हुआ। गोल्ड ईटीएफ की बात करें तो 23 में से कोटक गोल्ड ईटीएफ और क्वांटम गोल्ड फंड 4-4 प्रतिशत टूटे, जबकि बाकी गोल्ड ईटीएफ में 1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस साल के अंत तक ब्याज दरें बढ़ाए जाने की बढ़ती उम्मीदों की वजह से हुई। अमेरिकी डॉलर लगातार तीसरे सत्र में चढ़कर 13 महीने के हाई पर पहुंच गया, जिससे अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना खरीदना महंगा हो गया।

स्विगी इंस्टामार्ट के मैनेजमेंट में हलचल, दो बड़े अधिकारियों ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली, एजेंसी। स्विगी के क्विक कॉमर्स वाले बिजनेस के मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव हुआ है। स्विगी

इंस्टामार्ट के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अंकित जैन और चीफ बिजनेस ऑफिसर हरि कुमार ने स्विगी के क्विक कॉमर्स डिवीजन से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने यह भी बताया कि कंपनी ने इनमें से एक पद के लिए पहले ही रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है और वह व्यक्ति आने वाले हफ्तों में यह जिम्मेदारी संभाल लेगा। बता दें कि अंकित जैन और हरि कुमार वॉलमार्ट की ई-कॉमर्स कंपनी फिलपकार्ट में कई साल बिताने के बाद स्विगी में शामिल हुए थे। स्विगी इंस्टामार्ट ने इस घटनाक्रम पर कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया।

टाटा संस की लिस्टिंग की चर्चा ने फिर पकड़ा जोर, फायदे की उम्मीद में चढ़ गया यह शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बड़ी नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए जारी नए नियमों ने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के शेयर बाजार में लिस्ट होने की संभावनाओं को एक बार फिर हवा दे दी है। इस खबर के बाद गुरुवार को टाटा केमिकल्स के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली और ये 4 प्रतिशत चढ़कर 770 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को सिस्टमिक रूप से महत्वपूर्ण यानी ऊपरी स्तर की वित्तीय कंपनियों की पहचान के लिए नए मानदंड तय किए। इन नियमों के अनुसार, जिन कंपनियों की कुल एसेट 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, उनके लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य है। आरबीआई ने उद्योग जगत से आए उस सुझाव को खारिज कर दिया, जिसमें इस सीमा को बढ़ाकर ढाई लाख करोड़ रुपये करने की मांग की गई थी। साथ ही, पहले की जटिल मल्टी कैटेगरी सिस्टम को सरल बनाकर अब केवल संपत्ति के आकार के

आधार पर यह तय किया जाएगा कि कौन सी कंपनी इस दायरे में आती है। रेगुलेटर ने यह भी स्पष्ट किया कि इस श्रेणी में आने वाली संस्थाओं की पहचान हर साल विशेष तौर पर की टाटा संस की लिस्टिंग से सबसे अधिक फायदा टाटा केमिकल्स और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन जैसी समूह की अन्य कंपनियों को हो सकता है। टाटा केमिकल्स के पास टाटा संस में 3 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जिसका अनुमानित मूल्य करीब 20 हजार करोड़ रुपये बैठता है। दिलचस्प बात यह है कि यह राशि टाटा केमिकल्स के वर्तमान बाजार पूंजीकरण के बराबर है। अगर टाटा संस लिस्ट होती है, तो यह टाटा केमिकल्स के शेयरधारकों के लिए एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम साबित हो सकता है टाटा संस की अनुमानित स्टैंडअलोन संपत्ति 1.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो आरबीआई द्वारा तय सीमा को आसानी से पार कर जाती है। देश की सबसे बड़ी कंपनी समूह की इस होल्डिंग कंपनी को सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना था, लेकिन टाटा संस ने आरबीआई से अपना लाइसेंस समाप्त करने का आवेदन किया है। अगर यह आवेदन मंजूर हो जाता है, तो लिस्टिंग की बाध्यता खत्म हो जाएगी। हालांकि, फिलहाल यह आवेदन लंबित है। पिछले साल जनवरी में आरबीआई ने ऊपरी स्तर की कंपनियों की जो सूची जारी की थी, उसमें यह कहा गया था कि टाटा संस का डी-रजिस्ट्रेशन अनुरोध विचाराधीन है।

229 का शेयर 91 रुपये में बेच रही सरकार, नवरत्न कंपनी आईआरएफसी को खरीदने के लिए क्या आप हैं तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे वित्त निगम के शेयर गुरुवार, 25 जून को सुर्खियों में रहेंगे, क्योंकि कंपनी का ऑफर फॉर सेल रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए आज बोली लगाने के लिए खुल रहा है। इस सेल ऑफर को लेकर बाजार में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बुधवार को नॉन-रिटेल इन्वेस्टर्स ने आईआरएफसी ओएफएस में जबरदस्त दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने अपने लिए रिजर्व शेयरों के मुकाबले 1.86 गुना अधिक बोलियां लगाईं। इस भारी मांग को देखते हुए भारत सरकार अब ग्रीन शू विकल्प का उपयोग कर रही है, यानी तय हिस्से से अतिरिक्त शेयर भी बेचे जाएंगे। शेयर के प्रदर्शन पर नजर डालें तो आईआरएफसी का भाव बुधवार को 6.8 फीसदी की गिरावट के साथ 91.93 रुपये पर बंद हुआ, जो ओएफएस के फ्लोर प्राइस के बेहद करीब है। यह शेयर इस साल अब तक 26.9 फीसदी लुढ़क चुका है और वर्ष 2024 में छुए गए अपने ऑल टाइम हाई 229 रुपये से करीब 60 फीसदी नीचे आ चुका है। खुदरा निवेशक अगर इस ओएफएस में हिस्सा लेना चाहते हैं तो उन्हें अपना ट्रेडिंग खाता खोलकर उसमें 'कॉरपोरेट एक्शन' या 'ओएफएस' वाले सेक्शन में जाना होगा। वहां जाकर सबसे पहले फ्लोर प्राइस, बोली की मात्रा, कीमत और अन्य जरूरी जानकारियों को ध्यानपूर्वक जांच लें। इसके बाद बोली लगाते समय हमेशा यह सुनिश्चित करें कि आपकी बोली की कीमत कट-ऑफ प्राइस से अधिक हो, अन्यथा आपकी बोली सीधे खारिज हो सकती है।

पिछले कुछ महीने महत्वपूर्ण

एयरलाइन को किराया कम करने को कह सकती है सरकार, लेकिन यह होना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें नरम होने लगी हैं। इसके साथ ही एक बार फिर से एयर फेयर में

कटौती के हालात बनने लगे हैं। सरकार का कहना है कि एक बार क्रूड की कीमतें स्टेबल हो जाए तो फिर वह एयरलाइनों से सर्ज चार्ज और अतिरिक्त किराए की समीक्षा करने के लिए कह सकती है। यह जानकारी केंद्र में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने दी है।

10,000 करोड़ का कोष

न्यूज एजेंसी हृद्व के मुताबिक गुरुवार को नायडू ने बताया कि इस समय केंद्र सरकार हर पखवाड़े एयर टरबाइन फ्यूल की कीमतों की समीक्षा करता है। यह वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों की गति पर आधारित होती है। इसके अलावा, इसने एयरलाइनों को संकट के समय समर्थन देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का मूल्य स्थिरीकरण कोष भी बनाया है। नायडू ने बताया कि केंद्र एटीएफ की कीमतों पर करीबी नजर रख रहा है और हाल की कीमतों में गिरावट स्थायी है या नहीं, यह आंकने के लिए एयरलाइनों से चर्चा कर रहा है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा 'दूसरे, अब जब हम कीमतें कम होते देख रहे हैं, हमें अभी यह देखना होगा कि यह दीर्घकालिक कमी है या अचानक हुई गिरावट, और हम इस पर एयरलाइनों से बात कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीने सिविल एविएशन सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। किराए से संबंधित किसी भी फैसले की निर्भरता ईंधन की कीमतों की स्थिरता पर होगी। उन्होंने कहा, 'पिछले 4 महीने एयरलाइंस के लिए काफी अहम रहे हैं। एक बार जब हम स्पष्ट हो जाते हैं कि कीमतों में स्थिरता लंबे समय तक बनी रहेगी, तो हम उनसे बात करेंगे और सर्ज चार्ज या अतिरिक्त कीमतों को कम करने की दिशा में काम करेंगे, जो हम अभी देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से उपजे भू-राजनीतिक संकट के बीच, सरकार ने घरेलू शिडूल्ड ऑपरेटरों के लिए एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी की कैपिंग कर दी गई है। साथ ही हवाई अड्डे के शुल्क को कम कर दिया है। साथ ही आपातकालीन क्रेडिट लिंकेज योजना के तहत समर्थन बढ़ा दिया गया है। जब उनसे यह जानने की कोशिश की गई कि हवाई किराया कब कम होगा, तब उन्होंने बताया कि सरकार निगरानी कर रही है। सरकार इस बारे में थोड़ा और देखना चाहेगी कि इस क्षेत्र में स्पष्टता या स्थिरता कैसे हो रही है। उन्होंने बताया 'एक बार जब हम देख लेते हैं कि यह लंबे समय तक बना रहेगा तो जाहिर है कि हम उनसे बात करने जा रहे हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड हुआ तो मिलेगा 25000 तक का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट फ्रॉड के शिकार होने वाले लोगों के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक बेहद राहत भरा फैसला लिया है। नए नियमों के तहत अगर कोई व्यक्ति पहली बार डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो उसे उसके नुकसान का 85% या 25000 रुपये (जो भी कम हो) मुआवजे के रूप में दिया जाएगा।

आरबीआई का यह नया सुरक्षा कवच उन मामलों में भी काम करेगा जहां ग्राहक ने गलती से अपना ओटीपी या पासवर्ड किसी जालसाज के साथ साझा कर दिया हो। यह संशोधित नियम जनवरी 2027 से लागू होने जा रहे हैं। पहले इसे जल्द लागू किया जाना था, लेकिन बैंकों की तकनीकी और प्रणालीगत तैयारियों को देखते हुए आरबीआई ने इसे 6 महीने के लिए आगे बढ़ा दिया है।

ग्राहकों की सुविधा के लिए आरबीआई ने धोखे से किए गए लेनदेन की परिभाषा को और कड़ा किया है। इससे पहले के ड्राफ्ट में जिन मामलों में ग्राहकों को डरा-धमकाकर या चालाकी से उनकी क्रेडेंशियल्स (पासवर्ड/ओटीपी) ली जाती थी, उन्हें अधिकृत लेनदेन मान लिया जाता था। लेकिन अब आरबीआई ने इस परिभाषा को सुधारकर ग्राहकों के पक्ष में कर दिया है। अगर आपने कोई सामान खरीदा जो खराब निकला या सेवा समय पर नहीं मिली, तो ऐसे विवाद इस मुआवजे के दायरे में नहीं आएंगे। बैंकों के पास अब घरेलू धोखाधड़ी की शिकायतों की जांच और समाधान के लिए 45 दिन का समय होगा। पहले ड्राफ्ट में यह सीमा 30 दिन थी। विदेशी लेनदेन से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए बैंकों को 60 दिन का समय मिलेगा।

आरबीआई ने बैंकों को मोहलत देने के साथ-साथ ग्राहकों के लिए एक बड़ा सुरक्षा तंत्र भी जोड़ा

है। क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के मामलों में, बैंकों के लिए 'शैडो रिवर्सल' तंत्र अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत, जैसे ही कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड से हुए फ्रॉड की सूचना बैंक को देगा, बैंक को शिकायत मिलने के 5 दिनों के भीतर विवादित राशि अस्थायी तौर पर ग्राहक के खाते में क्रेडिट करनी होगी।

विदेशी या क्रॉस-बॉर्डर फ्रॉड के मामलों में, जहां लाभार्थी बैंक (जिस खाते में पैसा गया) भारत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है, वहां रिकवरी मुश्किल होती है। इसे देखते हुए पुराने 'साझा दायित्व' के नियम को हटा दिया गया है। अब ऐसे मामलों में 65% मुआवजे का बोझ आरबीआई खुद उठाएगा, जबकि 20% बोझ भेजने वाले बैंक को उठाना होगा।

ग्राहकों के लिए अनिवार्य शर्तें

इस मुआवजे का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को भी इन नियमों का पालन करना होगा: दावेदारों को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराई गई शिकायत की कॉपी जमा करनी होगी। ग्राहकों को यह जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी कि अगर भविष्य में उनका दावा झूठा पाया जाता है, तो उन्हें मुआवजे की पूरी राशि वापस लौटानी होगी। इस मुआवजे के पात्र होने के लिए फ्रॉड की घटना के 5 दिनों के भीतर इसकी रिपोर्ट साइबर पोर्टल और बैंक दोनों जगह करनी होगी।

न कॉर्पोरेट की चकाचौंध रोक पाई न सैलरी, वापस लौट आई अपने गांव

नई दिल्ली, एजेंसी। खुशबू पाटिल मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले की रहने वाली हैं। आज उनकी पहचान एक सफल एग्रीप्रेन्योर के तौर पर बन गई है। उन्हें न कॉर्पोरेट की चकाचौंध रोक पाई न ही सैलरी। उन्होंने पुणे में जमी-जमाई नौकरी छोड़कर अपने गांव लौटने का फैसला किया। वहां खुशबू ने केले का बिजनेस शुरू किया। यह एक ऐसी फसल थी जिसे उन्होंने बचपन से ही अपने परिवार के खेतों में उगते देखा था। आइए, यहां खुशबू पाटिल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

खुशबू पाटिल के लिए बेंगलुरु में एक आरामदायक कॉर्पोरेट नौकरी, एमबीए की डिग्री और एक शानदार करियर का रास्ता आसान था। लेकिन, उन्होंने एक अलग रास्ता चुना। खुशबू ने रिलायंस रिटेल की अपनी नौकरी छोड़ दी। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में अपने गांव लौट आईं। आज, खुशबू के केले के चिप्स के बिजनेस को कई राज्यों से ऑर्डर मिलने लगे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा हो रहा है।

एक ऐसा मॉडल तैयार होने लगा है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि किसान अपनी फसल से ज्यादा कमाई कर सकेंगे। 5 फरवरी 2000 को बुरहानपुर जिले के बोरसार गांव में जन्मीं खुशबू एक किसान परिवार से आती हैं। उनके पिता युवराज पाटिल किसान हैं। इस तरह बचपन से ही खेती-बाड़ी हमेशा उनके आसपास रही। हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की है। वह शतरंज की अच्छी खिलाड़ी भी थीं। लगभग पांच सालों तक उन्होंने जिला और डिवीजन स्तर पर मुकाबले खेले। हमेशा टॉप तीन में जगह बनाई। इसके बाद वे राज्य-स्तरीय टूर्नामेंट में पहुंचीं। एनटीटीवी से बात करते हुए खुशबू ने कहा था कि शतरंज ने उन्हें धैर्य, अनुशासन और रणनीतिक सोच विकसित करने में मदद की। ये ऐसे गुण हैं जो बिजनेस और जिंदगी में उनका मार्गदर्शन करते रहते हैं। 2017-18 में 12वीं कक्षा पास करने के तुरंत बाद परिवार पर एक मुसीबत आ पड़ी। एक जबरदस्त तूफान ने उनके केले के बागानों को बर्बाद कर दिया। इससे लगभग 70 लाख रुपये का नुकसान हुआ। परिवार पहले से ही कर्ज से जूझ रहा था। इस आर्थिक झटके ने हालात और खराब कर दिए। ऐसे में खुशबू को किसी बड़े संस्थान में पढ़ने का अपना इरादा छोड़ना पड़ा। इसके बजाय उन्होंने बुरहानपुर के ही एक स्थानीय कॉलेज में दाखिला लिया।

जुलाई में आने वाली है 45000 करोड़ के आईपीओ की बाढ़, एसबीआई और जेपीटो समेत समेत ये बड़ी कंपनियां मचाएंगी धमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का प्राइमरी मार्केट जुलाई में फिर से रफ्तार पकड़ने के लिए तैयार है। पिछले कुछ महीनों की सुस्ती के बाद अब कई कंपनियां अपने लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। अगले महीने एक दर्जन से ज्यादा कंपनियां बाजार से करीब 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं।

इन्वेस्टमेंट बैंकर्स का कहना है कि अलग-अलग सेक्टर की कंपनियां अपनी लिस्टिंग की तैयारी तेज कर रही हैं, क्योंकि बाजार के हालात अब उनके पक्ष में हैं। सेंसेक्स निफ्टी में उतार-चढ़ाव के बाद अब मजबूती दिख रही है।

किसका होगा सबसे बड़ा आईपीओ

सबसे बड़ा आईपीओ फंड्स मैनेजमेंट का हो सकता है, जो 12,000 से 13,000 करोड़ रुपये के बीच होगा। इसके बाद मनिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का करीब 11,000 करोड़ रुपये और 8,000 करोड़ रुपये का आने की उम्मीद है। इन तीनों को मिलाकर ही करीब 32,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। जुलाई के पाइपलाइन में गजा कैपिटल, नैक पैकेजिंग, इनोवेटिव व्यू जैसी कंपनियां भी शामिल हैं।

निवेशकों का बढ़ रहा भरोसा

फाइनेंशियल की एमडी और सीईओ (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) सोनिया दासगुप्ता ने बताया कि आने वाले समय में बाजार में लिस्टिंग की गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है। इसका कारण दुनिया भर में जारी अनिश्चितताओं का धीरे-धीरे कम होना और भारतीय निवेशकों का बाजार पर भरोसा बने रहना है।

173 कंपनियों को मिली मंजूरी

19 जून तक करीब 173 कंपनियों को सेबी से 2.7 लाख करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, 64 और कंपनियां सेबी की हरी झंडी का इंतजार कर रही हैं।

इस साल क्यों रही सुस्ती

साल 2025 की दूसरी छमाही (जुलाई-दिसंबर) में जबरदस्त तेजी देखी गई थी, लेकिन इस साल की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई। इसकी मुख्य वजह खाड़ी युद्ध जैसे वैश्विक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कम निवेश रही। इस साल अप्रैल तक 18 आए थे, लेकिन मई में एक भी कंपनी बाजार में नहीं उतरी। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से वैश्विक अनिश्चितता घटेगी। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

निवेशकों को क्या पसंद

सोनिया दासगुप्ता का कहना है कि निवेशक उन्हीं कंपनियों को पसंद कर रहे हैं जिनकी बुनियाद मजबूत है। जहां ग्रोथ की उम्मीद है। जिनका बिजनेस मॉडल लंबे समय तक टिकने वाला है। रिटेल निवेशकों की भागीदारी बाजार में काफी बढ़ रही है। इनमें हस्थ का 30,000 करोड़ रुपये और जियो प्लेटफॉर्म्स का बड़ा भी शामिल है।

हम भारत के लिए पूरी तरह तैयार हैं... दिल्ली आते ही ईरानी तेल मंत्री ने जता दिए इरादे, बड़ी ट्रेड डील के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच ऊर्जा सहयोग से जुड़ी बैठकों में हिस्सा लेने ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकनेजाद नई दिल्ली पहुंचे हैं। बुधवार को भारत आगमन पर पाकनेजाद ने स्पष्ट किया कि ईरान भारत के साथ आर्थिक क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरानी तेल मंत्री ने कहा, 'ईरान और भारत के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। इस समय मैं यहां ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने आया हूं। इस सम्मेलन के दौरान और द्विपक्षीय वार्ताओं में जो भी चर्चा होगी, उस पर हमारी नजर रहेगी। हम भारत के साथ आर्थिक क्षेत्रों, विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र में हर संभव सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं।'

60 दिनों की छूट पर बड़ा बयान: अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के सवाल पर मोहसिन पाकनेजाद ने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रतिबंधों का सवाल है, जैसा कि आप जानते हैं, हमें फिलहाल 60 दिनों की छूट मिली हुई है। हम इस संबंध में अमेरिकियों के साथ हुए समझौते के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठकों के समापन के बाद ही वह इस विषय पर आगे कोई विस्तृत टिप्पणी कर पाएंगे।

द्विपक्षीय वार्ता के मुख्य एजेंडे: अपनी इस यात्रा के दौरान ईरानी पेट्रोलियम मंत्री भारतीय अधिकारियों और देश के ऊर्जा क्षेत्र के शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। इस रणनीतिक दौरे के मुख्य एजेंडे में ये मुद्दे शामिल हैं: तेल और गैस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करना। दोनों देशों के बीच नए निवेश के अवसरों की तलाश। वैश्विक ऊर्जा बाजार के मौजूदा हालातों और भविष्य के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान।

होर्मुज खुलने से वहां से तेल के टैंकर आसानी से निकलने लगे हैं। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में गुरुवार को भी गिरावट आई। गुरुवार सुबह 9 बजे स्टेंडर्ड ब्रेंट क्रूड ऑयल 1.79 फीसदी या 1.32 डॉलर प्रति बैरल घट कर 72.42 डॉलर पर ट्रेड हो रहा था।

नेगेटिव कमेंट्स का असर खुद पर नहीं पड़ने देता

अभिनेता अनुपम खेर ने सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में एक प्रेरक संदेश शेयर किया है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अनुपम खेर बताया कि अब वे नेगेटिव कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं, बल्कि मुश्किलों को पार करने के सफर में मिलती है। अपनी कई तस्वीरें शेयर करते हुए 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर ने लिखा, 'मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है। रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें बेहतर महसूस होता है।'

अभिनेता ने आलोचना को लेकर कहा, 'अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें। आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता। मैं बस एक और पहाड़, एक और सीढ़ी, एक और चुनौती की तलाश में रहता हूं। आखिर, असली खुशी कभी भी सबसे ऊपर खड़े होने में नहीं थी। खुशी तो हमेशा ऊपर चढ़ने में रही है। है ना!

इस पोस्ट के साथ कई तस्वीरें भी साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेता खेर सीढ़ी पर बैठकर अलग-अलग पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह उनके उस संदेश को दिखाता है जिसमें वे लगातार कोशिश करने, आगे बढ़ने और नई चुनौतियों को अपनाने की खुशी की बात करते हैं।

इसके पहले अनुपम खेर ने 'आई एम एन इंडियन' नाम से एक दमदार और भावुक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में खेर ने भारतीयों से जुड़ी कई आम धारणाओं और रूढ़ियों पर बात की, चाहे वे देश में हों या विदेश में। प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो अनुपम खेर आखिरी बार फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में नज़र आए थे, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने की 'ऑब्सेशन' की तारीफ

हॉलीवुड में अवसरों की दीवारें टूट रही हैं

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने निर्माता बनने और अमेरिका में अपने करियर को आगे बढ़ाने की इच्छा पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि अब हॉलीवुड में नए कलाकारों और फिल्म निर्माताओं के लिए प्रवेश की बाधाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। प्रियंका ने कम बजट की सफल हॉरर फिल्म ऑब्सेशन का उदाहरण देते हुए कहा कि आज के दौर में प्रतिभाशाली लोगों के लिए अवसरों के नए दरवाजे खुल रहे हैं। बुधवार को आयोजित कैंस लायंस सम्मेलन में शामिल हुईं प्रियंका ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आपके पास कोई अच्छा विचार है तो आप उसे शूट कर सकते हैं, यूट्यूब पर डाल सकते हैं और वह 'ऑब्सेशन' जैसी फिल्म बन सकती है, जो हाल ही में रिलीज हुई है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए यह बेहद शानदार समय है, क्योंकि आज के दौर में विचार ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।' प्रियंका ने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब हालात इतने आसान नहीं थे। पिछले एक दशक से हॉलीवुड में अपना करियर बना रहीं अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उनका फिल्मी दुनिया से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता डॉक्टर थे, इसलिए हममें से किसी को भी यह नहीं पता था कि फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आगे बढ़ना है। जब मैंने शुरुआत की थी, तब यह बहुत सीमित और खास लोगों तक पहुंच वाला क्षेत्र था। अगर आपको फिल्म निर्माण में आना होता था तो पहले यह तय करना पड़ता था कि आप किस विभाग में काम करना चाहते हैं।'

प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें बताया गया था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना वैश्विक नहीं बन पाएगा, क्योंकि भारतीय फिल्में अंग्रेजी भाषा में नहीं होतीं। उन्होंने कहा, 'मुझे बताया जाता था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना वैश्विक नहीं होगा, क्योंकि हमारी फिल्में अंग्रेजी में नहीं बनतीं और हर कोई हिंदी, तेलुगु, मराठी या अन्य भारतीय भाषाओं को नहीं समझता।'

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस इसलिए शुरू किया ताकि नए फिल्मकारों और उन रचनात्मक लोगों को मंच मिल सके, जिनके पास बेहतरीन विचार तो हैं, लेकिन उद्योग के दरवाजे खोलने के लिए जरूरी संसाधन या संपर्क नहीं हैं। प्रियंका ने कहा, 'मैं ऐसे नए फिल्मकारों का समर्थन करना चाहती हूं जिनके पास शानदार विचार हैं, लेकिन उनके पास उन अवसरों तक पहुंच नहीं है, जिन तक मैं उन्हें पहुंचाने में मदद कर सकती हूं।' हाल ही में स्ट्रीमिंग हिट्स सिटाडेल और हेड्स ऑफ स्टेट का हिस्सा रहीं प्रियंका ने अपने अंग्रेजी भाषा के करियर को लेकर भी खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, 'हिंदी सिनेमा में मैंने सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम किया है। मैंने कई शानदार कहानियां और अलग-अलग शैलियों की फिल्में की हैं। लेकिन अमेरिका और हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मुझे अभी वैसी विविधता और अवसर उतने नहीं मिले हैं।'

प्रियंका का मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और कोविड-19 महामारी के दौरान बदली दर्शकों की आदतों ने दुनिया भर की सामग्री को नए दर्शक दिए हैं। उनके अनुसार, अब लोग विभिन्न देशों और भाषाओं की कहानियों को पहले से कहीं ज्यादा अपनाने लगे हैं, जिससे वैश्विक मनोरंजन उद्योग में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।

रीमेक्स ने फ्रेश कहानियों की जगह कम की

शाहिद कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनके पास सिर्फ दो बड़े प्रोजेक्ट्स 'कॉकटेल 2' और 'फर्जी सीजन 2' हैं। हाल ही में जब उनसे एक मीडिया इंट्रैक्शन में उनकी 9 आगामी फिल्मों की सूची के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा... 'अगर किसी को जानना है कि मैं आगे क्या कर रहा हूं, तो सीधे मुझे फोन कर लेना चाहिए। फिलहाल 'फर्जी 2' की करीब 60 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और सितंबर तक इसका काम खत्म होने की उम्मीद है। बातचीत में शाहिद ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा स्थिति पर भी खुलकर राय रखी। उन्होंने माना कि हिंदी सिनेमा फिलहाल चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। लगातार रीमेक और फ्रेंचाइज फिल्मों पर ज्यादा जोर देने से नए राइटर्स और नई कहानियों के लिए जगह कम हो गई है।

बहन अंशुला की शादी को लेकर उत्साहित हैं अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी छोटी बहन अंशुला कपूर की शादी को लेकर काफी उत्साहित हैं। अंशुला जल्द ही अपने मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ विवाह बंधन में बंधने वाली हैं और कपूर परिवार में शादी की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। अर्जुन कपूर ने मंगलवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सगाई समारोह की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इसके साथ उन्होंने अपनी बहन के लिए एक भावुक संदेश भी लिखा। अर्जुन ने लिखा, 'अंश, अभी तो बस शुरुआत हुई है। एक शाम ही बीती है और मुझे पहले से ही लग रहा है कि यह समय बहुत तेजी से निकल जाएगा। तुम दोनों के लिए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। अब शादी के जश्न का इंतजार नहीं हो रहा है।' फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर की शादी से जुड़े कार्यक्रमों की शुरुआत हाल ही में 'माता की चौकी' के आयोजन के साथ हुई। इस मौके पर अंशुला की चाची और अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। महीप कपूर ने पोस्ट के साथ लिखा, 'शादी की शुरुआत... जय माता दी।'

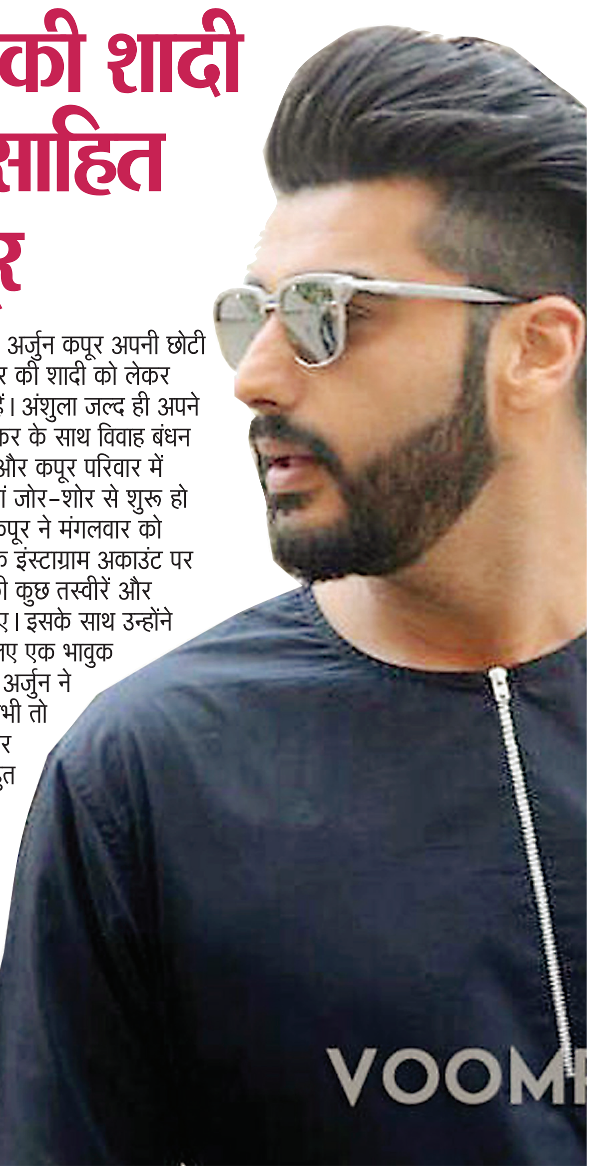

कुब्रा सैत ने एडीएचडी के साथ अपने अनुभव पर की बात

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोडायवर्सिटी पर अहम चर्चा छेड़ते हुए एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) के साथ अपने अनुभव को बेहद ईमानदारी और सहज अंदाज़ में साझा किया है। अपने खास हास्य और बेबाकी के साथ उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें अक्सर 'ड्रामेबाज़' और 'बेपरवाह' कहा जाता था, क्योंकि उनका मन हमेशा कल्पनाओं की दुनिया में खोया रहता था। वीडियो में कुब्रा कहती हैं, 'बचपन में मुझे तीन बातें बार-बार सुनने को मिलती थीं, 'कुब्रा, तुम बहुत ड्रामेबाज़ हो', 'तुम्हारा ध्यान कहीं और रहता है', 'ज़रा ध्यान दो।' जब बाकी बच्चे मैथ्स की क्लास में सवाल हल कर रहे होते थे, तब मैं अपने दिमाग में मर्डर मिस्ट्री की कहानी बुन रही होती थी, फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने पर स्पीच की रिहर्सल कर रही होती थी, अपने भविष्य के पति और मां के बीच बहस की कल्पना कर रही होती थी और लंच से पहले ही तीन आवारा बिल्लियों को बचा चुकी होती थी।'

वह आगे बताती हैं कि बड़े होने पर उन्हें पता चला कि उन्हें एडीएचडी है और तभी उन्हें ज़िंदगी की कई बातें समझ आने लगीं। वे कहती हैं, 'अधूरे रह जाने वाले प्रोजेक्ट्स, किसी एक काम में घंटों तक पूरी तरह डूब जाना, ब्राउज़र में 57 टैब खुले रखना, कमरे में क्यों आई थी यह भूल जाना, लेकिन 2009 में किसी ने क्या पहना था, किसने तारीफ की थी या किसने क्या कहा था, यह सब याद रहते थे।

मज़ेदार बात यह है कि यही दिमाग कभी अपनी चाबियां खो देता है, लेकिन नई दुनिया रच सकता है, कहानियां लिख सकता है, बिज़नेस शुरू कर सकता है, कॉमेडी लिख सकता है और कभी-कभी रात के दो बजे ऑनलाइन शॉपिंग भी कर लेता है, क्योंकि उस समय वह चीज़ उसे आध्यात्मिक रूप से ज़रूरी लगती है।' एडीएचडी को चुनौती और ताकत दोनों बताते हुए कुब्रा कहती हैं, 'सच कहूँ तो यह थका देने वाला है, अराजक है, महंगा भी पड़ सकता है, लेकिन यह एक सुपरपावर भी है।' वीडियो के अंत में अपने चिर-परिचित मज़ाकिया अंदाज़ में वह कहती हैं, 'मैंने तो सिर्फ एक मैसेज का जवाब देने के लिए फोन उठाया था, लेकिन पता ही नहीं चला कि कब यह पूरी रील बना डाली। लेकिन कंटेंट तो अच्छा बन गया!' अपनी इस ईमानदार और प्रेरणादायक बातचीत के ज़रिए कुब्रा सैत ने न्यूरोडायवर्सिटी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश एक बार फिर दिया है। उन्होंने बताया कि एडीएचडी अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से समझा और अपनाया जाए, तो यही व्यक्ति की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और दृढ़ता की सबसे बड़ी ताकत भी बन सकता है।

वेदांग रैना की नई फिल्म में नाओमिका सरन के साथ प्रगति श्रीवास्तव भी निभाएंगी अहम रोल

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

सूत्र ने बताया कि फिल्म की ज्यादातर शूटिंग पूरी हो चुकी है। केवल कुछ दिनों का काम बाकी है। इसके बाद निर्माण कार्य और अन्य तैयारियां पूरी की जाएंगी। माना जा रहा है कि फिल्म को साल 2026 के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है। प्रगति श्रीवास्तव की बात करें तो इससे पहले उन्होंने साउथ फिल्मों में काम किया है और धीरे-धीरे हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बना रही हैं। वह पहले प्रकाश झा की 'जनादेश' और आनंद एल राय की 'नखरेवाली' में काम कर चुकी हैं। अब इस नई फिल्म के जरिए वह बड़े स्तर पर दर्शकों के सामने आएंगी।

दूसरी ओर, नाओमिका सरन भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वह हिंदी फिल्म जगत के बेहद चर्चित परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाओमिका, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले राजेश खन्ना और मशहूर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं। उनकी मां रिंकी खन्ना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में नाओमिका की फिल्मी शुरुआत को लेकर पहले से ही काफी चर्चा बनी हुई है। वहीं वेदांग रैना भी अपने करियर के महत्वपूर्ण दौर में हैं। उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं वारस आऊंगा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ, नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे।

मैक्सिको ने रचा इतिहास

● पहली बार वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज में किया क्लीन स्वीप ● 22 साल के चावेज से 40 वर्षीय ओचोआ तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 साल के माटेओ शावेज के पहले वर्ल्ड कप गोल से लेकर 40 वर्षीय गुइलेर्मो ओचोआ के ऐतिहासिक छठे वर्ल्ड कप तक, मैक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया। मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हरा पहली बार टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में अपने तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया।

मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट में पहले ही अपनी जगह पक्की कर चुका था। अब उसने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए शान से अगले दौर में कदम रखा। चेक गणराज्य केवल एक अंक ही हासिल कर पाया और वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गया।

पहले 2 जीत और एक ड्रॉ था सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ग्रुप स्टेज में मैक्सिको का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1986 और 2002 में रहा था, जब टीम ने 2 जीत और एक ड्रॉ हासिल किया था। दोनों विश्व कप में जैवियर एगुइरे शामिल थे। पहली बार खिलाड़ी के तौर पर और दूसरी बार मैक्सिको के कोच के रूप में। एगुइरे इस साल फिर टीम के कोच हैं और यह उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीसरा कार्यकाल है।

मैक्सिको ने 6 मिनट के भीतर दागे 2 गोल

माटेओ शावेज और जूलियन क्विनोनेस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में 6 मिनट के अंतराल में गोल किये। अपना पहला विश्व कप खेल रहे शावेज ने 55वें मिनट में गोल किया। क्विनोनेस ने 61वें मिनट में गोल दागा। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल है। अल्वारो फिडाल्गो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मैक्सिको के खाते में एक गोल और जोड़ा।

11 मैच से अपराजित है मैक्सिको

भारतीय समयानुसार गुरुवार यानी 25 जून 2026 की सुबह यह स्टेडियम 80824 दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। एल ट्राइ (मैक्सिको की टीम का उपनाम) को एज्टेका स्टेडियम में केवल दो बार हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें से उसे आखिरी हार छह सितंबर 2013 को होंडुरास के खिलाफ विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में मिली थी। पिछले नवंबर में पनामा के खिलाफ मैत्री मैच में मिली हार के बाद से मैक्सिको 11 मैचों में अपराजित रहा है।

समलैंगिक विरोधी नारों ने लगाया जीत पर दाग– मैक्सिको की जीत पर हालांकि प्रशंसकों द्वारा समलैंगिक विरोधी नारे लगाने से दाग लग गया। इस कारण पहले भी उसके फुटबॉल महासंघ पर जुर्माना और अन्य प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं।

अतीत और भविष्य दोनों की झलक

इस मैच में मैक्सिको के अतीत और भविष्य दोनों की झलक देखने को मिली। गिलबर्टो मोरा 17 साल की उम्र में विश्व कप में शुरुआती लाइनअप में जगह बनाने वाले मैक्सिको के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। दूसरी तरफ 40 वर्षीय गोलकीपर गुइलेर्मो 'मेमो' ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए। ग्रुप ए का विजेता बन चुका मैक्सिको मंगलवार 30 जून को एज्टेका स्टेडियम में राउंड ऑफ–32 के मैच में एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलेगा जिसका अब तक निर्धारण नहीं हुआ है। मैक्सिको ने इस विशाल स्टेडियम में खेले गए नौ विश्व कप मुकाबलों में से एक भी मैच नहीं हारा है।

ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से रौंदा, नॉकआउट स्टेज में बनाई जगह

मियामी। ब्राजील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3–0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने दो गोल दागे, जबकि मैथियस कुन्हा ने एक गोल किया। इस मुकाबले में नेमार की लंबे समय बाद ब्राजील की टीम में वापसी हुई। ब्राजील ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और स्कॉटलैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के छठे मिनट में ही ब्राजील ने 1–0 की बढ़त हासिल की। स्कॉटलैंड के डिफेंस

से हुई गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल दागा। विनीसियस ने यह टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल दागा और वह इस गोल के साथ ही गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे और एरलिंग हालैंड की बराबरी कर ली है। पहले गोल के बाद भी ब्राजील का दबदबा जारी रहा। विनीसियस ने एक और गोल किया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की जांच के बाद उसे फाउल करार देते हुए रद्द कर दिया गया। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस ने हाथ आए मौके को भुनाया और ब्राजील को मैच में 2–0 से आगे कर दिया। ब्रूनो गिमाराइश के बेहतरीन क्रॉस पर विनीसियस ने शानदार हेडर मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया।

इंडिया ए का श्रीलंका दौरा

गॉल में गरजे साई सुदर्शन, ठोका शतक

● देवदत्त पडीक्कल ने किया निराश

नई दिल्ली। इंडिया ए के ओपनर बल्लेबाज साई सुदर्शन का जबरा फॉर्म जारी है और आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने श्रीलंका की धरती पर भी धूम मचा दी।

साई ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए श्रीलंका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार शतक लगाया और टीम को बेहद मजबूत शुरुआत देने का काम किया। टी20 प्रारूप से सीधे लिस्ट ए में खेलने के बाद साई ने जिस तरह के बैटिंग की उससे साफ होता है कि वो कितने मैच्योर हैं और खेल को कितना समझते हैं।

गॉल में गरजा साई सुदर्शन का बल्ला– श्रीलंका के खिलाफ साई ने पहली पारी में अपना अर्धशतक पहले 69 गेंदों पर पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक इस मैच में 130 गेंदों पर लगाया। इस

दौरान साई के बल्ले से 14चौके निकले साथ ही खबर लिखे जाने तक वो पहली पारी में अपना शतक (100 रन) पूरा करके क्रीज पर टिके हुए थे। ये साई सुदर्शन के लिस्ट ए क्रिकेट करियर का 7वां शतक भी रहा। साई ने अपना 7वां शतक 31वें मैच में पूरा किया। वहीं इस मैच में तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए देवदत्त पडीक्कल का बल्ला नहीं चला और वो 7 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए।

साई सुदर्शन का लिस्ट ए करियर– श्रीलंका के खिलाफ इस मैच से पहले तक अगर साई सुदर्शन के लिस्ट ए क्रिकेट करियर की बात करें तो वो काफी शानदार रहा है। उन्होंने 30 मैचों की 29 पारियों में 6 शतक और 7 अर्धशतक की मदद से 1495 रन बनाए हैं। साई ने लिस्ट ए क्रिकेट में इन मैचों में 59.80 की औसत से रन बनाए हैं जो शानदार रहा। लिस्ट ए क्रिकेट में साई का बेस्ट स्कोर 154 रन रहा है और इन मैचों में उन्होंने 1561 गेंदों का सामना किया है।

कोच शेली निट्स्के ने जताई उम्मीद

भारत के खिलाफ खेल सकती हैं फोएबे लिचफील्ड

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कोच शेली निट्स्के ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में फोएबे लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद जताई है। लिचफील्ड इंजरी की वजह से महिला टी20 विश्व कप 2026 में पिछले तीन मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं रही हैं। लिचफील्ड अगर पूरी तरह से फिट होकर वापसी करती हैं, तो पेरी को दोबारा से नंबर चार की बैटिंग पोजीशन पर लौटना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ नंबर तीन पर खेलते हुए पेरी ने 48 गेंदों में 71 रनों की दमदार पारी खेली थी। लिचफील्ड की उपलब्धता पर आखिरी फैसला रविवार को भारत के

खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को लॉर्ड्स में और शनिवार को वर्म्सली में ट्रेनिंग करेगा। लिचफील्ड की वापसी पर लूसी हैमिल्टन को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। वहीं, हेड कोच निट्स्के ने यह भी कन्फर्म किया कि ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस को लॉर्ड्स में उनके अनुभव को देखते हुए वापस बुलाया जा सकता है। निट्स्के ने कहा, 'वह लंदन स्पिरिट के साथ लॉर्ड्स में काफी खेल चुकी हैं, इसलिए वह निश्चित रूप से प्लेइंग इलेवन में भी अपनी जगह बना सकती हैं। वह वास्तव में अनलकी रही हैं, इसलिए हमारे पास निश्चित रूप से कुछ विकल्प मौजूद हैं।'

लिचफील्ड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 24 गेंदों में 50 रन की मैच जिताने वाली पारी के दौरान क्वाड में गंभीर चोट लगने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पिछले तीन ग्रुप मैच नहीं खेल पाई हैं। बुधवार को क्रिकेट.डॉट.कॉम.एयू से बात करते हुए निट्स्के ने कन्फर्म किया कि उन्हें उम्मीद है कि लिचफील्ड भारत के खिलाफ सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होंगी।

निट्स्के ने कहा, 'मुझे लगता है कि लिचफील्ड बहुत अच्छा खेल रही हैं और उम्मीद है कि भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगी।' लिचफील्ड की गैरमौजूदगी में नंबर 3 पर एलिसा पेरी बल्लेबाजी कर

एमपीएल से राज्य के खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट का रास्ता निकलता है: आवेश

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच रही है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज इस लीग में चंबल घड़ियाल टीम का हिस्सा हैं, जिसका प्रदर्शन सीजन में अच्छा रहा है और टीम टेबल टॉपर है। आवेश खान ने कहा है कि क्रिकेट में सफलता सिर्फ प्रतिभा से तय नहीं होती।

आईएएनएस से खास बातचीत में आवेश खान ने कहा है कि खिलाड़ियों के बीच सबसे बड़ा फर्क उनकी लगातार बेहतर होने की क्षमता है। प्रतिभा हर किसी में होती है, लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर हर बार आप खुद को कैसे बेहतर करते हैं, ये ज्यादा अहम है। प्रतिभा सिर्फ कुछ समय के लिए रहती है। सफलता खेल के हर पहलू पर लगातार काम करने से मिलती है। आपको फिटनेस, गेंदबाजी, बल्लेबाजी, मानसिकता, स्किल्स पर लगातार काम करना होगा। आवेश ने कहा, 'मैं यह संदेश अपने आस–पास के युवा क्रिकेटरों के साथ नियमित रूप से साझा करता हूं। खासकर, मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) जैसे टूर्नामेंट में, जहां कई उभरते हुए खिलाड़ी आईपीएल स्काउट्स और राज्य के चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने की उम्मीद कर रहे होते हैं। अपनी टीम के सदस्यों को मैं यह भी बताता हूं कि प्रतिभा हर किसी में होती है, लेकिन आप इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं और गलतियों से कैसे सीखते हैं, यह बहुत जरूरी है।'

भारतीय एथलेटिक्स की नई सनसनी अनुष्का यादव

● इंजरी से लौटकर हैमर थ्रो में कमाल, बनीं सबसे युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स को एक नया सितारा मिल गया है। महज 18 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की रहने वालीं अनुष्का यादव ने हैमर थ्रो में इतिहास रचते हुए सीनियर महिला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इंजरी से शानदार वापसी के बाद अनुष्का यादव ने अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में 67.02 मीटर का जबरदस्त थ्रो कर न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि एशियन गेम्स के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ अनुष्का भारत की सबसे युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर बन गई हैं। वह अब जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाली एथलीट बन गई हैं। अनुष्का ने 2017 में सरिता सिंह के बनाए 65.25 मीटर के नौ साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा।

'हैमर थ्रो को भी मिले जैवलिन जैसी पहचान'– रिकॉर्ड बनाने वाली अनुष्का की सबसे बड़ी इच्छा सिर्फ पदक जीतना नहीं, बल्कि भारत में हैमर थ्रो को लोकप्रिय बनाना है। उनका मानना है कि देश में जैवलिन थ्रो को जिस तरह पहचान मिली है, वैसी ही पहचान हैमर थ्रो को भी मिलनी चाहिए। अनुष्का यादव ने कहा, ''भारत में बहुत कम लोग हैमर थ्रो के बारे में जानते हैं, लेकिन हर कोई जैवलिन थ्रो जानता है। मैं चाहती हूं कि लोग हैमर थ्रो को भी उसी तरह पहचानें।'' भारत में जैवलिन की लोकप्रियता के पीछे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा की बड़ी भूमिका रही है। अब अनुष्का यादव चाहती हैं कि हैमर थ्रो को भी देश में नई पहचान मिले।

एशियन गेम्स में गोल्ड और 70 मीटर का लक्ष्य– अनुष्का यादव अपने लक्ष्य को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं। उन्होंने साफ कहा कि वह आगामी एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हैं। साथ ही उनका सपना जल्द से जल्द 70 मीटर के आंकड़े को पार करना है। अनुष्का यादव ने कहा, ''मैं एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना चाहती हूं और उम्मीद है कि जल्द ही 70 मीटर का आंकड़ा पार करूंगी।''

चोट ने रोकी थी रफ्तार, लेकिन नहीं टूटा हौसला

अनुष्का यादव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि कुछ महीने पहले तक उनका सीजन मुश्किल में नजर आ रहा था। मार्च में अपने गांव में खेत पर ट्रैक्टर चलाने के दौरान उनके घुटने में लिगामेंट इंजरी हो गई थी। अनुष्का यादव ने बताया कि वह पिता और भाई के साथ खेत में काम कर रही थीं, तभी चोटिल हो गईं। हालांकि, रिकवरी उम्मीद से जल्दी हुई, लेकिन चोट के कारण उनका सीजन देर से शुरू हुआ। इसके बावजूद उन्होंने वापसी करते हुए पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 4 मीटर से ज्यादा का सुधार किया। अनुष्का यादव का पिछला सर्वश्रेष्ठ 62.89 मीटर था, जो उन्होंने पिछले साल नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतते समय हासिल किया था।

अब भारत को अनुष्का से बड़ी उम्मीदें

भारत में हैमर थ्रो का इतिहास बहुत लंबा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस इवेंट को अभी वह पहचान नहीं मिली है जो जैवलिन को मिली है। एशियन गेम्स में महिला वर्ग में भारत की एकमात्र पदक विजेता मंजू बाला रही हैं। मंजू बाला ने 2014 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। अब अनुष्का यादव उस पदक का रंग बदलने की कोशिश में हैं।

चीन को उसके घर में मात देने वाली भारतीय बेटियों को आनंद महिंद्रा का सलाम

'हमें ऐसी उपलब्धियां और चाहिए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बेटियों ने रविवार 21 जून को हॉकी की फील्ड पर इतिहास रचा था और एफआईएच नेशंस कप जीता था। उसके बाद ट्रैक एंड फील्ड 4×100 मीटर रिले में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचा। श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने भारत को एशियन रिले चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। भारतीय महिला रिले टीम की इस जीत के बाद विख्यात उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी टीम की जमकर तारीफ की।

आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स हैंडल पर महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया। उन्होंने टीम की सराहना करते हुए खास मैसेज लिखा और यह भी बताया कि वह बार-बार इस वीडियो को लूप पर देख रहे हैं। उनके मुताबिक चीन को चीन में हराकर गोल्ड जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारत ने एशियाई रिले चैंपियनशिप में इस चैंपियनशिप में 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए।

क्या बोले आनंद महिंद्रा

आनंद महिंद्रा ने भारतीय महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा,'एशियन रिले चैंपियनशिप में चीन के खिलाफ जीतन में जीत दर्ज करना बेहतरीन उपलब्धि।

4-100 मीटर रिले में श्रावणी, सुदेष्णा, स्नेहा और तमन्ना ने अपने टीम वर्क से पॉवर, स्पीड, ग्रेस और कमिटमेंट को दिखाया। मैं इस क्लिप (टीम की जीत के वीडियो) को बार-बार लूप में देख रहा हूं। हमें ऐसी और उपलब्धियां चाहिए हैं।'

भारतीय रिले टीम का सीजन बेस्ट प्रदर्शन– भारतीय रिले टीम ने इस चैंपियनशिप के फाइनल में 43.85 सेकंड का सीजन–बेस्ट टाइम निकाला। भारतीय टीम इस प्रदर्शन के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद दूसरे स्थान पर रही चीन की टीम जिसने 44.09 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता।

भारत के नाम एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज

मिक्स्ड 4म100 मीटर रिले में भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला। तमन्ना और स्नेहा ने अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव के साथ इस इवेंट में ब्रॉन्ज जीता था। इसके बाद मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक ने भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। इस चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ देश के नाम रजत पदक किया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के महरौली में पुरानी इमारत की दीवार भरभराकर गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के महरौली इलाके में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. यहां एक पुरानी तीन मंजिला इमारत को गिराने के दौरान अचानक उसकी दीवार भरभराकर गिर गई. दीवार के साथ भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है. दिल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार, महरौली इलाके में आज सुबह करीब आठ बजे एक पुरानी तीन मंजिला इमारत को तोड़ने का काम चल रहा था. इमारत काफी जर्जर हो चुकी थी. इमारत के बड़े हिस्से को पहले ही तोड़ा जा चुका था, जबकि बचा हुआ हिस्सा जेसीबी मशीन की मदद से हटाया जा रहा था. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही जेसीबी ने इमारत के एक हिस्से पर दबाव बनाया, अचानक पूरी दीवार असंतुलित होकर भरभराकर नीचे गिर गई. दीवार के गिरते ही धूल का बड़ा गुबार उठ गया और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. दीवार बगल में मौजूद खाली प्लॉट की तरफ गिरी, लेकिन उसका मलबा सड़क तक फैल गया. कुछ समय के लिए इलाके में आवाजाही भी प्रभावित हुई.

ट्रक में बने गुप्त खांचे से 183 किलो गांजा बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. दक्षिण-पूर्वी जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने एक ट्रक के कंटेनर से 183 किलो गांजा बरामद किया है. इसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है. पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. खास बात यह है कि तस्करों ने गांजे को ट्रक के चालक केबिन के ऊपर बनाए गए एक गुप्त चैंबर में छिपा रखा था. नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दिल्ली पुलिस लगातार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों पर शिकंजा कस रही है.

दिल्ली के ओखला में आइसक्रीम स्टॉल लगाने गए शख्स की संदिग्ध मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ओखला स्थित गोदरेज साउथ इस्टेट में एक पार्टी के लिए स्टॉल लगाने पहुंचे 40 वर्षीय आइसक्रीम विक्रेता कल्लू शर्मा की संदिग्ध मौत हो गई.मृतक के परिजन के अनुसार, कल्लू शर्मा नेहरू नगर, ब्लॉक-10 के रहने वाले थे और उनका परिवार कुल्फी व आइसक्रीम का कारोबार करता है. परिवार का कहना है कि उन्हें कार्यक्रम में कुल्फी स्टॉल लगाने की बुकिंग मिली थी. परिजनों के मुताबिक, कल्लू शर्मा को उनके भाई श्याम शर्मा कार्यक्रम स्थल पर छोड़कर गए थे, जहां स्टॉल लगाने के दौरान उन्हें करंट लग गया.परिवार ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा मानकों में लापरवाही बरती गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ.

दिल्ली विश्वविद्यालय ने बीटेक कोर्स की पहली सीट आवंटन सूची जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीटेक पाठ्यक्रमों की प्रथम सीट आवंटन सूची जारी कर दी है. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार अब अपने डैशबोर्ड पर लॉग इन कर सीट आवंटन की स्थिति देख सकते हैं. दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, क्चञ्जद्गष्द्ध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहले चरण की सीट आवंटन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. जिन छात्रों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया था, वह विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर जाकर अपने खाते में लॉग इन कर परिणाम देख सकते हैं. सीट आवंटन के साथ ही छात्रों को आगे की प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है.

एनसीईआरटी ने पहली बार कक्षा 9 की किताब में 'आपातकाल' चैप्टर को शामिल किया

विश्लेषण करने वाले एक अध्याय में इमरजेंसी को शामिल किया गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इमरजेंसी लागू होने के लगभग पांच दशक बाद राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली बार कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में इस विषय को शामिल किया है. इसमें इसे 'प्रमुख चुनौतियों में से एक' के तौर पर पेश किया गया है, क्योंकि उस दौरान ज़्यादातर मौलिक अधिकार सस्पेंड कर दिए गए थे.

यह जिक्र हाल ही में तैयार की गई सोशल साइंस की पाठ्यपुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' में मिलता है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र की खूबियों और चुनौतियों का विश्लेषण करने वाले एक अध्याय में इमरजेंसी को शामिल किया गया है. एनसीईआरटी के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि यह पहली बार है जब कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में 'आपातकाल' पर एक सेक्शन जोड़ा गया है. स्कूल के पाठ्यक्रम में यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है, खासकर तब जब देश ने हाल ही में 1975 में लगाए गए आपातकाल के 50 साल पूरे होने का समय देखा है.

इस सेक्शन में लिखा गया, 'भारत में लोकतंत्र के सामने एक बड़ी चुनौती तब आई जब 1975-77 में आपातकाल लगाया गया. 1970 के दशक की शुरुआत में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति जनता में असंतोष बढ़ रहा था. बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और कुशासन के आरोपों के कारण बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए.'

इसमें आगे कहा गया,'जून 1975 में सरकार ने आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू किया. इस दौरान, ज़्यादातर मौलिक अधिकारों को निलंबित कर

दिया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और कई राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार किया गया. लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भारी दबाव पड़ा और नागरिकों की आजादी सीमित कर दी गई.' किताब में आपातकाल के खिलाफ आंदोलन में जयप्रकाश नारायण की भूमिका पर भी जोर दिया गया. 'जयप्रकाश नारायण - जो एक राजनीतिक नेता और समाजवादी विचारक थे और जिन्हें 'लोकनायक' के नाम से जाना जाता है - के नेतृत्व में चले जन-आंदोलनों ने छात्रों और नागरिकों, ख़ासकर बिहार और गुजरात में, बड़े पैमाने पर लामबंद किया. 1977 में आपातकाल हटा लिया गया और आम चुनाव हुए, जिससे लोगों को वोट के जरिए अपनी इच्छा जाहिर करने का मौका मिला. सत्ताधारी सरकार की हार ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और लोकतंत्र के महत्व को उजागर किया. 'आपातकाल' वाला हिस्सा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर हो रही व्यापक चर्चा का एक हिस्सा है. आपातकाल के अलावा यह पाठ्यपुस्तक लोकतांत्रिक कामकाज के लिए चुनौतियों के तौर पर फेक न्यूज, गलत जानकारी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने, सार्वजनिक नियमों के उल्लंघन, गरीबी, क्षेत्रवाद, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करती है. इस अध्याय में 'लोकतंत्र और आप' नाम का एक नया सेक्शन भी जोड़ा गया है.

सीजेपी का जंतर-मंतर पर छठा दिन भी प्रदर्शन जारी, देशभर से मिल रहा समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले चल रहे धरने का गुरुवार को छठा दिन है. शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर शुरू

हुए इस आंदोलन में देश के अलग-अलग राज्यों से छात्र, युवा, अभिभावक और आम नागरिक पहुंच रहे हैं. प्रदर्शनकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं. धरना स्थल पर दिनभर छात्र और युवा ने अपने विचार रख रहे हैं. प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना है कि हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं को लेकर सामने आए विवादों ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई है. छात्रों के भविष्य को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय की जानी चाहिए.

धरने में शामिल दिल्ली विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के छात्र हेमंत ने कहा कि वह छात्रों की आवाज को मजबूत करने के लिए आंदोलन में शामिल हुए हैं. उन्होंने कहा कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार गंभीरता नहीं दिखा रही है. हेमंत ने कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और इसी वजह से वे जंतर-मंतर पर अपनी बात रखने पहुंचे हैं. उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को खत्म करने की मांग की. उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिए शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की जरूरत है. उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से वह धरना स्थल पर सक्रिय हैं और लगातार कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं. उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से आए छात्र हैप्पी ने कहा कि वर्ष 2025 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है. उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्र केवल परीक्षा की तैयारी के दौरान ही नहीं, बल्कि परीक्षा देने के बाद भी तनाव में रहते हैं. कई बार परीक्षा खत्म होने के बाद भी छात्रों को इस बात की चिंता बनी रहती है कि कहीं पेपर लीक या किसी अन्य गड़बड़ी की खबर सामने न आ जाए. इससे छात्रों का आत्मविश्वास प्रभावित होता है. उन्होंने कहा कि इसी कारण आंदोलन का समर्थन करने दिल्ली आए हैं. उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देश के अलग-अलग राज्यों से लोग पहुंच रहे हैं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर एकजुटता दिखा रहे हैं. मुंबई से आए डॉक्टर सुरेश गवई ने भी आंदोलन का समर्थन किया. उन्होंने बताया कि मुंबई में अपना छोटा व्यवसाय और दवाखाना चलाते हैं.

इडी ने दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य खरीद में बढ़ाया जांच का दायरा, डीजीएचएस से मांगा ब्योरा

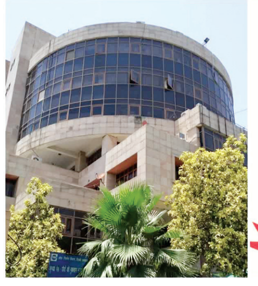

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी खरीद प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री हो गई है. ईडी ने भी अब शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में ईडी के दिल्ली जोन कार्यालय ने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक, दिल्ली सरकार को एक आधिकारिक पत्र जारी कर खरीद से जुड़े सभी रिकॉर्ड तलब किए हैं. यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत की जा रही है.

प्रवर्तन निदेशालय केंद्रीय खरीद एजेंसी द्वारा की गई खरीद गतिविधियों की व्यापक जांच कर रहा है. जांच का मुख्य केंद्र उन निविदाओं पर है, जिनमें चिकित्सा उपकरणों से लेकर दैनिक उपयोग की सामग्री तक शामिल हैं. इतना ही नहीं, जांच एजेंसी ने ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन, बेडशीट, पिलो कवर, लिनेन आइटम, तथा सर्जिकल सामान जैसे ड्रेसिंग, टांके कैनुला और दस्तानों सहित दवाओं की खरीद का भी पूरा विवरण मांगा है. ईडी केवल खरीद तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जांच एजेंसी ने टेंडर प्रक्रिया, तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन, अनुबंध दिए जाने, आपूर्ति, निरीक्षण, स्वीकृति और किए गए भुगतान के हर पहलू का ब्योरा मांगा है. एजेंसी उन कंपनियों और उनके अधिकृत वितरकों या वेंडरों के साथ हुए लेनदेन और सौदों की भी गहन पड़ताल कर रही है, जिन्हें ये अनुबंध दिए गए थे. इसमें विशेष रूप से प्रोग्नोसिस (पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों के लिए), किरण मेडिकल सिस्टम्स/ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर (सी-आर्म उपकरणों के लिए) और ड्रेगर (एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन के लिए) जैसी संस्थाओं और इनसे जुड़ी अन्य इकाइयों की भूमिका की जांच की जा रही है. 23 जून 2026 को जारी किए गए इस पत्र के माध्यम से ईडी ने छ्वत्र॥स से कहा है कि वह सभी खरीद-वार विवरण उपलब्ध कराए, जिसमें निविदा/बिड संख्या और खरीदी गई वस्तु का नाम शामिल हो. इस जांच को स्वास्थ्य विभाग में सरकारी खरीद के दौरान बरती गई कथित धांधली और मनी लॉन्ड्रिंग के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है. आगामी दिनों में यह स्पष्ट हो पाएगा कि इन रिकॉर्ड्स की जांच के बाद एजेंसी किन और बड़े नामों को पूछताछ के लिए बुलाती है. फिलहाल इस बड़ी कार्रवाई ने दिल्ली में स्वास्थ्य विभाग के खरीद तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

फ्रांस में इबोला ने दी दस्तक, कांगो से लौटे डॉक्टर में मिला संक्रमण

डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक आपातकाल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में इबोला का पहला मामला जानलेवा इबोला वायरस ने अब यूरोप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में इबोला के पहले मामले की पुष्टि की है, जिससे पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। यह मामला एक ऐसे डॉक्टर से जुड़ा है, जो हाल ही में कांगो में एक मानवीय मिशन पूरा करने के बाद फ्रांस लौटा था। संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद, डॉक्टर को एक विशेष आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

मरीज की हालत स्थिरः मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है और वह कुछ दिन पहले ही कांगो से लौटा था। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है।

राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने आम जनता के लिए संक्रमण के खतरे को फिलहाल बहुत कम बताया है, क्योंकि मरीज को लक्षण दिखने के तुरंत बाद ही अलग-थलग कर दिया गया था।

इबोला के खतरनाक आंकड़ेः इबोला वायरस वर्तमान में कांगो और युगांडा जैसे अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस वायरस की मृत्यु दर लगभग 25.5 प्रतिशत है, जो इसे बेहद घातक बनाती है।

बुंदीबुग्यो स्ट्रेन ने बढ़ाई चिंता

सबसे बड़ी चुनौती इस बार इबोला का 'बुंदीबुग्यो' स्ट्रेन चिंता का मुख्य कारण बना हुआ है। यह इबोला वायरस का एक दुर्लभ और खतरनाक प्रकार है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस विशिष्ट स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई प्रमाणित वैक्सीन या पूरी तरह से प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है। यह वायरस शरीर में तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली स्वास्थ्य आपात स्थिति' घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनिया भर के देशों को हवाई अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की सख्त सलाह दी है ताकि संक्रमित यात्रियों की समय पर पहचान की जा सके। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों को वर्तमान में 'हाई रिस्क जोन' में रखा गया है।

उषा वेंस ने कहा मैं अपने हिंदू धर्म से खुश हूं, पति जेडी वेंस के बयान पर मचा बवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इन दिनों अपनी राजनीतिक और निजी जिंदगी को लेकर भारी चर्चा में हैं। वार्ता के दौरान उनके पाकिस्तान समर्थक बयान ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा किया है। इसी बीच उनकी पत्नी उषा वेंस का धर्म और पहचान को लेकर दिया गया बयान सुर्खियां बटोर रहा है। उषा वेंस ने अपने धर्म को लेकर जो भी बातें कही हैं उससे राजनीति में एक नई बहस छिड़ गई है।

जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस का सीबीएस न्यूज को दिया गया नया इंटरव्यू इस समय काफी चर्चा में है। इस खास बातचीत में उषा ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह एक स्थिर हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें अपने हिंदू धर्म से अलग किसी नई आस्था को अपनाने की बिल्कुल जरूरत महसूस नहीं होती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब जेडी वेंस के समर्थकों के बीच कई तरह के सवाल लगातार उठ रहे हैं।

हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं उषाः उषा वेंस ने बहुत ही मजबूती के साथ कहा कि वह एक हिंदू परिवार में बड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने इस बयान में कहा कि मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया कि मुझे कुछ अलग तलाशने की जरूरत है। यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उनके पति जेडी वेंस कई बार अपनी धार्मिक आस्था का जिक्र करते रहे हैं। जेडी वेंस अक्सर यह इच्छा जता चुके हैं कि उनका परिवार भी उनके विश्वास को पूरी तरह साझा करे।

जेडी वेंस का पाकिस्तान पर बयानः स्विट्जरलैंड में वार्ता के दौरान जेडी वेंस ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उनकी जिंदगी में दो बेहद महत्वपूर्ण लोग हैं। उन्होंने बताया कि पहली भारतीय मेरी पत्नी उषा वेंस हैं और दूसरे पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हैं। इसके बाद एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर जेडी वेंस ने यह भी कह दिया कि उन्हें पाकिस्तान से प्यार है। इस बयान के बाद अमेरिका में जेडी वेंस की बहुत ज्यादा और भारी आलोचना होने लगी है।

रिपब्लिकन नेताओं ने जताई नाराजगीः जेडी वेंस के इस बयान को लेकर अमेरिका के दक्षिणपंथी और कंजर्वेटिव समर्थक काफी ज्यादा नाराज और परेशान हो गए हैं। कई रिपब्लिकन नेताओं ने पाकिस्तान के प्रति उनके इतने नरम रुख पर बहुत कड़े सवाल उठाए हैं। सीनेटर रिक स्कॉट ने पाकिस्तान और कतर के आतंकवाद से जुड़े पुराने रिकॉर्ड का प्रमुखता से जिक्र किया है। सीनेटर टिम शीही ने याद दिलाया कि आतंकवादी ओसामा बिन लादेन वर्षों तक पाकिस्तान में छिपा हुआ था।

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी:बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी, संसद इसके खिलाफ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

मुस्लिम देशों में सिर्फ पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि

अमेरिकी रिसर्च संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा जहां अमेरिका को लेकर लोगों की राय बेहतर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान में अमेरिका की छवि सुधरी। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तानियों को ट्रम्प पर भरोसा है। सर्वे में 82% पाकिस्तानियों ने कहा कि उन्हें ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि सिर्फ 12% ने उन पर विश्वास जताया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76% पाकिस्तानी मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में दखल देता है। यानी अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच बढ़ी है, लेकिन उसके इरादों और नेतृत्व को लेकर संदेह अब भी कायम है।

रूबियो बोले- 29-30 जून को अमेरिका-ईरान वार्ता फिर होगी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत 29 या 30 जून को स्विट्जरलैंड में फिर शुरू हो सकती है। यह बातचीत दोनों देशों के बीच हाल में हुए संघर्षविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए हो रही है। रूबियो ने ईरान को चेतावनी भी दी और कहा कि अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में राहत अस्थायी है। अगर ईरान ने स्विट्जरलैंड वार्ता में किए गए वादे पूरे नहीं किए तो राष्ट्रपति ट्रम्प के पास प्रतिबंध फिर से लागू करने का विकल्प मौजूद है।

संकल्प लें - नशे को कभी स्वीकार नहीं करेंगे : डीसी

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध दस दिवसीय जागरूकता अभियान का हुआ समापन ●नशामुक्त समाज निर्माण के लिए अनवरत जन-जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध संचालित दस दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का समापन समारोह गरगा पुल स्थित अमृत पार्क से आयोजित जागरूकता रैली के साथ संपन्न हुआ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित रैली अमृत पार्क से प्रारंभ होकर धर्मशाला मोड़, चास पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान नशामुक्ति के पक्ष में जन-जागरूकता संदेश दिए गए तथा लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया गया।

आप सभी इस अभियान के ब्रांड एंबेसडर हैं, जहां जाएं नशामुक्ति का संदेश लेकर जाएं : डीसी

समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि पिछले दस दिनों से चल रहे नशामुक्ति अभियान का औपचारिक समापन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही जिले में एक निरंतर एवं अनवरत नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान की शुरूआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोक कलाकारों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, एएनएम तथा बच्चों ने जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान को सफल बनाया है, वह पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से जीवन में कभी भी नशे को स्वीकार नहीं करने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे की शुरूआत अक्सर एक छोटी-सी गलती या जिज्ञासा से होती है, लेकिन उससे बाहर निकलने में पूरी जिंदगी लग जाती है। उन्होंने युवाओं से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से दूर रहने की अपील की।

गुरुजी के नशामुक्ति - शिक्षा के संदेश को बताया प्रेरणास्रोत

उपायुक्त (डीसी) ने कहा कि हाल ही में पद्म सम्मान से सम्मानित आदरणीय गुरुजी स्वर्गीय शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन नशामुक्ति और शिक्षा के प्रसार के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और शिक्षा को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। उनकी प्रेरणा आज भी हम सभी के लिए मार्ग दर्शक है।

नशा केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है : एसपी

मौके पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीना ने कहा कि कई बार कुछ लोग बहला-फुसलाकर या गलत संगति के माध्यम से युवाओं को नशे की ओर धकेलने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी को नशे की ओर प्रेरित करता है या गलत गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास करता है, तो इसकी जानकारी तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है, इसलिए सभी को स्वयं नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लेना चाहिए।

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, इसे नशे से बचाना है : डीडीसी

मौके पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने कहा कि नशा आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम पूरे परिवार और समाज को भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है जो वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रभावित करती है। डीडीसी ने कहा कि 15 से 30 वर्ष का आयु वर्ग भारत की सबसे बड़ी ताकत है और इसे देश का डेमोग्राफिक डिविडेंड माना जाता है। यदि यही युवा शक्ति नशे की चपेट में आ जाए तो यह पूरे समाज और राष्ट्र के लिए चिंता का विषय होगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपने परिवार और आसपास के लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने की अपील की।

उपायुक्त ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ, हस्ताक्षर अभियान का किया शुभारंभ

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई तथा हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी नशे को ना, जिंदगी को हां... का प्रभावी संदेश दिया गया। मौके पर अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद कुमार ने भी अपना वक्तव्य रखा। कार्यक्रम का संचालन जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) रवि कुमार ने किया। इस अवसर पर डीपीएलआरओ श्रीमती पूर्णिमा कुमारी, सिविल सर्जन डॉ. ए.बी. प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीपीएम जेएसएलपीएस श्री अनिल डुंगडुंग सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी सदस्य एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुहर्रम के अवसर पर 26 जून को दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू

भारी वाहनों के परिचालन पर विभिन्न मार्गों में प्रतिबंध, कई स्थानों पर वैकल्पिक मार्ग निर्धारित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुहर्रम के अवसर पर दिनांक 26 जून 2026 को निकलने वाले जुलूस एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, चास (बोकारो) द्वारा विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था अपराह्न 2:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक प्रभावी रहेगी। जारी आदेश के अनुसार पेटरवार, पुरुलिया, चंदनकियारी, धनबाद तथा इलेक्ट्रोस्टील की ओर से आने वाले भारी वाहनों को विभिन्न निर्धारित स्थलों पर रोकने की व्यवस्था की गई है। साथ ही उकरीद मोड़, नया मोड़, जोधाडीह मोड़, बालीडीह एवं तेलगढ़िया क्षेत्र में चारपहिया एवं तीनपहिया वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। उकरीद मोड़ से बालीडीह तथा तेलगढ़िया मोड़ से जोधाडीह मोड़ तक कुछ मार्गों पर वाहनों का परिचालन केवल दाहिनी ओर से संचालित किया जाएगा। वहीं, नया मोड़ से उकरीद मोड़ मार्ग पर जुलूस के दौरान बसों का परिचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। माराफारी से नया मोड़ की ओर आने वाले भारी वाहनों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है तथा उन्हें रेलवे पुल, माराफारी के समीप रोका जाएगा। बालीडीह से नया मोड़ की ओर जाने वाले वाहनों के लिए रेलवे गुड शेड, मनसा सिंह गेट एवं माराफारी होकर वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। अनुमंडल प्रशासन ने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र में निर्धारित समय एवं स्थान पर वाहनों को रोकना तथा यातायात व्यवस्था का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करें। प्रशासन ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन करें तथा मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करें।

संक्षिप्त समाचार

बीपीएससी में चयनित पूनम को मुखिया ने किया सम्मानित

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट निवासी जवाहर साफी के पुत्री एवं पूर्व मुखिया स्वर्गीय मातवर साफी के पोती पूनम साफी 259 रैंक लाकर 70 वीं बीपीएससी परीक्षा में रेवेन्यू ऑफिसर के पद पर चयनित हुई। संपूर्ण तेनुघाट का मान बढ़ाई। बताते चले कि पूनम ने वर्ष 2024 में महज 21 साल की उम्र में बीपीएससी सीसीई की परीक्षा दी थी। पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। एक साधारण परिवार से आने वाली पूनम की इस उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी की लहर है।इस मौके पर तेनुघाट

पंचायत मुखिया नीलम श्रीवास्तव, पंचायत समिति सदस्य अजीत कुमार पांडेय एवं समाज सेवी संतोष श्रीवास्तव ने पूनम साफी को मिठाई खिलाकर एवं उनके परिजनों को अंगवस्त्र ओढ़ा कर सम्मानित किया।परिजनों ने बताया कि पूनम ने कड़ी मेहनत और लगन से 70 वीं बीपीएससी की परीक्षा पास कर रेवेन्यू ऑफिसर का पद हासिल किया है। पूनम की इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे तेनुघाट क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है।चयन की खबर मिलते ही बधाई देने के लिए रिश्तेदारों और आस-पड़ोस के लोगों का तांता लग गया। सभी ने पूनम की सफलता पर खुशी जताई और प्रशासनिक सेवा में बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

धनबाद के बकायेदार दुकानों पर कार्रवाई, तीन दुकानें सील

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला परिषद धनबाद द्वारा बकाया दुकान भाड़ा की वसूली हेतु विशेष अभियान चलाया गया। लंबे समय से किराया जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जिला परिषद की तीन दुकानों को सील कर दिया गया। जिला परिषद के अनुसार सील की गई दुकानों में एल-6 (बासुदेव प्रसाद), एल-12 (मकसूद अंसारी) तथा आर७/8 (मुसाफिर सिंह) शामिल हैं। इन दुकानों पर क्रमशः लगभग ₹1,63,738, ₹2,11,848 तथा

₹1,06,890 की किराया राशि बकाया थी। जिला परिषद प्रशासन ने बताया कि बार-बार नोटिस एवं निर्देश दिए जाने के बावजूद संबंधित दुकानदारों द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। विशेष रूप से दुकान संख्या एल-12, जो मकसूद अंसारी के नाम आवंटित थी, पर अवैध रूप से कब्जा कर उसे स्वास्थ्य जांच केंद्र के रूप में संचालित किया जा रहा था। यह गतिविधि आवंटन की शर्तों के विपरीत पाई गई। इसके मद्देनजर जिला परिषद द्वारा उक्त दुकान को भी सील कर दिया गया। जिला परिषद ने स्पष्ट किया है कि बकाया किराया रखने वाले अन्य दुकानदारों के विरुद्ध भी आगे इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही सभी दुकानदारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बकाया राशि जमा करने एवं आवंटन की शर्तों का पालन करने की अपील की गई है।

रोटरी क्लब चास ने आयोजित किया अवार्ड समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास द्वारा क्लब अवॉर्ड समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। समारोह की अध्यक्षता एवं संचालन क्लब की अध्यक्ष डिंपल कौर ने किया। इस अवसर पर क्लब के विभिन्न सेवा प्रकल्पों एवं सामाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। सहायक मंडल अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह ने सदस्यों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में अर्चना सिंह, डॉ. सुमन, हरबंस सिंह, पूजा

बैद, संजय बैद, नरेंद्र सिंह, मंजीत सिंह, गौरव रस्तोगी, श्वेता रस्तोगी, शैल रस्तोगी, मुकेश अग्रवाल एवं आनंद अग्रवाल शामिल थे। अपने संबोधन में अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि रोटरी क्लब चास समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ही क्लब की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने सम्मानित सदस्यों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और उत्साह के साथ समाज सेवा के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया। सचिव श्वेता रस्तोगी ने वर्ष भर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह में क्लब के सदस्यों ने आपसी सौहार्द एवं सेवा भावना को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर बिनोद चोपड़ा, डॉ श्रवण कुमार,सिद्धार्थ पारख, विपिन अग्रवाल, संजय रस्तोगी, कविता मल्लिक, कैंडिडा टबोड़ा, पूनम अग्रवाल, सुमी कौर, ज्योति अग्रवाल, नेहा अग्रवाल अमन मल्लिक, ब्रुश टबोडा, ललिता चोपड़ा, आरती पारख, माधुरी सिंह, मनप्रीत कौर, चनप्रीत सिंह उपस्थित रहे।

बीएसएल में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में आज 'प्रदूषण नियंत्रण एवं अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व से अवगत कराया गया। इस दौरान जिम्मेदार औद्योगिक संचालन,

पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरणीय अनुपालन तथा सतत अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही बताया गया कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण उपायों एवं उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को अपनाना आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्रों के दौरान पर्यावरणीय नियमों, औद्योगिक प्रदूषण के स्रोतों, प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों तथा संगठन में पर्यावरणीय अनुपालन एवं सततता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की विस्तृत जानकारी दी गई। दूसरे तकनीकी सत्र में अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न आयामों, जैसे अपशिष्ट पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग), सुरक्षित निपटान तकनीकों तथा कार्यस्थल पर पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार को बढ़ावा देने में कर्मचारियों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

कोचिंग संस्थान, पुस्तकालय, छात्रावास, होटल एवं गेस्ट हाउसों का होगा विशेष सुरक्षा ऑडिट : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पड़ोसी राज्य अंतर्गत लखनऊ के अलीगंज स्थित एक एनिमेशन सेंटर एवं पेट क्लीनिक में आग लगने की दुखद घटना में 15 लोगों की मृत्यु के बाद बोकारो जिला प्रशासन ने जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों, ट्यूटोरियल, पुस्तकालयों, छात्रावासों, होटलों एवं गेस्ट हाउसों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा का निर्णय लिया है। इस संबंध में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने अनुमंडल पदाधिकारी, चास एवं बेरमो (तेनुघाट), चास नगर निगम एवं फुसरो नगर परिषद के पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

जारी आदेश के अनुसार दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित संस्थानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराते हुए एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा गया है। साथ ही राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीएस) एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

फायर सेफ्टी एनओसी और आपात निकास की होगी जांच

जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित संस्थानों के पास अग्निशमन विभाग द्वारा जारी वैध अग्निशमन सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर सेफ्टी एनओसी) उपलब्ध है या नहीं। इसके अतिरिक्त भवनों में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था एवं उसकी कार्यशीलता की भी जांच की जाएगी।

सीढ़ियों, विद्युत सुरक्षा एवं क्षमता से अधिक भीड़ पर विशेष नजर

जिला प्रशासन ने भवनों में आवागमन के लिए उपलब्ध सीढ़ियों की स्थिति, संकीर्ण मार्गों पर निर्भरता तथा आग या अन्य आपदा की स्थिति में सुरक्षित निकासी की संभावनाओं का आकलन करने को कहा है। साथ ही शॉर्ट सर्किट एवं अग्निकांड की आशंका को रोकने के लिए विद्युत व्यवस्था की सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्थापना की भी जांच होगी। इसके अलावा संस्थानों में भवन की निर्धारित संरचनात्मक क्षमता से अधिक विद्यार्थियों अथवा लोगों की उपस्थिति की भी समीक्षा की जाएगी, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में संभावित जनहानि को रोका जा सके।

जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संभावित अग्निकांड अथवा आपदा से जनहानि और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। डीसी ने बीएसएल निदेशक प्रभारी को डीओ लेटर जारी कर विशेष ऑडिट करा प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। लखनऊ अग्निकांड के मद्देनजर सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, फायर सेफ्टी एनओसी, इमरजेंसी एग्जिट, विद्युत सुरक्षा एवं क्षमता से अधिक छात्रों की उपस्थिति की जांच होगी। उपायुक्त ने कहा है कि किसी भी संभावित अग्निकांड अथवा आपदा की स्थिति में जनहानि को रोकने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन आवश्यक है। जांच के दौरान पाई जाने वाली कमियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

स्टेकहोल्डर्स की बैठक में लड़कियों व महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की अपील

कसमार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के गररी पंचायत मे स्थित रजवार टोला मे गुरुवार को सहयोगिनी संस्था के के द्वारा स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याणार्थ

श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं सहित बाल विवाह के कुप्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक मे जानकारी देते हुए श्रमिक मित्र कमलेश जायसवाल एवं सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने बताया कि सरकार द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में कई बार ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद लोग इसके लाभ से वंचित रह जाते हैं। बताया गया कि ई-श्रम पोर्टल और श्रम विभाग में निबंधन कराने से श्रमिकों को दुर्घटना बीमा, चिकित्सा सहायता और उनके बच्चों को छात्रवृत्ति का सीधा लाभ मिलता है। बैठक में महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और उनके स्वावलंबन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने बताया कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही गई।सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना और मातृ वंदना योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत योग्य महिलाओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। बताया गया कि सहयोगिनी का मुख्य उद्देश्य योजनाओं को सिर्फ फाइलों तक सीमित न रखकर धरातल पर उतारना है। इसके लिए पंचायत स्तर के प्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी सेविकाओं, सहिया और सामाजिक कार्यकर्ताओं को मिलकर एक सेतु के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस प्रखंड में बाल विवाह तथा किशोरी नेतृत्व पर 30 गांव में विशेष कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस मौके पर सेविका फूलकुमारी देवी, अंजू देवी,वार्ड सदस्य,जवा देवी पार्वती देवी, बबिता देवी, सुमन देवी,चम्पा देवी, द्रोपती देवी कुंती देवी, सरला देवी, सागर महतो, रितेश कपरदार, मुकेश कपरदार, गोलक नाथ ठाकुर, कमलेश जायसवाल, संजय कपरदार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं एवं उद्यमियों की मांगों को लेकर बैठक में मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार के उपनिदेशक मनोज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स

एंड इंडस्ट्रीज सहित विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपनिदेशक मनोज कुमार ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा कहा कि उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं नियमित संवाद के उद्देश्य से प्रत्येक माह के अंतिम गुरुवार को बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं अन्य संगठनों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की अधिकांश सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है तथा जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं। वर्षा ऋतु में इन गड्ढों की गहराई का अनुमान नहीं लग पाने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। महामंत्री ने यह भी कहा कि क्षेत्र की नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बरसात के समय लगभग 20 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयों में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे उत्पादन एवं व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। उन्होंने नालियों की शीघ्र सफाई कराने की मांग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों के बंद रहने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अधिकांश स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें कार्य नहीं कर रही हैं, जिससे रात्रि के समय सुरक्षा एवं आवागमन में कठिनाई होती है। उन्होंने सभी स्ट्रीट लाइटों को अविलंब दुरुस्त कराने की मांग की। राजकुमार जायसवाल ने यह भी मांग की कि झारखंड राज्य गठन के बाद स्थापित औद्योगिक इकाइयों के लिए आवासीय भूखंड आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। साथ ही, उद्योग विभाग द्वारा विभिन्न इकाइयों को स्वीकृत अनुदान की राशि पिछले लगभग दस वर्षों से लंबित है, जिसे शीघ्र निर्गत किया जाना चाहिए। बैठक में बियाडा के सहायक विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार, गणेश प्रसाद,बोकारो चैंबर के विनय सिंह, अजय केडिया, लघु उद्योग भारती के अभय श्रीवास्तव, संकल्प उद्यम के राजेश प्रसाद, राजीव रंजन, ललन सिंह, संजय भारती, राजीव कुमार सहित अन्य उद्यमी उपस्थित थे।

दस लाख सुपारी देकर पिता की हत्या कराने वाले कलयुगी बेटे सहित तीन गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद पुलिस ने बीसीसीएल में नौकरी लेने के लिए अपने पिता की दस लाख रुपए सुपाड़ी देकर हत्या कराने वाले कलयुगी बेटे सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसको लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने मीडिया को बताया कि 20 जून को सुबह करीब 4:45 बजे चौकीदार के माध्यम से सूचना मिली

कि चिटाही से बरोरा जानेवाली सडक में झाड़ी के पास सड़क पर ही हत्या कर एक शव को रखा गया है। शव को कब्जे में रखकर बरोरा थाना में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। कांड के त्वरित उद्भेदन के लिए एसएसपी प्रभात कुमार के निदेर्शानुसार ग्रामीण एसपी ने एसडीपीओ, बाघमारा के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक की पहचान करते हुए कांड में संलिप्त तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर तीनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून लगा पत्थर, घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल जेएच 10डीडी 4358 एवं खून लगे अभियुक्त के कपड़े इत्यादि बरामद किए गए। ग्रामीण एसपी ने बताया कि हत्या का मुख्य कारण मृतक तुलेश्वर नोनिया के मंझले पुत्र विजय नोनिया द्वारा अपने पिता की जगह बीसीसीएल में नौकरी प्राप्त करना था। अपने पिता की हत्या के लिए उसने दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को दस लाख रुपए में सुपाड़ी दी थी। हत्याकांड में पुलिस ने अखिलेश मल्लाह मुजफ्फरपुर (बिहार), अमित कुमार सिंह थाना-मधुबन, धनबाद तथा मृतक के पुत्र विजय नोनिया को गिरफ्तार किया है। छापामारी दल में एसडीपीओ बाघमारा अजीत कुमार विमल, कतरास अंचल के पुलिस निरीक्षक मो रूस्तम, बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार, मधुबन थाना प्रभारी शुभम कुमार, सोनारडीह ओपी प्रभारी दिलीप पाल, बरोरा थाना के सुबोध प्रमाणिक, मिथुन कुमार व बरोरा थाना का सशस्त्र बल शामिल थे।

जियाडा क्षेत्रीय कार्यालय में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

आधारभूत संरचना, बिजली एवं साफ-सफाई सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को क्षेत्रीय निदेशक, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र सह उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार बियाडा भवन, बालीडीह स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय उप निदेशक, जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र की अध्यक्षता में विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी औद्योगिक एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने अपने-अपने एजेंडे प्रस्तुत किए तथा औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। प्रतिनिधियों द्वारा मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के तहत सड़क, नाला एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की मरम्मत कराने का अनुरोध किया गया। इसके अलावा बीएसएल से संबंधित 50वीं पीएलसी एवं सब-पीएलसी के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग भी रखी गई।

बरसात पूर्व सफाई एवं बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग

बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में मानसून से पूर्व व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाने तथा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का आग्रह किया गया। साथ ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार लाने एवं औद्योगिक इकाइयों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध भी प्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

सीएसआर मद से विकास कार्य कराने का सुझाव

उद्योग प्रतिनिधियों ने सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) मद के तहत सड़क एवं नाला मरम्मत जैसे विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों की आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके। बैठक के उपरांत क्षेत्रीय उप निदेशक, जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र द्वारा संबंधित विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए तथा विभिन्न मांगों एवं सुझावों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही गई। बैठक में क्षेत्रीय उप निदेशक, जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र, सहायक विकास पदाधिकारी, जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र सहित बोकारो चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज, उद्यम संकल्प, लघु उद्योग भारती, एससी/एसटी उद्यमी विकास संघ, बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा झारखंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, बोकारो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com